सुविचार

अब तो मजहब कोई ऐसा भी चलाया जाए, जिसमें इंसान को इंसान बनाया जाए।

-गोपाल दास नीरज

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 19 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 63 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Tamannaah Bhatia Drops Ctyptic...

इफ्तार (बुधवार) : 06:01

सेहरी (गुरुवार) : 04:35

SHARE

सेंसेक्स	:	75,301.26
निफ्टी	:	22,834.30

SARAFA

सोना	:	8,440
चांदी	:	113.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

श्री बंशीधर महोत्सव का आज उद्घाटन करेंगे हेमंत

RANCHI : गढ़वा के श्री बंशीधर नगर में दो दिवसीय श्री बंशीधर महोत्सव की तैयारी जोरों पर है। 19 मार्च की दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। श्री बंशीधर नगर के एसडीएम प्रभाकर मिर्धा ने बताया कि कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शिरकत करेंगे, जिसके लिए अनुमंडल कार्यालय परिसर में हेलीपैड का निर्माण कराया जा रहा है। वर्ष 2017 में तत्कालीन रघुवर दास की सरकार ने राजकीय महोत्सव का दर्जा देते हुए श्री बंशीधर महोत्सव मनाने की स्वीकृति दी थी। अब तक चार बार इस महोत्सव का सफल आयोजन किया जा चुका है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन, पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, और भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत प्रताप देव भी मौजूद रहेंगे।

राम मंदिर में रामदरबार का सिंहासन बनकर तैयार

AYODHYA : अयोध्या में रामनवमी से पहले ट्रस्ट ने भव्य राम मंदिर की 8 नई तस्वीरें जारी की हैं। इसमें फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना के लिए सफेद संगमरमर का सिंहासन बनकर तैयार हो गया है। ग्राउंड फ्लोर की ही तरह फर्स्ट फ्लोर पर सिंहासन बनाया गया है। गर्भगृह में भव्य नक्काशी की गई है। सामने मंडपम बनाया गया है। इसके खंभों में भी नक्काशी की गई है, जो कि जयपुर के पिंक सैंड स्टोन से बनाया गया है। राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा 14 और मंदिर बन रहे हैं। इनमें मूर्तियों की स्थापना के लिए अभी शुभ तिथि अक्षय तृतीया) और प्राण प्रतिष्ठा को तय हुई है।

बजट सत्र का 12वां दिन : सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा करने लगा विपक्ष

विस में गूंजता रहा गिरिडीह हिंसा का मामला

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 12वें दिन सदन की कार्यवाही 11 बजकर 6 मिनट पर शुरू हुई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने गिरिडीह में हिंसा की घटना को लेकर जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के सदस्य वेल में आकर जोर-जोर से चिल्लाने लगे। इसके बाद स्पीकर रबींद्रनाथ महतो को एक घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने के बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हमारे क्षेत्र में सुनियोजित तरीके से घटना घटी। जब होली खेलते लोग आगे बढ़ रहे थे तो पुलिस ने उन्हें रोका। उनपर पत्थर चलाए गए, पेट्रोल बम फेंका गया। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। तुष्टीकरण की राजनीति की भी हद होती है। 80 लोगों पर केस दर्ज किया गया। इसमें 40 हिंदू और 40 मुसलमान हैं। जिन 22 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उसमें भी 11 हिंदू हैं और 11 मुसलमान। हिंदुओं के पास न पत्थर था, न पेट्रोल बम। जिन लोगों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, उनपर केस होना चाहिए। इसके बाद बाबूलाल मरांडी लॉ एंड ऑर्डर पर बहस कराने को लेकर अड़े रहे। कहा- राज्य में कानून व्यवस्था बिगड़ रही है। ईद भी है, सरहुल भी है और रामनवमी भी है। प्रश्नकाल छोड़कर बहस कराएं।

वेल में आकर जोर-जोर से चिल्लाने लगे विपक्षी

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी बोले- तुष्टीकरण की राजनीति की भी होती है हद

संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण ने कहा- उचित नहीं ऐसे मामलों में सियासत करना

सुनियोजित ढंग से की गई सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश : सुदिव्य

मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि संप्रादायिक सौहार्द बिगाड़ने की सुनियोजित ढ़ंग से कोशिश की गई। जिला प्रशासन के साथ किसने हाथापाई की। देश में समाज को बांटने की कोशिश उत्तर प्रदेश से चली है। इसपर प्रदीप यादव ने कहा कि हिंदू और मुसलमानों को दो भागों में बांट कर राजनीति करने की आदत भाजपा की रही है। संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि ऐसे मामलों में पक्ष और विपक्ष संवेदनशील होते हैं। जिस दिन गृह विभाग के अनुदान मांग पर चर्चा होगी, उस दिन इस पर भी चर्चा होगी। ऐसी घटना को लेकर राजनीति करना उचित नहीं।

घटना में शामिल थे बीजेपी के नेता : इरफान अंसारी

सदन की कार्रवाई शुरू होने से पहले मंत्री इरफान अंसारी ने बीजेपी नेताओं पर आरोप लगाया कि वे गिरिडीह की घटना में शामिल थे। मंत्री इरफान अंसारी ने पूर्व सीएम रघुवर दास के गिरिडीह दौरे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रघुवर दास वहां जाकर उकसाने का काम कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। इरफान अंसारी ने बीजेपी नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि झारखंड का माहौल खराब करने की कोशिश न करें। यहां हेमंत सोरेन की सरकार है और किसी भी सूरत में माहौल नहीं बिगड़ने दिया जाएगा। जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ, वैसे ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह घटना पर अपनी बात रखनी चाही।

एआईसीटीई से मान्यता पर चर्चा में सीएम ने किया हस्तक्षेप

बजट सत्र के दौरान जिगा सोसारण होरो ने सिसई में पॉलिटेक्नीक कॉलेज की पढ़ाई शुरू करने का मामला उठाया। कहा कि सिसई में पॉलिटेक्निक कॉलेज का भवन तैयार है। कब से पढ़ाई शुरू होगी। इस पर मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि वहां प्रभारी प्राचार्य की नियुक्ति कर दी गई है। एआईसीटीई से मान्यता मिलने के बाद पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। इस पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में गठबंधन की सरकार है, जबकि केंद्र में विपक्ष की सरकार। विपक्ष पर भी इसकी जवाबदेही है। राज्य सरकार अपनी तरफ से लगातार इस विषय पर काम कर रही है। भारत सरकार से पत्राचार भी किया गया है।

चिंता की बात नहीं, बढ़िया से मनेगा सरहुल : हेमंत

झारखंड विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान मंगलवार को ध्यानाकर्षण के जरिये सीपी सिंह ने सिरमटोली फ्लाईओवर मामले को सदन में रखा। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर को लेकर वहां के लोग आंदोलनरत है। मेरे साथ-साथ सीएम सहित अन्य मंत्रियों का पूतला फूंका गया। यह मेरे विधानसभा में आता है। सरहुल में वहां पूजा अर्चना-होती है। हजारों-हजार लोग वहां आते हैं। इसका समाधान जल्द किया जाए। इस पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि सामाजिक संगठनों के माध्यम से यह विषय मेरे पास आया है।

एसीबी ने 10 हजार रिश्वत लेते रंगेहाथ दबोचा

तमाड़ में प्रखंड आपूर्ति अफसर घूस लेते अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने तमाड़ प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अभिजीत चैल को 10 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, अभिजीत चैल जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों से अवैध वसूली करते थे। एसीबी ने बताया कि तमाड़ थाना क्षेत्र के धनंजय साहू ने लिखित आवेदन दिया था। आवेदन में उन्होंने बताया था कि पैतृक गांव परसा में उनके नाम से सरकारी जन वितरण प्रणाली की दुकान है, जो 1989 से संचालित हो रहा है। वर्तमान समय में तमाड़ प्रखंड में अभिजित चैल प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के प्रभार में हैं। पीडीएस दुकानों से अभिजीत चैल अवैध रूप से तीन हजार रुपये प्रति माह रिश्वत की वसूली कर रहे हैं। शिकायत में धनंजय ने कहा कि प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अभिजीत चैल आठ मार्च को दुकान आए और पीडीएस दुकान चलाने के लिए 20 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी।

● पीडीएस दुकानों से अवैध वसूली करने की मिली थी शिकायत

औरंगजेब कब्र विवाद में हिंसा के बाद नागपुर में लगाया गया कर्फ्यू

NAGPUR : औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर सोमवार को महाराष्ट्र में हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान नागपुर में विहिप ने गोबर के कंडों से भरा एक हरे रंग का कपड़ा जला दिया। विहिप के अनुसार, ये औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र थी। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया। देर शाम 7:30 बजे नागपुर के महाल इलाके में हिंसा भड़क गई। इसके बाद पथराव और तोड़फोड़ शुरू हो गई। उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और सड़क पर खड़े दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़-आगजनी की। पुलिस पर भी हमला किया गया। डीसीपी निकेतन कदम कुल्हाड़ी के हमले से घायल हो गए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। रात 10.30 बजे से 11.30 बजे के बीच ओल्ड भंडारा रोड के पास हंसपुरी इलाके में एक और झड़प हुई। पुलिस कमिश्नर रविंद्र सिंघल ने बताया कि 11 इलाकों कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरानगर और कपिलनगर में में कर्फ्यू लगाया गया है।

व्यापक आध्यात्मिक आयोजन से निकला एकता का अमृत बहुत ही पवित्र प्रसाद

महाकुंभ आयोजन भगीरथ प्रयास, दुनिया ने देखी विविधता में एकता : पीएम मोदी

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को बजट सत्र के दूसरे फेज के पांचवें दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ के भव्य आयोजन की तुलना भगीरथ के धरती पर गंगा को लाने से की। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट और विविध स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाकुंभ का आयोजन हमें जल संरक्षण के महत्व का ध्यान कराता है और प्रेरणा देता है की कुंभ की भांति ही हम नदी उत्सव मनाएं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ से बहुत से अमृत निकले हैं। इसमें एकता का अमृत बहुत ही पवित्र प्रसाद है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है। प्रयागराज में हमने इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया है।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने आभास कराया था कि अगले हजार वर्षों के लिए तैयार है देश

हर क्षेत्र, हर कोने से आए लोग

प्रधानमंत्री मोदी ने सदन के माध्यम से देशवासियों, उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश की जनता, प्रयागराज की जनता और देशभर से आए श्रद्धालुओं का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने मॉरीशस की यात्रा के दौरान कुंभ त्रिवेणी संगम के पवित्र जल को वहां गंगा तालाब में मिलाए जाने का भी जिक्र किया।

जिनकी मृत्यु हुई, पीएम ने उन्हें नहीं दी श्रद्धांजलि : राहुल गांधी

उधर, राहुल गांधी ने मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा- मैं प्रधानमंत्री की बात का समर्थन करना चाहता था। कुंभ हमारी परंपरा है, संस्कृति है, इतिहास है। एक शिकायत थी कि प्रधानमंत्री ने जिनकी मृत्यु हुई, उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। जो युवा कुंभ में गए, उन्हें प्रधानमंत्री से रोजगार चाहिए और प्रधानमंत्री को उस पर भी बोलना चाहिए था। राहुल ने कहा कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया गया।

छत्तीसगढ़ एसीबी को सरकार से चाहिए अनुमति

विनय व गजेंद्र पर मुकदमा चलाने की मांगी गई इजाजत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में कथित तौर पर हुए शराब घोटाले के मामले में छत्तीसगढ़ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की आर्थिक अपराध शाखा ने आईएएस विनय कुमार चौबे और उत्पाद विभाग के अधिकारी गजेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा चलाने की झारखंड सरकार से इजाजत मांगी है। इस मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नवंबर 2024 में पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा रखी है। विनय चौबे अभी पंचायती राज के सचिव हैं। बता दें कि रायपुर के आर्थिक अपराध शाखा ने शराब घोटाले को लेकर मामला दर्ज किया था। इस मामले में छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के अलावा झारखंड के आईएएस और तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे को भी आरोपी बनाया गया था। जानकारी के अनुसार, ईओडब्लू रायपुर के इंस्पेक्टर ने अफसरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

प्रदीप कुमार के खिलाफ सीएम ने दिया विभागीय कार्यवाही चलाने का आदेश

एटीएस के तत्कालीन डीएसपी पर चलेगा मुकदमा

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) के तत्कालीन डीएसपी प्रदीप कुमार को निलंबित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का आदेश दिया है। बता दें कि डीएसपी पर बिहार के औरंगाबाद के एक युवक ने गंभीर आरोप लगाए थे। युवक का आरोप था कि डीएसपी पीपी कुमार के उसकी पत्नी से नजदीकी संबंध हैं। वह रात-रातभर उनकी पत्नी से फोन पर बात करते हैं। जब वे इसका विरोध करते थे तो डीसएपी उसे जान से मारने की धमकी देते थे। युवक का यह भी आरोप है कि एटीएस के तत्कालीन डीएसपी जातिसूचक शब्द का प्रयोग कर उसे अपशब्द बोलते थे।

किए गए सस्पेंड, महिला संबंधी मामले को लेकर लगा था गंभीर आरोप

● औरंगाबाद के युवक ने गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय से की थी शिकायत

पत्नी को तलाक देने के लिए डालते थे दबाव

पीड़ित का आरोप है कि डीएसपी उस पर पत्नी को तलाक देने के लिए भी दबाव भी बना रहे थे। ऐसा नहीं करने पर इसका अंजाम भुगतने की धमकी देते थे। युवक का कहना है कि डीएसपी की इस हरकत और धमकी से वह परेशान है और उसका दांपत्य जीवन टूटने की कगार पर पहुंच गया है। युवक ने इस मामले की शिकायत झारखंड सरकार के गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग व पुलिस मुख्यालय से की थी।

जांच के बाद एक्शन

झारखंड सरकार ने पीड़ित युवक की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच के लिए टीम गठित की थी। रिपोर्ट आने के बाद एटीएस के तत्कालीन डीएसपी प्रदीप कुमार को निलंबित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने के प्रस्ताव को सीएम ने मंजूरी दे दी। एडीजी प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण सुमन गुप्ता की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम में सीआईडी के आईजी असीम विक्रांत मिंज व डीआईजी रांची अनूप बिरथरे थे।

इंडियन नेवी में जल्द शामिल किए जाएंगे दो युद्धपोत, बढ़ेगी ताकत

AGENCY KOLKATA : इंडियन नेवी यानी भारतीय नौसेना में जल्द ही दो नए युद्धपोत शामिल किए जाएंगे। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस हिमगिरि और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अंद्रोथ का समुद्री परीक्षण पूरा होने का एलान किया है। दोनों युद्धपोतों ने तीन मार्च को कॉन्ट्रैक्टर सी ट्रायल (सीएसटी) पूरा किया। इसे किसी भी जंगी जहाज के निर्माण की अंतिम प्रक्रिया माना जाता है। आईएनएस हिमगिरि, प्रोजेक्ट 17-ए के तहत बनाए जा रहे युद्धपोतों में से एक है। इसका निर्माण जीआरएसई कर रहा है और यह छह हजार 670 टन के विस्थापन के साथ भारत में बना अब तक का सबसे बड़ा फ्रिगेट है। इस युद्धपोत को ब्रह्मोस एंटी-शिप और एंटी-सर्फेस मिसाइलों के साथ-साथ बराक-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस किया गया है। इससे पहले, प्रोजेक्ट 17-ए का पहला फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने बनाया गया था, जिसे इस साल 15 जनवरी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना में शामिल किया था।

- आईएनएस हिमगिरि व अंद्रोथ का पूरा हुआ समुद्री परीक्षण जीआरएसई ने की घोषणा
- किसी भी जंगी जहाज निर्माण की अंतिम प्रक्रिया है कॉन्ट्रैक्टर सी ट्रायल
- जहाजों की गति, संचालन क्षमता और ऑन बोर्ड सिस्टम का किया गया परीक्षण
- 17-ए के तहत बनाए जा रहे युद्धपोतों में से एक है आईएनएस हिमगिरि
- यह 6 हजार 670 टन के विस्थापन के साथ भारत में बना अब तक का सबसे बड़ा फ्रिगेट

सकारात्मक संकेत पीएलएफएस के आंकड़े बता रहे, 7 सालों में बढ़ा कामगार-जनसंख्या अनुपात

रोजगार की रफ्तार में आई तेजी, मगर सता रही महंगाई की मार

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : साल 2014 में सत्ता में आने के पहले तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। इस वादे ने उन्हें शानदार जीत दिलाई और वह देश के प्रधानमंत्री बने। साल 2019 में फिर उन्हें बंपर जीत मिली। उन्होंने दूसरी बार देश की सत्ता संभाली। साल 2024 में बेशक बड़ा झटका लगा और भाजपा बहुमत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकी, फिर भी अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार सत्ता संभाली। शुरू से ही जिस बात के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सबसे ज्यादा आलोचना होती है, वह है रोजगार की स्थिति। विपक्ष ही नहीं, देश के युवाओं को भी लगता है कि रोजगार देने में सरकार सफल नहीं है। लेकिन, इसके विपरीत बड़ी सच्चाई यह है कि मोदी सरकार ने रोजगार के अवसर तो अच्छी संख्या में पैदा किए, लेकिन महंगाई की मार से इसका महत्व कम हो गया। इसका खुलासा नीति आयोग के सदस्य और चर्चित अर्थशास्त्री अरविंद विरमानी ने किया है।

नौकरी और कौशल एक ही सिक्के के दो पहलू, बेहतर हुनर की हो रही कद्र

पापुलेशन में वृद्धि के मुकाबले अधिक तेज गति से बढ़ रही नौकरियों की संख्या

- ठेके पर काम करने वालों का ठीक-ठाक बढ़ा वास्तविक वेतन स्थिति में हुआ सुधार
- स्किल डेवलपमेंट के लिए बड़े स्तर पर करना होगा काम, केंद्र सरकार दे रही ध्यान
- शिक्षा के हर क्षेत्र में आवश्यकता के अनुसार कौशल विकास को आगे बढ़ाना जरूरी

देश में नौकरी के लिए कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां नहीं आता कोई आवेदन

पारिश्रमिक के आंकड़ों की सच्चाई

विरमानी ने समझाया कि यह कहना गलत है कि नौकरियां नहीं बढ़ रही हैं। अगर पीएलएफएस में पारिश्रमिक के आंकड़ों को देखें, तो ठेके पर काम करने वालों का वास्तविक वेतन सात साल के दौरान बढ़ा है। उनकी स्थिति सुधरी है।

स्किल की कमी वेतन वृद्धि में बाधा

विरमानी की मानें तो महंगाई के हिसाब से पारिश्रमिक नहीं बढ़ने का मुख्य कारण स्किल की कमी है। हम कौशल वाली नौकरियां नहीं ले रहे हैं। हमें कौशल पर काम करना होगा। केंद्र सरकार कदम उठा रही है। राज्यों और जिला स्तर पर भी इस दिशा में काम करने की जरूरत है, क्योंकि नौकरियों का सृजन वहीं होगा। विरमानी के मुताबिक, शिक्षा के हर स्तर पर कौशल विकास की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि सबको आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) या इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर बनने के लिए ही कौशल चाहिए। हमें उन बच्चों के बारे में भी सोचना है, जो बीच में पढ़ाई छोड़ते हैं। वास्तव में इमेज की भी थोड़ी समस्या है। मैं कई आईटीआई में गया हूं। ऐसी नौकरियां हैं, जहां कोई आवेदन नहीं करता।

नौ महीने बाद अंतरिक्ष से रवाना हुई सुनीता विलियम्स

NEW DELHI : अंतरिक्ष में फंसे एस्ट्रोनॉट यानी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 9 महीने 13 दिन बाद पृथ्वी पर लौट रहे हैं। उनके साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में मौजूद क्रू-9 के दो और एस्ट्रोनॉट निक हेग और अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी मंगलवार को स्पेस स्टेशन से रवाना हुए। चारों एस्ट्रोनॉट के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होने के बाद सुबह 08:35 बजे इस स्पेसक्राफ्ट का हैच यानी, दरवाजा बंद हुआ और 10:35 बजे स्पेसक्राफ्ट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से अलग हुआ। यह बुधवार को सुबह लगभग 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर लैंड होगा। बता दें कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर बोइंग और नासा के 8 दिन के जॉइंट क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन पर गए थे। इस मिशन का उद्देश्य बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट की एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन तक ले जाकर वापस लाने की क्षमता को टेस्ट करना था। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन पर 8 दिन में रिसर्च और कई एक्सपेरिमेंट भी करने थे।

इंडियल ऑयल डिपो के परिसर में लगी आग, तीन घर भी जले

नजदीक के दो गांवों को कराया गया खाली, मची अफरातफरी

- तेल कंपनी के परिसर में सूखी घास के मैदान से शुरू हुई आग, बुझाने में जुटे कई दमकल

जसीडीह स्थित इंडेन ऑयल के डिपो परिसर से उठता काला धुआं • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DEOGHAR : देवघर जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र में इंडियन ऑयल डिपो के परिसर में आग लग गई है। तेज हवाओं के कारण ये आग तेजी से फैल रही है। इस आग की चपेट में आने से कोंकरीबांक पंचायत के मुखिया बदलाडीह गांव निवासी सरस्वती मूर्मू, अनिता टुडू व रानी मरांडी का घर जलकर राख हो गया है। एक मंदिर भी आग की चपेट में आ गया। दमकल की कई गाड़ियां और इंडियन ऑयल की टीम आग पर काबू करने का प्रयास कर रही है। लेकिन, आग लगातार बढ़ती ही जा रही है। तेज हवा व गर्मी के कारण आग को काबू करने में काफी परेशानी हो रही है। आग की विकरालता को देखते हुए नजदीक के गांव बदलाडीह व संताली को खाली करा दिया गया है। आग इतनी भयावह है कि कई किलोमीटर दूर तक आसमान काले धुएं से भर गया है। ऐसा लग रहा है, मानो आसमान में काले बादल छा गए हों। यह धुआं देवघर शहर में भी पूरी तरह से फैल चुका है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि इंडियन ऑयल की पार्किंग में उगे सूखे हुए घास में आग लग गई। देखते ही देखते आग आसपास के क्षेत्र में फैल गई। दमकल की गाड़ियां पहुंचकर आग बुझाने के प्रयास में जुट गई हैं। खतरा ये है कि अगर वहां रखे तेल के बड़े-बड़े टैंक में आग लग गई तो ब्लास्ट होने से कुछ भी हो सकता है। इसकी चपेट में आसपास के कई गांवों के आने का खतरा है। खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन व पुलिस की टीम भी लगातार नजर रखे हुए हैं। लोगों को इस इलाके से दूर रहने का निर्देश दिया जा रहा है।

डॉ.अंजिला गुप्ता ने संभाला केयू की कुलपति का प्रभार

CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता ने मंगलवार को प्रभार ग्रहण कर लिया इससे पहले वे जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की कुलपति थीं। डॉ. गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में अपनी प्राथमिकता बताईं। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता शैक्षणिक सत्र नियमित करना, शिक्षकों एवं छात्रों की समस्याओं का समाधान निकालना और विश्वविद्यालय की व्यवस्था को मजबूत करना रहेगा। अंजिला गुप्ता अर्थशास्त्र की प्रोफेसर हैं। वे गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी, बिलासपुर में भी कुलपति रह चुकी हैं। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में उनके तीन वर्षीय कार्यकाल में चार माह शेष थे।

ब्राउन शुगर व 8.89 लाख रुपये बरामद, तीन गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

PALAMU : पुलिस ने पलामू जिले में ब्राउन शुगर और 8.89 लाख रुपये के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिले के डालटनगंज-गढवा मुख्य मार्ग पर चैनपुर थाना क्षेत्र के मंगरदाहा घाटी में की गयी है। ब्राउन शुगर को खरीदकर गुमला ले जाने की तैयारी थी। गिरफ्तार आरोपितों में गढवा के पठानटोली के मनीष कुमार (22), हुसैनाबाद के दातानगर के मो. तूफान राइन (20) और गुमला के पालकोर्ट थाना के बनिया टोला के चिराग कुमार सिंह (20) शामिल है। इनके वाहन की तलाशी लेने पर कार की डैशबोर्ड से तीन सौ ग्राम ब्राउन शुगर और मनीष के पास से 8 लाख 89 हजार रूपए और चिराग के बैग से 410.56 ग्राम ब्राउन शुगर एवं एक सोने का चेन, एक चांदी की ब्रासलेट, एक चांदी की अंगूठी और दो सोने की अंगूठी बरामद की गयी। मंगलवार को एसपी कार्यालय में एसडीपीओ सदर मणिभूषण प्रसाद ने जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि 17 मार्च को गुप्त सूचना मिली कि गढवा रोड की ओर से एक कार (जेएच03 एआर9151) से ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री कर कुछ लोग डालटनगंज की ओर आ रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम बनाकर चैनपुर सीओ के नेतृत्व में वाहन जांच अभियान चलाया गया।

BRIEF NEWS

सम्मानित हुईं जिले की सहिया व सीएचओ

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा स्थित बिरसा मुंडा टाउन हॉल में मंगलवार को जिलास्तरीय सहिया व सीएचओ सम्मेलन हुआ, जिसमें 10 सहिया को सम्मानित किया गया। इनमें चंपा हेंब्रम, प्याली राणा, चाइना नामता, चिता मुर्मू, काजल सिंह, सीमा देवी, पुनगी मुर्मू, वर्षा रानी महतो, पिंकी पात्रो, पदमा देवी तथा सीएचओ (सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी) दीपिका कुजूर, रश्मि बागय, निर्मला सिंह, बरसा बघेल, सुप्रिया डे, नविता कुमारी, शिशिर पूर्ति, शिखा रानी महतो व अंजना कुमारी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद की अध्यक्ष बारी मुर्मू एवं उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, विधायकों के प्रतिनिधि, परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी, सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल आदि भी उपस्थित थे।

छोटे स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव की मांग

CHAKRADHARPUR : सांसद जोबा मांझी ने मंगलवार को संसद में अपने संसदीय क्षेत्र के छोटे स्टेशनों में पैसेंजर एवं एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग रखी। सांसद ने बजट सत्र के दौरान रेल मंत्री से लोटापहाड़ और पोसैता स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों का ठहराव करने की मांग रखी। इसके जवाब में रेलमंत्री ने बताया कि गोइलकेरा स्टेशन पर चार जोड़ी ट्रेनों का ठहराव मार्च-सितंबर में किया जाएगा, जिसमें लोकमान्य तिलक (टी)-शालीमार एक्सप्रेस, दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस, हावड़ा-टिटलागढ़ एक्सप्रेस और पुरी-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस है। इसी तरह सोनुवा में हावड़ा-टिटलागढ़ एक्सप्रेस, शालीमार-आद्रा एक्सप्रेस और दुर्ग-आरा एक्सप्रेस का ठहराव 14 मार्च से प्रदान किया गया है। तदनुसार, गोइलकेरा, लोटापहाड़, पोसैता, आदित्यपुर, मनोहरपुर और सोनुवा स्टेशनों पर वर्तमान में क्रमशः 20, 4 ट्रेनें, 4, 26, 22 और 14 ट्रेनें चल रही हैं।

बिजली आपूर्ति में समस्या हो तो करें कॉल

LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निदेर्शानुसार जिले में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बिजली विभाग ने हेल्पलाइन नंबर 8757710488 जारी किया है। इस नंबर पर जिलेवासी बिजली विभाग से संबंधित उपभोक्ता, शिकायत निवारण व जले हुए ट्रांसफर्मर को बदलने के लिए 24 घंटे संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि गर्मी के मौसम में अत्यधिक तापमान के कारण ट्रांसफर्मर जलने एवं अधिक दबाव के कारण तार टूटने की समस्या अधिक होती है। इसके मद्देनजर उपायुक्त ने निर्देश दिया है कि जिलेवासियों को बिजली से संबंधित किसी भी समस्याओं का अविलंब निष्पादन किया जाए।

चतरा में विदेशी शराब की अवैध मिनी फैक्ट्री का हुआ खुलासा

बरामद शराब व अन्य सामग्री के साथ मौजूद उत्पाद विभाग के पदाधिकारी

CHATRA : उत्पाद विभाग ने मंगलवार को सदर थाना क्षेत्र के डहुरा गांव में छापेमारी कर अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का खुलासा किया है। इस मिनी फैक्ट्री का संचालन शंकर यादव और अरविंद यादव की ओर से अपने मुर्गी फार्म में किया जा रहा था। यहां स्पिरिट में कैरेमल और एसेंस मिलाकर नकली शराब तैयार कर ब्रांडेड शराब की बोतलों में भर कर नकली लेबल और होलोग्राम लगाकर पैक करने का काम किया जाता था। मौके से अवैध शराब कारोबारी जंगल की ओर भागने में सफल रहे। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जब्त सामानों में बोतलबंद विदेशी शराब 720 बोतल, तैयार रंगीन शराब 20 लीटर, स्पिरिट 600 लीटर, कैरेमल 3 लीटर, रॉयल स्टैग, इम्पीरियल ब्लू, रॉयल चैलेंज व्हीस्की का ढक्कन, लेबल और होलोग्राम, विभिन्न ब्रांड का खाली बॉटल, स्पिरिट का खाली जार, शराब बोतलबंदी के उपकरण और एक महिंद्रा सवारी वाहन शामिल है।

बीआरसी कार्यालय के सुरक्षा प्रहरी की हत्या

मंगलवार की सुबह ऑफिस की छत पर मिला शव, पुलिस ने शुरू की जांच

घटनास्थल पर शव के पास जुटे पुलिस पदाधिकारी व अन्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के हुसैनाबाद बीआरसी कार्यालय के सुरक्षा प्रहरी रामदेव ठाकुर उर्फ सीता राम ठाकुर (55) की तेजधार हथियार से हत्या कर दी गयी। शव कार्यालय की छत से मंगलवार सुबह बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर छानबीन तेज कर दी है। मृतक रामदेव सदाजल गांव के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार रामदेव ठाकुर सोमवार शाम ब्लॉक रोड स्थित उतर कोयल सिंचाई विभाग परिसर में बीआरसी कार्यालय में ड्यूटी पर आये थे। मंगलवार की सुबह जब वह घर नहीं लौटे तो उनके घर वालों ने उनके मोबाइल पर संपर्क किया। संपर्क नहीं होने पर बेटा गौतम ठाकुर मंगलवार सुबह कार्यालय पहुंचकर देखा तो मेन गेट अंदर से बंद था। उसने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर कार्यालय के पीछे से किसी तरह अंदर जाकर देखा तो रूम में नहीं थे। जब छत पर चढ़ा तो देखा कि नीचे जमीन पर लगे एक गद्दे पर पड़े हुए थे और उनका सिर खून से लथपथ था। उनका मोबाइल वहीं पर पड़ा हुआ था। सूचना पर हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस मोहम्मद याकूब, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी दल बल के साथ पहुंचकर घटना की जांच की और शव को पोस्टमार्टम करवाने के लिये अस्पताल भेजना चाहा, लेकिन वहां मौजूद बीआरसीकर्मी, शिक्षक, पारा शिक्षकों के अलावा मृतक के परिजनों ने जिला शिक्षा अधीक्षक को घटनास्थल पर बुलाने की मांग करने लगे। सूचना पर अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो, एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब, सीओ एवं बीडीओ ने लोगों को समझाने की कोशिश की और आश्वस्त कराया कि सरकारी स्तर से जो भी लाभ होगा, उसके आश्रितों को दिया जाएगा। बीईईओ कौलेश्वर दास ने लोगों से कहा कि विभागीय जो भी लाभ होगा, उसे दिलाने का प्रयास करेंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पारिवारिक लाभ के तहत 20 हजार का चेक मृतक के आश्रितों को दिया। मौके पर राजद के वरिष्ठ नेता विनय सिंह यादव, सहायक अध्यापक शिक्षक संघ के अध्यक्ष पप्पू पटेल, बिनोद कुमार सिंह, शिक्षक निर्मल कुमार, समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे। एसडीपीओ ने मृतक के परिजनों को आश्वस्त कराया कि इस घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी होगी। पुलिस हर बिंदुओं पर गहनता से जांच शुरू कर दी है।

हजारीबाग में लगी 14 जिलों के उत्पादों की प्रदर्शनी

पीएमएफएमई महोत्सव का श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने किया उद्घाटन

स्टॉल का अवलोकन करते मंत्री व अन्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS HAZARIBAG : हजारीबाग के कर्जन ग्राउंड में राज्य के 14 जिलों से आए उत्पादों की प्रदर्शनी लगी है। पीएमएफएमई (प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना) के तहत प्रमंडल स्तरीय पीएमएफएमई महोत्सव का उद्घाटन मंगलवार को राज्य के श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने किया। प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में 40 विभिन्न प्रकार के वित्त पोषित इकाइयों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में मंत्री ने जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि इस योजना का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में असंगठित रूप से कार्य कर रहे छोटे उद्यमियों को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का निर्माण करना है। पीएमएफएमई की मदद से, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को वित्तीय, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता दी जाती है। यह योजना खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को विकसित करने,उनका विस्तार करने और उनका उन्नयन करने में मदद करती है। उद्योग निदेशक सुशांत गौरव ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर कई स्वयं सहायता समूहों ने अच्छे काम के बदौलत अपनी एक पहचान बनाई है। सरकार लघु उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। कुटीर उद्योगों को लघु उद्योग में परिवर्तित कर पैकेजिंग और मार्केटिंग कर अपने उत्पादों को उचित मूल्य पर बेच कर आय में वृद्धि की जा सकती है। उपायुक्त नैन्सी सहाय ने भी आमजनों को संबोधित करते हुए इस योजना का लाभ लेने की अपील की उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से सतत जागरूकता एवं सभी उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा अवसर है।

ये भी रहे उपस्थित : महोत्सव में बरही के विधायक मनोज कुमार यादव, उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, अपर समाहर्ता संतोष सिंह, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शंभू शरण बैठा (हजारीबाग), राजेंद्र प्रसाद (धनबाद), रामाकांत चतुर्वेदी (गोड्डा), राजीव रंजन (रांची) व रघुवर सिंह (लोहरदगा) भी उपस्थित थे।

इस योजना की खास बातें

इस योजना के तहत, प्रोजेक्ट लागत के 35 प्रतिशत पर क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी का लाभ मिलता है। अधिकतम सब्सिडी 10 लाख रुपये प्रति उद्यम तक हो सकती है। लाभार्थी का योगदान न्यूनतम 10 प्रतिशत होना चाहिए। शेष राशि बैंक से ऋण के रूप में ली जा सकती है। 40,000 रुपये की दर से प्रारंभिक पूंजी भी दी जाती है। इस योजना के तहत, उत्पादन, प्रसंस्करण प्रशिक्षण, और प्रदर्शन सेवाएं भी दी जाती हैं। इस योजना के तहत, सामुदायिक सेवाएं जैसे खाद्य परीक्षण, भंडारण सुविधाएं, उच्च कोटि की मशीनरी, प्रौद्योगिकियों और सेवाओं तक पहुंच में वृद्धि की जाती है।

एक ही चालान का प्रयोग कर गिट्टी ढुलाई कर रहे दो डंपर जब्त

थाने में रखे गए डंपर

DUMKA : जिला प्रशासन भले ही अवैध खनन परिवहन पर नकेल कसने के लिए लगातार खनन माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही कर रही है। लेकिन खनिज संपदा के अवैध परिवहन में लगे माफिया अब तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। माफियाओं के इन्हीं कारनामों की वजह से रोजाना सिर्फ दुमका जिले में लाखों के राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। इसका खुलासा सोमवार की देर रात उस वक्त हुआ जब गिट्टी लोड दो डंपर को सरैयाहाट पुलिस की गश्ती टीम ने सरैयाहाट गादीझोपा ग्रामीण सड़क पर रोक चलान को देखा। दोनों ही डंपर में गिट्टी लोड था, और बिहार के गोपालगंज का चलान काटा गया था। पुलिस ने जब ट्रक चालक से पूछताछ की तो पता चला कि डंपर संख्या (जेएच 04 एसी 3383) और (बीआर 51 जी 9271) से गिट्टी सरैयाहाट के गादीझोपा से सटे बिहार की सीमा पर एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के लिए लाया गया था। कंस्ट्रक्शन कंपनी के जरिये जान बूझकर बिहार के गोपालगंज के लिए चलान कटवाया गया था ताकि उसी चलान से तीन ट्रिप गिट्टी लाया जा सके। थाना प्रभारी ताराचंद ने मंगलवार को बताया कि पुलिस गश्ती के दौरान दोनों डंपर को जब्त कर आगे की कार्यवाही के लिए जिला खनन पदाधिकारी को लिखा गया है।

बिलासपुर-झारसुगड़ा थर्ड लाइन व रायगढ़-झारसुगुड़ा के बीच फोर्थ लाइन से जोड़ने का होगा काम

टाटानगर से चलने वाली दो दर्जन ट्रेनें रहेंगी रद्द

कई ट्रेनें डायवर्ट रूट से चलेंगी

PHOTON NEWS JSR : दक्षिण पूर्व-मध्य रेलवे के बिलासपुर-झारसुगड़ा थर्ड लाइन और रायगढ़-झारसुगुड़ा के बीच कोतरलिया रेलवे स्टेशन यार्ड को चौथी लाइन से जोड़ने का काम 11 से 24 अप्रैल के बीच होगा। इससे टाटानगर से होकर चलने वाली दो दर्जन ट्रेनें रद्द रहेगी, वहीं कई ट्रेनें डायवर्ट रूट से चलेंगी। हावड़ा-मुंबई-हावड़ा मेल 14 दिन और मुंबई-हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस 8 दिन परिवर्तित मार्ग से चलेगी।

जोन से गुजरने वाली ये ट्रेनें रहेंगी कैंसिल

- टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस 10 से 23 अप्रैल
- बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस 11 से 24 अप्रैल
- टाटानगर- इतवारी एक्सप्रेस 11 से 24 अप्रैल
- इतवारी -टाटानगर एक्सप्रेस - 11 से 24 अप्रैल
- संतरागाछी-जबलपुर एक्सप्रेस 16 और 23 अप्रैल
- जबलपुर-संतरागाछी एक्सप्रेस 17 और 24 अप्रैल
- संतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस 12 और 19 अप्रैल
- पुणे-संतरागाछी एक्सप्रेस 14 और 21 अप्रैल
- बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस 11 और 18 अप्रैल
- पटना-बिलासपुर एक्सप्रेस 13 और 20 अप्रैल
- हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस 11 और 18 अप्रैल
- मुंबई-हावड़ा एक्सप्रेस 13 और 20 अप्रैल
- एलटीटी-शालीमार एक्स. 9, 10, 16 और 17 अप्रैल
- शालीमार-एलटीटी एक्स. 11, 12, 18 और 19 अप्रैल
- हावड़ा-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस 10 और 17 अप्रैल
- साईनगर शिरडी-हावड़ा एक्सप्रेस 12 और 19 अप्रैल
- पुणे-हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस 11 और 24 अप्रैल
- हावड़ा-पुणे आजाद हिंद एक्सप्रेस 11 और 24 अप्रैल
- मुंबई-हावड़ा गीतांजलि एक्सप्रेस 11 और 24 अप्रैल
- हावड़ा-मुंबई गीतांजलि एक्सप्रेस 11 और 24 अप्रैल
- हावड़ा-पुणे दुरंतो एक्सप्रेस 10, 12, 17 और 19 अप्रैल
- पुणे-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस 12, 14, 19 और 21 अप्रैल
- पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस 9, 10, 16 और 17 अप्रैल
- शालीमार-पोरबंदर एक्स. 11, 12, 18 और 19 अप्रैल
- एलटीटी-शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस 11, 12, 14, 15, 18, 19, 21 और 22 अप्रैल
- शालीमार-एलटीटी ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस 13, 14, 16, 17, 20, 21, 23 और 24 अप्रैल।

ये ट्रेनें बदले मार्ग से चलेंगी

- हावड़ा-मुंबई मेल 11 से 24 अप्रैल तक झारसुगुड़ा-टिटलागढ़-रायपुर होकर चलेगी।
- मुंबई-हावड़ा मेल एक्सप्रेस 11 से 24 अप्रैल तक रायपुर-टिटलागढ़-झारसुगुड़ा होकर चलेगी।
- हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस 11, 14, 15, 16, 18, 21, 22 और 23 अप्रैल को झारसुगुड़ा-टिटलागढ़-रायपुर होकर चलेगी।
- मुंबई-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस 13, 15, 16, 17, 20, 22, 23 और 24 अप्रैल को रायपुर-टिटलागढ़-झारसुगुड़ा होकर चलेगी।

महिला अंडर-19 क्रिकेट में जमशेदपुर व देवघर की टीम ने दर्ज की जीत

PHOTON NEWS BOKARO : बोकारो जिला क्रिकेट संघ की ओर से मंगलवार को जेएससीए अंतर जिला अंडर-19 महिला क्रिकेट टूनार्मेंट में दो मैच खेले गए। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर तीन स्थित ट्रेनीज होस्टल ग्राउंड में खेले गए पहले मैच में जमशेदपुर की टीम ने रामगढ़ की टीम को 10 विकेट से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रामगढ़ की टीम 22.5 ओवर में 66 रनों पर सिमट गई। टीम की ओर से प्रिया पटेल ने 24 एवं प्रियंका ने 18 रन बनाए। गेंदबाजी में जमशेदपुर की ओर से कोमल कुमारी ने सात रन देकर पांच व पल्लवजीत कौर ने 15 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि इशिका दीपक को दो सफलता मिली। जवाबी पारी खेलते हुए जमशेदपुर की टीम ने 11.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए जीत के लिए जरूरी 70 रन बना लिया। विजेता टीम की ओर से आन्या वर्मा ने नाबाद 33 व मिस्बाह अली ने नाबाद 19 रन बनाए। मैच में शानदार गेंदबाजी के लिए जमशेदपुर की कोमल कुमारी को प्लेयर ऑफ द मैच का कैश अवार्ड मैच के टीआरडीओ मनोज कुमार सिंह ने सौंपा। वहीं, बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर चार स्थित बीएसएल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे मैच में देवघर की टीम ने रांची टीम को आठ विकेट से पराजित किया।

जिंदल स्टील, भिलाई व आरआईएनएल विशाखापत्तनम की टीम ने जीते मैच

BOKARO : बीएसएल क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग की ओर से ट्रेनीज होस्टल सेक्टर तीन के मैदान में एसपीएसबी इंटर स्टील प्लांट वॉलीबॉल चैंपियनशिप का उद्घाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी ने किया। जिंदल स्टील वर्क्स बेल्लारी, कर्नाटक व राउरकेला स्टील प्लांट के बीच उद्घाटन मैच खेला गया। जिंदल के खिलाड़ियों ने राउरकेला की टीम को सीधे सेट में 25-20 व 25-19 अंक से पराजित कर दिया। दूसरे मैच में भिलाई स्टील प्लांट की टीम ने एलाय स्टील प्लांट दुर्गापुर की टीम को सीधे सेट में 25-20 व 25-25 अंक से हरा दिया। एक अन्य मैच में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड विशाखापत्तनम की टीम ने दुर्गापुर स्टील प्लांट की टीम को 25-20 व 25-22 अंक से पराजित कर दिया।

BRIEF NEWS

खेलगांव आवासीय परिसर से लेफ्टिनेंट कर्नल का शव बरामद

RANCHI : रांची के खेलगांव आवासीय परिसर से मंगलवार को एक लेफ्टिनेंट कर्नल का शव बरामद किया गया है। शव पार्किंग एरिया में मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल दिवाकर सिंह का संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद किया गया। बिहार के औरंगाबाद जिले के रहने वाले दिवाकर सिंह खेलगांव स्थित आवासीय परिसर में अपनी पत्नी और एक बेटी के साथ रहते थे। उनकी पोस्टिंग रांची के नामकुम आर्मी कैंप में थी। दिवाकर सिंह का शव अपार्टमेंट के पार्किंग एरिया से मंगलवार की सुबह बरामद किया गया। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

बकरी चोरी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार तीन नाबालिग निरुद्ध

RANCHI : बेड़ो थाना क्षेत्र के तुको अंबाटोली गांव में ग्रामीणों ने पांच युवकों को बकरी चोरी के आरोप में पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देवप्रताप प्रधान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपियों से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे जयपुर (रनिया थाना, खूंटी) से बकरी चोरी कर बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने मौके से दो बकरी और तीन चोरी की मोटरसाइकिल जब्त की हैं। साथ ही दो आरोपियों- सरोज कच्छप (19) व सूरज लाल (19) को गिरफ्तार कर लिया गया है। तीन नाबालिगों को बाल संरक्षण अधिनियम के तहत निरुद्ध किया गया है। इस मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2)/317(2) के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी रखी है।

60 स्वर्ण पदक के लिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे 320 खिलाड़ी

RANCHI : सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड एवं इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के संयुक्त तत्वाधान में 22 मार्च से चैंपियनशिप का आयोजन होगा। रांची के संत जोसेफ क्लब की मेजबानी में आयोजित इमा कप इंटर स्कूल एंड कॉलेज कराटे चैंपियनशिप की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। झारखंड के अलावा पड़ोसी राज्य के कराटे खिलाड़ी भी इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। इस चैंपियनशिप में लगभग 320 खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना हैं। जिसमें रांची के 180 खिलाड़ी शामिल है। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राईबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेयरमैन सह इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि इस चैंपियनशिप में 60 स्वर्ण पदक के लिए 320 खिलाड़ी आपस में भिड़ेंगे। चैंपियनशिप के सफल संचालन के लिए राष्ट्रीय स्तर के जज एवं रेफरी शामिल होंगे।

अमन साहू के कहने पर प्रेम पांडेय ने चलवाई थी विपिन मिश्रा पर गोली, आकाश ने दिलवाए थे हथियार

कोयला कारोबारी पर फायरिंग करने वाले 6 अपराधी गिरफ्तार

- रेकी करने के लिए विशाल मुंडा को किया गया था तैनात
- 4 पिस्टल, 26 गोलियां और एक बाइक बरामद
- प्रेम पांडेय 15 फरवरी को रामगढ़ जेल से आया था बाहर

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के बरियातू में 7 मार्च की सुबह कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा पर अपराधियों ने गोलीबारी की थी। इस घटना में विपिन मिश्रा घायल हो गए थे। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने इस घटना में शामिल प्रेम पांडेय समेत 6 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में प्रेम पांडेय, रहमान अंसारी, करण कुमार, अविनाश ठाकुर, शोभित सिंह और विशाल मुंडा शामिल हैं। इनके पास से चार पिस्टल, 26 गोलियां और एक बाइक बरामद की गई है। गिरफ्तारी के दौरान प्रेम पांडेय और रहमान अंसारी भागने की कोशिश में पुलिस की गाड़ी से कूद गए, जिससे दोनों के पैर और अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। मंगलवार को एसएसपी चंदन सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले की जानकारी दी।

एसएसपी ने बताया कि रायपुर जेल में बंद रहने के दौरान गैंगस्टर अमन साहू (मृत) के कहने पर इस घटना को अंजाम दिया गया। प्रेम पांडेय के जरिए इस घटना को अंजाम दिलवाया गया। घटना को अंजाम देने के लिए जेल में बंद आकाश राय उर्फ मोनू ने प्रेम पांडेय को हथियार उपलब्ध कराया था। इसके बाद प्रेम पांडेय ने बक्सर से आए शूटर अविनाश ठाकुर और शोभित सिंह को शामिल किया। घटना को अंजाम देने के लिए वाहन का इंतजाम करण द्वारा किया गया, जबकि चालक के रूप में रहमान को लगाया गया। घटना के पूर्व विपिन मिश्रा का रेकी करने के लिए विशाल मुंडा को तैनात किया गया था। घटना के दिन वाहन चलाने में रहमान और दोनों शूटर घटनास्थल पर थे। दोनों शूटरों को प्रेम पांडेय ने श्री रामकृष्ण इंक्लेव में ठहराया था।

पहले विकास तिवारी गिरोह के लिए काम करता था प्रेम पांडेय

प्रेम पांडेय ने पुलिस को बताया कि 15 फरवरी को वह रामगढ़ जेल से बाहर आया था। वर्तमान में मोरहाबादी स्थित श्री रामकृष्ण इंक्लेव के आठवें तल्ले पर मुन्ना सिंह के गेस्ट हाउस में मुन्ना भैया के आदेश से रह रहा था। प्रेम पहले विकास तिवारी के गिरोह में काम करता था। उसके चचेरे भाई भरत पांडेय को जनवरी 2025 में पलामु चैनपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसकी जिम्मेदारी विकास तिवारी ने ली थी। इसके पहले उनके चाचा अशोक पांडेय की हत्या भी 2022 में विकास तिवारी ने करवा दी थी। गैंग के वर्चस्व के कारण ये हत्याएं हुई थीं। जब वे रामगढ़ जेल में थे, तो अमन साहू ने उनसे संपर्क किया और मोनू राय उर्फ आकाश राय के माध्यम से सिग्नल एप से बात की और कहा कि मेरे गैंग में आ जाओ, मेरा काम करोगे तो सुरक्षित रहोगे। विकास तिवारी से लड़ाई के कारण वो अमन साहू के गैंग में शामिल हो गया और जेल से काम करने लगा।

कार पर की थी गोलीबारी

7 मार्च को विपिन मिश्रा पर गोलीबारी की घटना हुई थी। एक बाइक पर सवार होकर आए तीन अपराधियों ने विपिन मिश्रा की कार पर गोलीबारी की थी। गोलीबारी में विपिन मिश्रा को दो गोलियां लगी थीं। विपिन मिश्रा के निजी और सरकारी बॉडीगार्ड ने जब अपराधियों पर जवाबी फायरिंग की, तो वे फरार हो गए थे। फायरिंग के बाद अमन साहू के गैंग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर घटना की जिम्मेदारी ली थी। इसी दौरान 11 मार्च को छत्तीसगढ़ से रांची लाने के दौरान अमन साहू एनकाउंटर में मारा गया था।

राज्यपाल गंगवार ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

RANCHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास और विधि-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल ने इस अवसर पर राज भवन की ओर से प्रकाशित 'राजभवन पत्रिका' की प्रति प्रधानमंत्री को भेंट की। उल्लेखनीय है कि यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 तक राजभवन झारखंड की विभिन्न गतिविधियों पर आधारित है।

यूपीएससी परीक्षा-2025 की तैयारियों को लेकर प्रमंडलीय आयुक्त ने की मीटिंग

पदाधिकारियों को दिए कई निर्देश, केंद्रों पर नहीं होगा कोई कार्यक्रम

PHOTON NEWS RANCHI : दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल रांची के प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय कक्ष में आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 2025 की रिक्रूटमेंट टेस्ट परीक्षा की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें 23 मार्च को होने वाली यूपीएससी आरटी-क एवं क्क परीक्षा की विस्तृत रूप से समीक्षा की गई। इस दौरान सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियां निभाने के निर्देश दिए गए। बैठक में आयुक्त के सचिव आलोक कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वर नाथ आलोक, प्रखंड विकास पदाधिकारी कांके, परीक्षा केदो के प्रिंसिपल और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति रही। आयुक्त ने कहा कि परीक्षा की सभी तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। परीक्षा दो पालियों में होगी। इसके लिए राजकीय बालिका +2 उच्च विद्यालय बरियातू रांची को उप केंद्र बनाया गया है। प्रथम पाली में 42 और द्वितीय पाली में 43 छात्र-छात्रा भाग लेंगे। आयुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि 22 और 23 मार्च 2025 को परीक्षा केंद्रों पर कोई अन्य कार्यक्रम नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों के साथ बैठक करते आयुक्त • फोटोन न्यूज

करें सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम

बैठक में पुलिस विभाग को भी निर्देश दिए गए कि वे परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रत्येक केंद्र पर एक चार सदस्यीय पुलिस बल और महिला पुलिस कर्मियों की भी तैनाती की जाएगी, ताकि परीक्षार्थियों की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनी रहे। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर मेटल डिटेक्टर से फ्रिस्किंग की जाएगी और सभी परीक्षा संबंधित प्रपत्रों की जांच पूरी की जाएगी। आयुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि परीक्षा से पहले सभी केंद्रों का निरीक्षण किया जाए और अंतिम समय तक कोई लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि परीक्षा से संबंधित सभी कार्यों का पालन यूपीएससी के गाइडलाइंस के अनुसार सख्ती से किया जाएगा।

चुपचाप मार्च लूट की ओर बढ़ रही है हेमंत सरकार : प्रतुल शाहदेव

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हेमंत सरकार चुपचाप मार्च लूट की ओर बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार का डिलीवरी मेकैनिज्म पूरी तरह से फिसड्डी साबित हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भारी विफलता दिख रही है। उन्होंने कहा कि 2024-25 के बजट का जनवरी तक सिर्फ 60% हिस्सा ही खर्च हो पाया था। अब मात्र दो महीनों में 40% राशि खर्च होने की तैयारी है, जो कि वित्तीय नियमों और परंपराओं के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मार्च में केवल 15% राशि का खर्च होना चाहि। लेकिन राज्य सरकार ने इस नियम का उल्लंघन कर 40% खर्च की योजना बनाई है। इससे यह साफ है कि मार्च में भारी मात्रा में राशि का बंदरबांट होने की आशंका जताई जा रही है।

पेयजल की स्थिति गंभीर : पेयजल विभाग की स्थिति पर भी प्रतुल शाहदेव ने गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि फरवरी तक पेयजल विभाग ने केवल 10% राशि का ही खर्च किया है, जबकि विभाग का कुल बजट 4500 करोड़ रुपये का है। फरवरी तक इस विभाग ने महज 438 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो विकास की दृष्टि से शर्मनाक स्थिति है। प्रवक्ता ने कहा कि जल जीवन मिशन जैसे महत्वपूर्ण योजना में झारखंड सरकार ने अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया है और कई योजनाएं अटक कर रह गई हैं।

अजा, अजजा, पिछड़ा और अल्पसंख्यक विभाग की अनुदान मांग पारित

RANCHI : विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को भोजनावकाश के बाद अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का 30 अरब सात करोड़ 54 लाख और 33 हजार रुपए का अनुदान मांग पारित हो गया। अनुदान मांग पर विपक्ष की ओर से भाजपा विधायक प्रकाश राम ने कटौती का प्रस्ताव रखा, जिसे सरकार की ओर से वापस लेने का आग्रह किया गया। लेकिन विधायक प्रकाश राम ने कटौती वापस लेने से इंकार कर दिया। इसके बाद स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने उनके प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया। वहीं कटौती की मांग रखते हुए विधायक प्रकाश राम ने राज्य से आदिवासी समुदाय के पलायन और उनकी जमीन का हस्तांतरण सादे कागज पर होने का मामला उठाया।

बिहार व झारखंड की पारंपरिक और सांस्कृतिक विरासत एक : कर्मवीर सिंह

PHOTON NEWS RANCHI : 22 मार्च को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में बिहार दिवस का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। यह कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम के तहत आयोजित किया जाएगा, जिसमें बिहार और झारखंड की सांस्कृतिक व पारंपरिक विरासत को साझा करने का प्रयास किया जाएगा। मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित भाजपा रांची महानगर और ग्रामीण जिला की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि बिहार-झारखंड की सांस्कृतिक विरासत एक जैसी है। उन्होंने कहा कि लाखों बिहारवासी आज झारखंड में निवास कर रहे हैं और राज्य के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। इसके साथ ही झारखंड को अपनी कर्मभूमि मानने वाले कई लोग बिहार के सांस्कृतिक धारा से जुड़े हुए हैं। कर्मवीर सिंह ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विचारों का हवाला देते हुए कहा कि बिहार दिवस कार्यक्रम इस विचारधारा को आगे बढ़ाने का एक कदम होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा परिवार है और हमें किसी भी भेद-भाव से ऊपर उठकर एक दूसरे के सुख-दुख में साझीदार बनना चाहिए।

बादल छाने से गर्मी से राहत, फिर बढ़ेगा तापमान

RANCHI : झारखंड के अधिकांश जिलों में बादल छाने से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन बुधवार से तापमान में फिर वृद्धि होने की आशंका है। इससे गर्मी फिर से बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार 21 मार्च तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहने और गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। यह स्थिति हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में बने पश्चिमी विछोभ के चलते पैदा हुई है। वहीं रांची और आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को दिनभर कड़ी धूप रही। इससे गर्मी का एहसास हुआ। रांची में अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री जमशेदपुर में 37.1, डालटेनगंज में 35.8 और बोकारो में अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सैकड़ों लोगों ने ग्रहण की झामुमो की सदस्यता, विनोद पांडेय ने किया स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को रांची के हरमू स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सैकड़ों लोगों ने सदस्यता ग्रहण की। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन के मार्गदर्शन और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए चतरा जिले के बचरा क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता बबलू सागर मुंडा के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने झामुमो दामन थामा। केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने सभी नए सदस्य को अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झामुमो का परिवार लगातार मजबूत हो रहा है और राज्य के जनाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पार्टी व राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। साथ ही कहा कि झारखंड सरकार के प्रमुख जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाते हुए पार्टी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान पार्टी के केंद्रीय महासचिव फागू बेसरा, रांची जिला संयोजक मंडली सदस्य अश्विनी शर्मा, डॉ हेमलाल मेहता और अन्य मौजूद रहे। सदस्यता लेने वालों में प्रमुख रूप से बबलू सागर मुंडा, सुनील मुंडा, अनिल उरांव, अनीश, रतन महतो, रविंद्र साव, दिनेश महतो, सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

सहूलियत बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट के लिए नगर निगम ने जारी की जरूरी डॉक्यूमेंट की लिस्ट

अब आवेदन के एक सप्ताह बाद ही मिल जाएगा जन्म प्रमाण पत्र

VIVEK SHARMA RANCHI : अगर आप भी अपने बच्चे का बर्थ सर्टिफिकेट बनाना चाहते हैं तो अब टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। अगर डॉक्यूमेंट सही है तो एक हफ्ते के अंदर बर्थ सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाएगा। रांची नगर निगम ने सभी डॉक्यूमेंट की एक लिस्ट जारी की है, ताकि आवेदन करने में किसी को परेशानी नहीं होगी। आवेदन करने के लिए नगर निगम की दौड़ नहीं लगानी होगी। डेथ सर्टिफिकेट के लिए भी जरूरी दस्तावेजों की लिस्ट जारी कर दी गई है। अब लोगों को आवेदन करने में कोई परेशानी नहीं होगी।

सुबह में आवेदन, शाम को वितरण

रांची नगर निगम में आवेदन जमा करने और सर्टिफिकेट वितरण के लिए समय निर्धारित किया गया है, जिससे कि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। ऐसे में आवेदन जमा करने का समय सुबह 10.30 से लेकर 2 बजे तक निर्धारित है। वहीं सर्टिफिकेट वितरण के लिए 3 से 5 बजे तक समय निर्धारित है। लोगों को निर्धारित समय से आने की अपील की गई है, ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो।

बर्थ सर्टिफिकेट के लिए जरूरी दस्तावेज : नगर निगम के अनुसार, अगर जन्म से 21 दिन तक के बच्चे के बर्थ सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करते हैं, तो उसमें हॉस्पिटल का प्रमाण पत्र, घर में हुआ है तो आंगबाड़ी केंद्र से सत्यापित प्रति, माता-पिता के आधार कार्ड की प्रति जमा करना है। इसके बाद एक हफ्ते के अंदर सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाएगा।

एक रुपये की कटानी होगी रसीद : 31 दिन से 1 वर्ष तक के बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए हॉस्पिटल का सर्टिफिकेट, घर में हुआ है तो आंगबाड़ी केंद्र से सत्यापित छायाप्रति, माता-पिता के आधार कार्ड की छायाप्रति के अलावा एफिडेविट की मूल प्रति जमा कराना है। इसके अलावा एक रुपये की रसीद, 10 साल से बड़े बच्चे का स्कूल के सर्टिफिकेट की छाया प्रति, कार्यपालक दंडाधिकारी का आदेश प्रति और दो गवाह के आधार कार्ड की फोटोकॉपी जमा करनी है। आवेदन प्राप्त होने के बाद जिला सांख्यिकी कार्यालय आदेश के लिए भेजा जाता है। आदेश के बाद एक सप्ताह में सर्टिफिकेट निर्गत किया जाता है।

एक वर्ष से ऊपर के लिए चाहिए ये दस्तावेज : बच्चे की उम्र एक साल से अधिक होने पर आवेदन करने के लिए हॉस्पिटल का सर्टिफिकेट देना है। इसके अलावा घर में जन्म हुआ है तो आंगनबाड़ी केंद्र की सत्यापित प्रति, माता-पिता के आधार कार्ड की छायाप्रति, एफिडेविट की मूल प्रति, ए रुपये की रसीद, 10 साल से बड़े बच्चे के स्कूल का सर्टिफिकेट की छायाप्रति, कार्यपालक दंडाधिकारी के आदेश की प्रति और दो गवाह पड़ोसी का आधार का फोटोकॉपी देना है। आवेदन प्राप्त होने के बाद एसडीओ के समक्ष आदेश के लिए भेजा जाता है।

डेथ सर्टिफिकेट के लिए ऐसे करें आवेदन

अगर किसी की मृत्यु हो जाती है, तो उसके लिए घर में मृत्यु होने पर पार्षद के अनुशंसा लेटर की मूल प्रति, घाट का प्रमाण पत्र मूल प्रति, आवेदक का आधार कार्ड (पति, पत्नी, बेटा) जमा कराना है। मृत्यु के 28 दिन होने पर एफिडेविट की मूल प्रति के साथ मृतक का आधार कार्ड की छायाप्रति और एक साल से ऊपर होने पर दो गवाह का आधार, आवेदक की फोटो गवाही फार्म के साथ एफिडेविट भी जमा कराना है। इसके अलावा दो गवाह का आधार कार्ड भी डॉक्यूमेंट के साथ देना है।

हॉस्पिटल में मृत्यु होने पर जरूरी कागजात

हॉस्पिटल द्वारा निर्गत डेथ सर्टिफिकेट की छाया प्रति के साथ फार्म-4 की मूल प्रति, मृतक का धार कार्ड, आवेदक का आधार कार्ड (पति,पत्नी,बेटा), घाट का प्रमाण पत्र छायाप्रति जमा करना है। 28 दिन होने पर एफिडेविट की मूल प्रति और एक साल से उपर होने पर दो गवाह का आधार, आवेदक का फोटो, गवाही फार्म और एफिडेविट देना है।

विधायकों की अनुशंसा से बनेगी सरना स्थल की चारदीवारी और धुमकुड़िया भवन : मंत्री

PHOTON NEWS RANCHI : अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने विभाग के अनुदान मांग पर चर्चा पर जवाब देते हुए मंगलवार को कहा कि अब राज्यों में आदिवासियों के विकास कार्यों में दलालों की नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि सरना स्थल की चारदीवारी और धुमकुड़िया भवन के निर्माण कार्य की अनुसंशा अब विधायक करेंगे। ताकि इस कार्य में बिचौलिया संस्कृति खत्म हो। उन्होंने सदन को बताया कि सरकार ने सरना स्थलों की चारदीवारी के लिए 200 करोड़ और धुमकुड़िया भवन के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपए देगी। मंत्री ने कहा कि सरकार का जोर अगले पांच वर्षों तक राज्य की अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और ओबीसी समाज की शिक्षा पर रहेगा।

आदिवासी छात्रावासों में सुधरेगी व्यवस्था : मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के आदिवासी छात्रावासों की व्यवस्था में सुधार लाएगी। उन्होंने कहा कि अब आदिवासी छात्रों को घर से अनाज नहीं लानी पड़ेगी। उन्हें छात्रावासों में खाना फ्री में मिलेगी। खाना बनाने के लिए सरकार छात्रावासों में कुक की नियुक्ति की जाएगी। मंत्री ने कहा कि यूपीएससी की तैयारी के लिए सरकार 100 छात्र और 100 छात्राओं का चयन कर उन्हें फ्री में कोचिंग दिलाएगी।

समाचार सार

जेल भेजे गए सैनिक को मिली जमानत

JAMSHEDPUR : जुगसलाई थाने से जेल भेजे गए सैनिक सूरज राय को कोर्ट से जमानत मिल गई है। सूरज राय को मंगलवार को कोर्ट से जमानत मिली। उनके साथ विजय कुमार को भी जमानत मिली है। जुगसलाई थाना की पुलिस ने सैनिक सूरज राय और विजय कुमार को जेल भेजा था। सूरज राय और विजय कुमार की जमानत याचिका अधिवक्ता आनंद झा और अधिवक्ता प्रकाश झा ने डाली थी। बचाव पक्ष की तरफ से इन दोनों अधिवक्ताओं ने बहस की। सूरज राय की जमानत उनके भाई ने ली है। वहीं विजय कुमार का जमानत बांड बुधवार को भरा जाएगा। गौरतलब है कि सेना के जवान सूरज राय और उनके रिश्तेदार विजय कुमार को जुगसलाई थाना की पुलिस ने 16 मार्च को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस मामले को लेकर पूर्व सैनिकों ने जुगसलाई थाना और डीसी ऑफिस के सामने प्रदर्शन भी किया था। इसके बाद डीजीपी ने मामले में जांच के आदेश भी दिए थे। डीजीपी सोमवार को जमशेदपुर आए थे। वह बागबेड़ा गए थे और वहां घटनास्थल पर जांच भी की गई थी। सूरज राय के परिजनों ने डीजीपी को बताया था कि जमशेदपुर पुलिस ने गलत तरीके से कार्रवाई की है। इस मामले में रांची से सेना के ब्रिगेडियर और अन्य अधिकारी भी सोमवार को जमशेदपुर आए थे और एसएसपी किशोर कौशल से मुलाकात की थी। मामले में जांच कर दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई करने को भी कहा था। पूर्व सैनिकों का कहना है कि इस मामले में पुलिस ने नियमों का पालन नहीं किया। नियमानुसार सैनिक पर कार्रवाई करने से पहले उन्हें सेना की स्थानीय यूनिट और अधिकारियों को जानकारी देनी चाहिए थी।

एक वर्ष से धरने पर बैठे कान्वाई चालकों ने मांगा न्याय

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स के कान्वाई चालकों ने मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय में अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। चालकों ने बताया कि वे श्रम विभाग द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी और बोनस की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। 1 मार्च 2024 से वे टेल्को स्थित टाटा कमिंस कंपनी रोड पर धरना दे रहे हैं। इस दौरान कभी उपायुक्त, कभी एसडीओ, तो कभी श्रम विभाग में शिकायतों पर सुनवाई होती रही, पर मामले का निपटारा नहीं हो सका। कान्वाई चालकों ने कहा कि न्यूनतम मजदूरी, सालाना बोनस, पीएफ और इंश्योरेंस को लेकर न्याय दिया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में ज्ञानसागर प्रसाद, बीरेंद्र पाठक, त्रिलोकी चौधरी आदि भी शामिल थे।

सिलिकोसिस मरीजों की कल तक होगी जांच

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिला में असंगठित क्षेत्र के छोटे पत्थर एवं अन्य खदानों-कारखानों कार्यरत कामगारों के लिए मंगलवार से सिलिकोसिस एवं अन्य पेशागत बीमारियों की जांच की जा रही है। सिविल सर्जन कार्यालय परिसर में 18 से 20 मार्च तक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया जा रहा है। इस शिविर का आयोजन खान सुरक्षा निदेशक, खान सुरक्षा महानिदेशालय, चाईबासा क्षेत्र तथा जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। पहले दिन शिविर में लगभग 50 कामगारों की स्वास्थ्य जांच हुई। शिविर में खान सुरक्षा निदेशक (चाईबासा क्षेत्र), जिला खनन पदाधिकारी तथा सिविल सर्जन (सरायकेला) भी उपस्थित रहे।

हिंदू नववर्ष यात्रा व रामनवमी की तैयारी शुरू

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति के अध्यक्ष अरुण सिंह के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने मंगलवार को उपायुक्त अनन्य मितल व वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल से मुलाकात की, जिसमें हिंदू नववर्ष यात्रा, बासंती दुर्गा पूजा, चैती छठ व रामनवमी महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की। समिति के सदस्यों ने इन त्योहारों मे आने वाली समस्याओं को जिला प्रशासन के समक्ष रखा। अरुण सिंह ने जिला प्रशासन को बताया कि इस वर्ष हिंदू नववर्ष यात्रा 29 मार्च को, चैती छठ 3-4 अप्रैल को, बासंती दुर्गा पूजा व रामनवमी शोभायात्रा सह विसर्जन 7 अप्रैल को होना तय हुआ है। जमशेदपुर अति संवेदनशील जिला में आता है, इसलिए जिला प्रशासन मानगो मुंशी मुहल्ला, गांधी मैदान मानगो, गोलमुरी, जुगसलाई, धतकीडीह, बिष्टुपुर जैसे अतिसंवेदनशील क्षेत्र में कड़ी नजर रखे, ताकि कोई अप्रिय घटना न घट सके। जमशेदपुर में इस बर्ष रामनवमी अखाड़ा 175, बासंती दुर्गा पूजा 12 व 5 स्थानों से हिंदू नववर्ष यात्रा निकालने की संभावना है। समिति जिला प्रशासन से आग्रह करती है कि सभी विसर्जन घाटों की मरम्मत नदी की सफाई यातायात की सुगम व्यवस्था के साथ-साथ हिंदू नववर्ष यात्रा व रामनवमी शोभा यात्रा सह विसर्जन की कड़ी सुरक्षा प्रदान करने की कोशिश करे। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष अजय गुप्ता, जमशेदपुर केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति के विजय तिवारी, दिलजय बोस, धर्मेंद्र कुमार, प्रकाश दुबे, उतम दास, ललन यादव, चंद्रिका आदि भी उपस्थित थे।

सुरक्षाबलों की नक्सलियों से मुठभेड़ हथियारों का 'डंप' किया गया ध्वस्त

आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का जवान घायल, हेलीकॉप्टर से भेजा गया रांची

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा वन क्षेत्र में सक्रिय नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के खिलाफ सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की है। संयुक्त सुरक्षा बलों ने एक तरफ जहां माओवादियों से मुठभेड़ की, वहीं दूसरी ओर भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार बरामद किए। मंगलवार की सुबह करीब 10.25 बजे जिले के जराईकेला थाना क्षेत्र के वनग्राम राधापोड़ा के पास सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जवाबी कार्रवाई में खुद को घिरता देख नक्सली जंगल और पहाड़ियों का फायदा उठाकर भाग गए।

इसी दौरान उन्होंने पहले से लगाए गए आईईडी में विस्फोट कर दिया, जिससे सीआरपीएफ 134 बटालियन का एसआई सुबोध कुमार घायल हो गया। घायल जवान को प्राथमिक उपचार के बाद झारखंड पुलिस मुख्यालय और सीआरपीएफ झारखंड सेक्टर के सहयोग से हेलीकॉप्टर के जरिए रांची के उच्चस्तरीय अस्पताल में भेजा गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

नक्सलियों के डंप से बरामद विस्फोटक व अन्य हथियार • फोटोन न्यूज

गोईलकेरा के जंगलों में हथियारों का मिला जखीरा

मंगलवार को ही गोईलकेरा थाना क्षेत्र के हाथीबुरू और लोवाबेड़ा के बीच जंगलों में नक्सलियों के गुप्त हथियार डंप की सूचना पर सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान सुरक्षा बलों ने एक बड़े नक्सली डंप (जमीन के अंदर बनाया गया कुआं की तरह गड्ढा) को ध्वस्त कर दिया और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद कर लिया।

ये सामान हुए बरामद

केन आईईडी : 2 पीस (प्रत्येक लगभग 4 किलोग्राम)
कॉर्डेक्स वायर : 20 मीटर
इलेक्ट्रिक स्विच : 50 पीस
स्प्लिंटर : 1 किलोग्राम
सिरिंज : 40 पीस
इलेक्ट्रिक वायर (2 एमएम): 100 मीटर
इलेक्ट्रिक वायर (4 एमएम): 20 मीटर
अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री।

पुलिस का नक्सल विरोधी अभियान जारी

झारखंड पुलिस, कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की विभिन्न बटालियनों की संयुक्त टीम सारंडा सहित कोल्हान के जंगलों में लगातार अभियान चला रही है। यह अभियान 2022 से जारी है, जिसके तहत कई नक्सली ठिकानों को ध्वस्त किया जा चुका है। सुरक्षा बलों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सल मुक्त नहीं कर दिया जाता।

आईईडी विस्फोट के दौरान उठा धूल का गुबार • फोटोन न्यूज

गोविंदपुर में युवक को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

JAMSHEDPUR : गोविंदपुर थाना अंतर्गत गरुड़बासा के प्रकाश नगर में एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई है। बताया जाता है कि शंभू लोहार (25) को सोमवार की रात गोली मार दी गई थी। शंभू ने इलाज के क्रम में टाटा मोटर्स अस्पताल में मंगलवार को दम तोड़ दिया। मृतक के पिता ने शंभू के फुफेरे भाई पर हत्या का आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस ने घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिए हैं और हत्यारोपी की तलाश जारी है। उसकी छाती में गोली फंसी थी। गौरतलब है कि शंभू कुमार मूल रूप से सरायकेला-खरसावां जिले का रहने वाला था और पिछले कुछ वर्षों से अपने रिश्तेदार बलराम कर्मकार के घर रहकर ठेकेदारी में काम कर रहा था। वह घर के प्रथम तल पर स्थित अर्धनिर्मित कमरे में सो रहा था, जहां उसे अपराधियों ने गोली मारी थी। फिलहाल शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है।

मृतक की फाइल फोटो

अजय बारीक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बड़ाजामदा थाना क्षेत्र टंकीसाई निवासी अजय बारीक की हत्या के आरोपी सूरज वर्मा उर्फ हनी सिंह उर्फ छोटू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद आरोपी छोटू वर्मा मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे मंगलवार को जेल भेज दिया। बता दें कि 16 मार्च की रात करीब 8 बजे अजय बारीक और सूरज उर्फ छोटू वर्मा के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद छोटू वर्मा ने अपने पास रखे धारदार चाकू से अजय के पेट में एक के बाद एक हमला कर दिया। इस हमले से अजय गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने उसे तत्काल टाटा स्टील के नोवामुंडी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

स्टेयरिंग फेल होने से ईंट लदा ट्रैक्टर पलटा, चालक गंभीर रूप से घायल

PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR : रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग एनएच-75(ई) पर मंगलवार को स्टेयरिंग फेल होने से ईंट लदा ट्रैक्टर पलट गया, जिससे दबकर उसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना आसनतलिया स्थित अनुमंडल कोर्ट के पास हुई। हालांकि, ट्रैक्टर पर सवार दो मजदूर बाल-बाल बच गए। बाद में भीड़ देखकर सीआरपीएफ के जवान आए और कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर के नीचे दबे चालक को बाहर निकाला और प्राथमिक इलाज के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए चालक को जमशेदपुर रेफर कर दिया।

जानकारी के मुताबिक कराईकेला थाना अंतर्गत धातकीडीह गांव से ट्रैक्टर चालक दुबराज प्रधान ईंट लेकर चक्रधरपुर की ओर आ रहा था। इस दौरान आसनतलिया स्थित अनुमंडल कार्यालय के पास ट्रैक्टर का स्टेयरिंग फेल हो गया। तेज रफ्तार होने के कारण ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर जाहेरस्थल (आदिवासियों के पूजास्थल) की दीवार तोड़कर अंदर घुस गया।

घटनास्थल पर पलटा ट्रैक्टर • फोटोन न्यूज

बताया जाता है कि ईंट भट्टा मालिक दुबराज प्रधान को चक्रधरपुर में ईंट डिलीवरी करना था। लेकिन, चालक नहीं आया, तो वह खुद ट्रैक्टर के साथ मजदूर लेकर निकल गया। चिकित्सकों ने बताया कि दुबराज प्रधान का एक पैर व कंधा फ्रैक्चर हो गया है। शरीर के विभिन्न हिस्सों में भी काफी चोट लगी है।

परसुडीह : जमीन विवाद में कान्वाई चालक को पीट-पीट कर मार डाला

PHOTON NEWS JSR: परसुडीह थाना क्षेत्र के गदड़ा में जमीन विवाद को लेकर कुछ लोगों ने संजीव श्रीवास्तव (54) की पीट-पीट कर हत्या कर दी। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल का जायजा लिया गया है।

बताते हैं कि जमीन विवाद में संजीव के साथ कई लोगों ने मारपीट की थी। घटना के बाद परिजनों ने संजीव को घायल अवस्था में इलाज के लिए टाटा मोटर्स अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान संजीव की मौत हो गई। संजीव की बेटी पिंकी ने बताया कि संजीव कान्वाई चालक थे और ज्यादातर घर से बाहर ही रहते थे। पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों से जमीन को लेकर अक्सर विवाद चला आ रहा है। कई बार मारपीट भी हुई थी। मामला परसुडीह थाना तक गया, जहां दोनों पक्षों में समझौता करा दिया गया था।

डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की बेटी ने प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज करेगी। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बेटी लगाती रही गुहार, पर हमलावरों ने नहीं दिखाई दया

मृतक की फाइल फोटो

सोमवार रात को संजीव घर के बाहर खड़ा था, तभी पड़ोस में रहने वाले संतोष, आनंद, रोहित और आयुष समेत अन्य लोगों ने उन्हें घेर लिया और लात घूंसों से उनकी पिटाई शुरू कर दी। संजीव की बेटी उन्हें बचाने के लिए गई, तो हमलावरों ने उसके साथ भी मारपीट की। संजीव की बेटी ने बताया कि वह घटना का वीडियो बनाने लगी। तभी एक हमलावर आया और उसका मोबाइल फोन छीन लिया। बेटी गुहार लगाती रही कि उसके पिता को छोड़ दो। लेकिन, हमलावरों को तरस नहीं आया। पिटाई करने के बाद सभी संजीव को घायल अवस्था में छोड़कर भाग गए। पिंकी ने आरोप लगाया कि जब वह इसकी शिकायत करने थाने गई तो थाना में उनकी मदद नहीं की गई। संजीव को टाटा मोटर्स अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वनपाल का पद सृजित करे सरकार : जगत माझी

MANOHARPUR : विधायक जगत माझी ने बजट सत्र में मंगलवार को विधानसभा में तारांकित पश्न के माध्यम से सरकार से सामाजिक वानिकी से संबंधित योजना संचालन एवं वनपाल का पद सृजित करने की मांग रखी। विधायक ने जानना चाहा कि मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत वन ग्रामों की संख्या अधिक होने के बावजूद वनपाल नहीं हैं, जिससे सारंडा, कोल्हान, पोड़ाहाट वन प्रमंडल में सामाजिक वानिकी के तहत वनग्रामवासियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने जवाब में कहा कि वनपाल का पद रिक्त है, परंतु योजनाओं का कार्यान्वयन सुचारू रूप से किया जा रहा है। वनपाल नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है।

पीड़ित परिवारों को दिया गया एक-एक लाख रुपये मुआवजा

मृतक बच्चों के परिवारों को सांत्वना देते विधायक सोनाराम सिंकू • फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर अंचल क्षेत्र के गीतिलिपि गांव के रामोसाई टोला में सोमवार को चार बच्चों की पुआल की आग में झुलसकर मौत हो गई थी, जिससे पूरे इलाके में मातम पसर गया है। हादसे के बाद सोमवार को ही जिला प्रशासन और स्थानीय विधायक पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। प्रशासन ने तत्काल राहत के रूप में चारों मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान राशि का चेक सौंपा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि आगे भी पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता दी जाएगी। उपायुक्त कुलदीप चौधरी व पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर व जगन्नाथपुर के विधायक सोनाराम सिंकू पीड़ित परिवारों से मिले और अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। वहीं, मंगलवार शाम को आदिवासी रीति-रिवाज के अनुसार चारों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान प्रशासनिक पदाधिकारी भी मौजूद रहे। आग कैसे लगी थी, एसआईटी इसकी जांच कर रही है।

Ph.D. AWARDED

DEEPIKA KUMARI (D/o Sri. Binod Kumar) is declared to have successfully passed the Doctor of Philosophy (Faculty of Humanities) Examination in Philosophy held in the month of February, 2025 as per provision of the UGC (Minimum Standards and Procedure for Awards of Ph.D Degree) Regulation 2009 as amended upto 2016 from Kolhan University, Chaibasa on the topic entitled **'गाँधी दर्शन में एकादशव्रतः प्रायोगिक नीतिशास्त्रीय अध्ययन'** under the supervision of Dr. Deepanjay Srivastava, Assistant Professor, Deptt of Philosophy, L.B.S.M. College, Jamshedpur.

Ph.D. AWARDED

RASIDA KHATUN (D/o Md. Usman) is declared to have successfully passed the Doctor of Philosophy (Faculty of Humanities) Examination in Philosophy held in the month of February, 2025 as per provision of the UGC (Minimum Standards and Procedure for Awards of Ph.D Degree) Regulation 2009 as amended upto 2016 from Kolhan University, Chaibasa on the topic entitled **'अद्वैत वेदांत एवं इस्लाम दर्शन के तत्वमीमांसीय अवधारणाओं का तुलनात्मक अध्ययन.'** under the supervision of Dr. Md. Ashraf Bihari (Retd) Associate Professor, Deptt of Philosophy , Karim City College, Jamshedpur.

विधायक सरयू राय के चार घंटे तक चले औचक निरीक्षण का दिखने लगा असर

मानगो पेयजल परियोजना के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई शुरू

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने 16 मार्च की रात 11.30 बजे से 2.30 बजे तक मानगो पेयजल परियोजना के इंटक वेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया था, उसके परिणाम अब सामने आने लगे हैं। उन्हें चार घंटे के औचक निरीक्षण में कई खामियां मिली थीं, जिसे उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा नगर विकास विभाग के आला अफसरों को बताया था। राय की नाराजगी का मुख्य कारण था ट्रीटमेंट प्लांट और टंकियों की वर्षों से सफाई न होना। इस कारण मानगोवासियों को स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा था। इस दबाव का ही असर था कि मानगो के जवाहरनगर, 15 नंबर स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का मंगलवार को साफ-सफाई शुरू हुआ।

विधायक के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि नीरज सिंह, पप्पू सिंह और संतोष भगत मंगलवार को पानी टंकी की सफाई का जायजा लेने गए। नीरज सिंह ने बताया कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सातों पानी टंकियों की सफाई शुरू हुई है। ट्रीटमेंट प्लांट से टनों के हिसाब से मलबा व कीचड़ निकाला गया है। मलबे से बदबू इतनी आ रही थी कि दुर्गंध से नाक फट रही थी।

नीरज सिंह ने बताया कि अब सातों टंकियों की साफ-सफाई होगी। तिथि तय नहीं है पर बहुत जल्द साफ-सफाई शुरू हो जाएगी। मौके पर मौजूद ठेकेदार के सुपरवाइजर अर्जुन शाही ने बताया कि सभी टंकियों की साफ-सफाई बहुत जल्द शुरू होगी। सरयू राय के जनसुविधा प्रतिनिधियों ने बताया कि मौके पर निकले मलबे से यह साफ पता चलता है कि साफ-सफाई को लेकर बीते वर्षों में कितनी उदासीनता बरती गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या ऐसा ही पानी मानगो के लोग पी रहे थे। क्या यही मलबायुक्त पानी पीकर मानगोवासी अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे थे।

गौरतलब है कि मानगो पेयजल परियोजना में स्थापित किया गया कोई भी यंत्र काम नहीं कर रहा है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग परियोजना को चलाने और संभालने में विफल हुआ है।

14 फरवरी को हुई थी एक टंकी की सफाई : विकास

पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह ने कहा कि फिल्टर प्लांट की सफाई का मामला रोचक हो गया। विकास सिंह ने कहा कि फिल्टर प्लांट में कुल दो क्लेरिफायर बड़ी टंकी है, जिसकी सफाई प्रतिवर्ष होती है। कार्यालय में रखे रजिस्टर में सफाई की तिथि भी दर्ज है। दो टंकी में से एक टंकी की सफाई 14 फरवरी को की गई थी, दूसरे की सफाई आज हुई है। विकास सिंह ने सबूत के तौर पर इसका वीडियो भी जारी किया है।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई करते मजदूर • फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

कई कांडों में वांछित नक्सली बलिराम सहनी गिरफ्तार

CHAMPARAN : मंगलवार को पुलिस और एसटीएफ की विशेष टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कई कांडो में वांछित नक्सली बलिराम सहनी को गिरफ्तार किया है। जिले के पताही थाना क्षेत्र के परसौनी कपूर गांव निवासी नक्सली बलिराम सहनी के विरुद्ध मोतिहारी एवं सीतामढ़ी जिला के विभिन्न थानों में कुल सोलह (16) नक्सल सहित हत्या, लूट, डकैती, अपहरण, रंगदारी जैसे मामले दर्ज है।

पुलिस अधीक्षक ने जनता दरबार में सुनी लोगों की फरियाद

ARARIA : अररिया पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी अंजनी कुमार ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया, जिसमें दर्जनों फरियादियों के मामले की सुनवाई की गयी। अररिया एसपी अंजनी कुमार ने लोगों की बारी-बारी से फरियाद सुनी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र के आये फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्या अररिया पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा, जिसपर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थानाध्यक्ष को ऑन द स्पोर्ट निर्देश दिया। कई मामलों का भी ऑन स्पॉट निष्पादन उन्होंने किया।शेष मामले को संबंधित थानाध्यक्ष के समक्ष निष्पादन के लिए भेजा दिया गया।

तेज रफ्तार पिकअप ने साइकिल सवार को कुचला, मौत

CHAMPARAN : जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के बांकेपुर चौक पर तेज रफ्तार पिकअप ने साइकिल सवार एक युवक को कुचल दिया।जिसमें घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मधुबन थाना क्षेत्र के दुलमा वार्ड नंबर दो निवासी 35 वर्षीय अरुण दास के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार अरुण दास साइकिल से अपनी बीमार बेटी के लिए दवा लेने जा रहे थे। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगो के अनुसार अरुण मजदूरी का काम करता था।

एएसआई की मौत के मामले में थानाध्यक्ष व एक जवान निलंबित

ARARIA : जिला के फुलकाहा थाना में 12 मार्च की रात्रि अपराधी अनमोल यादव की गिरफ्तारी करने के बाद भीड़ द्वारा छुड़ा देने और धक्कामुक्की में एएसआई राजीव रंजन मल्ल की गिरकर सिर में चोट लगने के बाद मौत हो जाने के मामले में पूर्णिया डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल ने बड़ी कार्रवाई की है।पूर्णिया डीआईजी ने फुलकाहा थानाध्यक्ष रौनक कुमार सिंह और छापेमारी के लिए गए पुलिस वाहन के चालक होमगार्ड के जवान अजय कुमार पासवान को निलंबित कर दिया है। अररिया जिला पुलिस की ओर से मंगलवार को एक रिलीज जारी कर यह जानकारी दी गई। एएसआई राजीव रंजन मल्ल की छापेमारी के क्रम में मौत मामले में फुलकाहा थाना में दर्ज प्राथमिकी पर यह कार्रवाई की गयी है, जिसका पर्यवेक्षण एवं छापामारी में हुई प्रशासनिक त्रुटि की जांच पूर्णिया पुलिस उप-महानिरीक्षक द्वारा की गयी।

मुख्यमंत्री ने 7166 करोड़ की जलापूर्ति योजनाओं का किया उद्घाटन

नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य : नीतीश कुमार

- 83 करोड़ रुपये लागत की लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मुख्यालय भवन का भी हुआ शिलान्यास
- बोले सीएम-जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है, उन्हें समय से करें पूरा

रिमोट के माध्यम से 'हर घर नल का जल' जलापूर्ति योजनाओं का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज अपने आवास से रिमोट के माध्यम से 'हर घर नल का जल' निश्चय अन्तर्गत 7,166 करोड़ 6 लाख रुपये लागत की जलापूर्ति योजनाओं सहित भवन संरचनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 83 करोड़ रुपये लागत की लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मुख्यालय भवन का भी शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है, उसे समय से पूर्ण करें। 'हर घर नल का जल' योजना का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से करते रहें। सभी चीजों का मेंटेनेंस हो। हम लोगों का उद्देश्य है कि लोगों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, इसमें किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने हरित पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इससे पहले कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव ने बताया कि राज्य के लोगों को नियमित व निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करायी जा रही है। पेयजल गुणवत्ता के राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप राज्य सरकार सभी ग्रामीण परिवारों को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की दर से जलापूर्ति कर रही है जो राष्ट्रीय औसत से 16 लीटर अधिक है। 'हर घर नल का जल' निश्चय अन्तर्गत निर्मित सभी जलापूत्ति योजनाओं का संचालन एवं रख-रखाव लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'हर घर नल का जल' योजना की प्रशंसा पूरे देश में हो रही है।

लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी ने पूर्व सीएम व तेज प्रताप से 4 घंटे तक की पूछताछ

तेजस्वी के बंगले को लेकर सवाल का जवाब नहीं दे पाईं राबड़ी देवी

AGENCY PATNA : मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बेटे तेज प्रताप यादव को 'नौकरी के बदले जमीन' घोटाले के सिलसिले में पूछताछ के लिए बुलाया था। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री करीब 12 बजे के आस पास ईडी दफ्तर पहुंचीं। वहां उनसे करीब 4 घंटे तक पूछताछ हुई। करीब पौने 3 बजे राबड़ी देवी ईडी ऑफिस से बाहर निकलीं। बताया जा रहा है कि इस दौरान अफसरों ने पूर्व सीएम से कई तीखे सवाल पूछे। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान आरजेडी के नेता लगातार केंद्र और बिहार सरकार पर हमलावर नजर आए। राबड़ी देवी से जब ईडी के अफसरों ने सबसे पहला सवाल किया कि तेजस्वी यादव ने दिल्ली में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी वाला बंगला कैसे लिया। इस पर पूर्व सीएम ने कहा कि उन्हें इसके बारे में नहीं पता। इसके बाद ईडी ने पूर्व सीए से सगुना मोड़ अपार्टमेंट की जमीन और पैसे को लेकर सवाल किया। इस पर भी पूर्व सीएम ने ना में ही जवाब दिया। इसके बाद ईडी ने राबड़ी देवी से पूछा कि जिन लोगों से नौकरी के बदले जमीन ली गई उनको आप कैसे जानती हैं। आप उन लोगों से पहली बार कब मिलीं। उन लोगों को नौकरी देने के लिए आपने क्यों पैरवी की।

विधायक ने विधानसभा में उठाई अवैध पशु वधशाला बंद करने की मांग

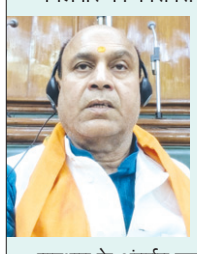

ARARIA : फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने बिहार विधानसभा में बजट सत्र के दौरान मंगलवार को फारबिसगंज के लवाना टोला में अवैध रूप से चल रहे पशु वधशाला पर रोक लगाने की मांग रखी। अवैध पशुवधशाला से हिन्दू आबादी को भारी परेशानियों का सामना करने को बात करते हुए जनाक्रोश बढ़ने का दावा किया। साथ ही विधायक ने खवासपुर में पुलिस ओपी थाना खोलने की मांग रखी। फारबिसगज विधानसभा के ढोलबज्जा पचायत के वार्ड सख्या 13 में एनएच 27 से निमार्णाधीन पंचायत सरकार भवन जाने वाले मार्ग के पक्कीकरण के साथ विधायक ने सदन में बताया कि मुख्यमंत्री सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत सभी वार्डों में लगने वाले सोलर स्ट्रीट लाइट का कार्य सभी मुखिया के 15 वीं वित्त आयोग के कोष से हो रहा है लेकिन इस योजना में ग्लोबल टेंडर लेकर ब्रेडा नामक कंपनी द्वारा सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य किया जा रहा है। बिहार सरकार इस क्षेत्र में काफी अच्छा कार्य कर रही है लेकिन सोलर स्ट्रीट लाइट लगने के कुछ हीं दिनों बाद खराब हो रहे हैं। शिकायत होने पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, जबकि सरकारी प्रावधान के अंतर्गत खराब स्ट्रीट लाइट को 72 घंटे के अंदर ठीक करना है। पंचायत के मुखिया और वार्ड सदस्य को नजर अंदाज कर विभाग द्वारा मनमानी पूर्वक कार्य करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।

बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना के तहत दी जाएगी राशि : संतोष कुमार सिंह

- श्रम संसाधन विभाग की पहल पर दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर को बेंगलुरु से लाया गया वापस
- मृतकों में गोपालगंज जिला निवासी दीपू शाह, अंशु राम और राधेश्याम यादव हैं शामिल

दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर को नमन करते श्रम संसाधन मंत्री

AGENCY PATNA : बेंगलुरु में प्रवास के दौरान बिहार राज्य के श्रमिकों के आकस्मिक निधन के आलोक में त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रम संसाधन विभाग के पहल पर दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर को बेंगलुरु से वापस लाया गया, जहां श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह स्वयं पटना एयरपोर्ट पहुंचे और दिवंगत श्रमिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मृतकों में बिहार के गोपालगंज जिला निवासी दीपू शाह, अंशु राम और राधेश्याम यादव शामिल हैं। इस दर्दनाक घटना के बाद सरकार ने प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया है। मौके पर मंत्री ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन घड़ी में संबल दें। साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर एम्बुलेंस के माध्यम से पार्थिव शरीर को उनके गृह जिलों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाई। मंत्री ने कहा कि बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना के तहत मृतकों के आश्रितों को जल्द से जल्द अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत बिहार राज्य के 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग वाले प्रवासी मजदूर, जो राज्य से बाहर अन्य प्रांतो या विदेशों मे जीविकोपार्जन के उद्देश्य से प्रवास कर रहे है, उन्हें दुर्घटना के फलस्वरुप स्थायी एवं अस्थायी अपंगता की स्थिति में अनुदान दिये जाने का प्रावधान है।

देसी कट्टे के साथ सोशल मीडिया पर फोटो डालने वाला युवक गिरफ्तार

ARARIA : भरगामा थाना क्षेत्र में देसी कट्टे के साथ फोटो खिंचाना एक युवक के लिए भारी पड़ गया। युवक ने देसी कट्टे के साथ फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। सोशल मीडिया पर देसी कट्टा लिए फोटो वायरल होने के बाद भरगामा थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने इस मामले में संज्ञान में लेते हुए युवक को सोमवार की देर रात गिरफ्तार किया। मंगलवार को मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने चरैया गांव निवासी नीरज कुमार पासवान पिता सोनेलाल पासवान को उनके घर से गिरफ्तार किया है। युवक ने देसी कट्टे को अपने हाथ में लेकर फोटो खींचाने की बात स्वीकार की है, जबकि उक्त युवक के घर की तलाशी में देसी कट्टा पुलिस को नहीं मिला।

जल संसाधन विभाग की भूमि पर अतिक्रमण करने वालों पर दर्ज होगा मुकदमा : प्रधान सचिव

AGENCY PATNA : बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग ने विभागीय भूमि पर अवैध कब्जा हटाने के लिए अब कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। विभाग के प्रधान सचिव ने मंगलवार को विभाग के सभी मुख्य अभियंता को पत्र लिख कर विभाग की भूमि पर अतिक्रमण करने वालों व्यक्तियों (अतिक्रमणकारियों) पर संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने राज्य के सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिख कर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों द्वारा दर्ज कराई जाने वाली प्राथमिकी का आवेदन प्राप्त होने पर अविलंब विधि सम्मत कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

उल्लेखनीय है कि बिहार सिंचाई अधिनियम, 1997 और बिहार सिंचाई, बाढ़ प्रबंधन एवं जल निस्सरण नियमावली, 2003 में किये गये प्रावधानों के तहत जल संसाधन विभाग द्वारा विभागीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए विभाग के सभी संबंधित कार्यपालक अभियंता को सक्षम प्राधिकार नामित किया गया है। इन अतिक्रमणों के कारण जल प्रबंधन, सिंचाई योजनाओं और बाढ़ से सुरक्षा के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हो रही है। विभागीय भूमि पर अतिक्रमण हटने से जल प्रबंधन, सिंचाई और बाढ़ से सुरक्षा की योजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू किया जा सकेगा। साथ ही विभागीय योजनाओं को समय पर पूरा करने में सहायता मिलेगी, जिससे राज्य में नदी जल का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो सकेगा।

भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को मिला एलएचबी कोच, होगी सुविधा

AGENCY BHAGALPUR : यात्री सुरक्षा और आराम के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के क्रम में पूर्वरेलवे ने पारंपरिक आईसीएफ कोचों को एलएचबी कोच में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। एलएचबी कोच यात्रियों को कई लाभ प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें बेहतर यात्रा का अनुभव मिलता है। ये कोच अपनी बढ़ी हुई जगह, बेहतर यात्री सुविधाओं और बेहतर आराम के लिए प्रसिद्ध हैं। एलएचबी कोच की विशेषताओं में चौड़ी खिड़कियाँ शामिल हैं, जो यात्रियों को मनोरम दृश्य प्रदान करती हैं, और यह एक एंटी-टेलीस्कोपिक तंत्र है जो अप्रत्याशित दुर्घटनाओं के दौरान अन्य कोचों में घुसने से रोकता है। पूर्व रेलवे की पहल यात्री सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के अनुरूप है और एक परेशानी मुक्त यात्रा वातावरण को बढ़ावा देने के लिए संगठन के समर्पण को दशार्ती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, रेलवे ने 23 अप्रैल से भागलपुर और दानापुर से चलने वाली 13401/13402 भागलपुर-दानापुर-भागलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के आईसीएफ रेक को एलएचबी रेक में परिवर्तित करने का फैसला किया है। परिवर्तित मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्री अब बेहतर सुरक्षा उपायों और उच्च स्तर के आरामदायक यात्रा की उम्मीद कर सकते हैं। पूर्व रेलवे उत्कृष्टता की अपनी खोज में दृढ़ है, अपने मूल्यवान यात्रियों के लिए समग्र यात्रा अनुभव को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 4 मई से, देश के नामचीन खिलाड़ी दिखाएंगे जौहर

AGENCY BHAGALPUR : खेलो इंडिया यूथ गेम 2025 के अंतर्गत भागलपुर में बैडमिंटन और तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन 4 मई से 15 मई तक को किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में पूरे देश के सभी नामचिन खिलाड़ी, रेफरी और कोच भागलपुर जिला में अपना जौहर दिखाएंगे। इसके सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को भागलपुर के अतिथिगृह में खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉक्टर बी राजेंद्र, आईपीएस रविन्द्र शंकरण, आईएएस महेंद्र प्रसाद, जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी, कमिश्नर, डीडीसी, जिला खेल पदाधिकारी और खेल से संबंधित कई पदाधिकारियों की एक अहम बैठक हुई। बैठक में खेलो इंडिया यूथ गेम 2025 कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर चर्चा हुई। बिहार सरकार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेंद्र ने बताया कि इस खेलो इंडिया यूथ गेम 2025 के अंतर्गत 4 से 15 मई तक चलने वाले शखेल में देश भर से नामचीन खिलाड़ी भागलपुर पहुंच रहे हैं, जिसमें बैडमिंटन और तीरंदाजी की प्रतियोगिताएं होंगी। पूरे देश से संबंधित खिलाड़ी और उनके कोच के भोजन, अवसान से लेकर कई मूलभूत सुविधाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक टीम गठित की गई है। ताकि आने वाले खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े। भागलपुर में यह खेलो इंडिया यूथ गेम 2025 के अंतर्गत बैडमिंटन और तीरंदाजी प्रतियोगिता का खेल गौरवशाली मिसाल बने।

बिहार के अधिकतर जिलों में 21 से 23 मार्च के दौरान बारिश-वज्रपात का अलर्ट

AGENCY PATNA : पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक 21 से 23 मार्च के दौरान बिहार के कई जिलो में बारिश और वज्रपात की संभावना है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक 21 मार्च को बिहार के सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, पटना, गया, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया में बारिश के आसार है। 22 मार्च को बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, पटना, गया, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। प्रदेश में 23 मार्च को भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया और कटिहार में बारिश के साथ मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटे में राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 32 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बांका, मुंगेर, भागलपुर, शेखपुरा, खगड़िया और बेगूसराय जैसे जिलों में तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी दी है कि 23 मार्च को संभावित वज्रपात और तेज बारिश के दौरान सावधानी बरतें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

कार्यक्रम पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में संवादात्मक सत्र 'उड़ान' का हुआ आयोजन, डीजीपी ने कहा-

अश्लीलता किसी भी रूप में क्षम्य नहीं, सबको आना होगा आगे

PHOTON NEWS RANCHI : महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं सम्मान विषय पर मंगलवार को बिहार पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में संवादात्मक सत्र 'उड़ान' का आयोजन किया गया। इस मौके पर डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि अश्लीलता किसी भी रूप में क्षम्य नहीं है, सबको मिलकर आगे आना होगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि समाज में फैली अश्लीलता के खिलाफ सबको मिलकर आगे आना होगा। तिलक जैसे कार्यक्रम में वल्गर गाने पर नाच हो रहा है, ऐसा इसलिए होता है कि उस क्षेत्र के लोग सुनना चाहते हैं। महिलाएं अगर घर से बाहर निकलकर ऐसे गाने बजाने पर रोक लगाने की बात करें, तो सब बंद हो जाएंगे। कहीं स्टेज पर डांस हो रहा है और कोई महिला के गाल पर नोट साट रहा है, ऐसी घटनाएं किसी भी रूप में क्षम्य नहीं है। ऐसी कृत्य पर तो महिलाओं को खुद ही आवाज उठानी चाहिए। विनय कुमार ने कहा कि घर के बूढ़े जब नाच देखेंगे तो उनके बच्चे बलात्कारी बनेंगे ही, इसलिए सबसे जरूरी है सबकी सोच को सही करना है। हाल के दिनों में मेरे पास कई महिलाओं के ऐसे कॉल आए हैं कि मुझे डांस या किसी कार्यक्रम के लिए बुलाया गया है, पर यहां असहज हूं, इसलिए मुझे यहां से निकाला जाए। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि आज के समय में पेरेंटिंग एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। बच्चों के हाथ में मोबाइल आ गया है, पर यह गार्जियन का काम है कि इनपर नजर रखें। सरकार की तरफ से 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। 27 हजार महिला पुलिसकर्मी काम कर रही हैं और जल्द ही इसमें और जुड़ जाएंगी, इसके उपरांत महिला भागीदारी में हमारे आसपास भी कोई राज्य नहीं दिखेगा। डीजीपी ने कहा कि पंचायती राज में 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण है, जो बिहार के लिए वाकई बड़ी बात है।

भोजपुरी गानों की अश्लीलता के कारण बदनाम हो रहा बिहार : अभिनेत्री नीतू चंद्रा

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि बॉलीवुड अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने उपस्थित महिला पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मिडिल क्लास फॅमिली से निकलकर जब मैं हॉलीवुड कर सकती हैं, तो बिहार की बेटियां क्यों नहीं इस क्षेत्र में आ सकती। बिहार पुलिस अपनी उपलब्धि को बताए, ताकि लोग भी असली बिहार को जानें। पूरी दुनिया में लड़कियां वैसे ही लड़ रही हैं, जैसे हम लड़ रहे हैं। बिहार पुलिस का अचवमेंट ट्रेंडिंग है, इतना कुछ अच्छा हो रहा है, महिला पुलिसकर्मियों को भी चाहिए कि अपनी सक्सेस को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डालें, ताकि लोग महिला शक्ति को पहचान सकें। नीतू ने कहा कि बिहार पुलिस का वीकर सेक्शन बहुत अच्छा काम कर रहा है, पर इसका नाम वीकर नहीं स्ट्रांग सेक्शन होना चाहिए। भोजपुरी गानों के कारण फैली अश्लीलता पर अभिनेत्री ने कहा कि वल्गर गाने हमारे समाज को बदनाम कर रहे हैं, महिला जब सुनती हैं तो शर्म से सिर झुका लेती हैं। इसी कारण हमने ऐसे अश्लील गानों को खिलाफ पीआईएल किया है अब डीजीपी सर ने एक कदम आगे बढ़ते हुए इसपर बैन लगाने का निर्देश जारी कर दिया।

किसानों को दी गई विलुप्त फलों की जानकारी

AGENCY CHAMPARAN : विलुप्त फलों, सब्जियों और फसलों की खेती को बढ़ावा देने को लेकर पीपराकोठी कृषि विज्ञान केंद्र के अटल सभागार में पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अटारी पटना के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार सिंह, डीएओ मनीष कुमार सिंह, केविके प्रमुख डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डीएचओ विकास कुमार व आत्मा निदेशक धीर प्रकाश धीर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, शाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केविके के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अटारी के निदेशक अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा किसानी के क्रम में बहुत वैसे अनाज, फल, फूल एवं सब्जियों का उत्पादन करते थे जिसमें कुछ न कुछ औषधीय गुण हुआ करते थे। लेकिन समय के साथ उन फसलों का उत्पादन धीरे धीरे कम होने लगा। कुछ किसान आज भी वैसी फसलों का उत्पादन कर रहे है,लेकिन इसकी जानकारी ना ही सरकार को हैं और ना ही विभाग को ही। ऐसे उन विलुप्त हो रहे फसलों के बढ़ावा देने को लेकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे पुरखो द्वारा उत्पादित फसलो में कुछ न कुछ गुणवत्ता हुआ करती थी। उसे आज विकसित करने की जरुरत हैं। किसानों को उनका उचित अधिकार प्राप्त हो इसके लिए सरकार ने पीपीभीएफआरए को लागू किया गया है। जिसमें परम्परागत 158 प्रकार की फसलों को शामिल करते हुए उसका शोध कर विकसित किया

डॉ. हेडगेवार का दृष्टिकोण

यदि हम पिछले चार दशकों में भारत और दुनिया भर में सामाजिक-राजनीतिक और धार्मिक स्थिति का अध्ययन करते हैं और डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार की दृष्टि, मिशन और विचारधारा का ईमानदारी से विश्लेषण करते हैं, तो हम वास्तव में धन्य महसूस करते हैं। 100 साल पहले जब भारतीयों ने एक औपनिवेशिक मानसिकता विकसित की थी, जो उनकी अपनी संस्कृति और धर्म को कमजोर कर रही थी, एक स्पष्ट भविष्यवादी सोच वाले ऐसे महान व्यक्तित्व का हमें आशीर्वाद मिला। उस समय कई बुद्धिजीवियों ने हिंदुओं को एकजुट करने और प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को विकसित करने की विचारधारा के लिए डॉ. हेडगेवार का मजाक उड़ाया। कल्पना कीजिए कि इस महान राष्ट्र का क्या होता, अगर डॉ. हेडगेवार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाद के सरसंघचालक से प्रेरित कई संस्थान और संगठन विभिन्न क्षेत्रों और विभाजित समाज के सभी वर्गों में काम करना शुरू नहीं करते। वामपंथी-इस्लामी-मिशनरी तिकड़ी ने डीप स्टेट वैश्विक बाजार शक्तियों के समर्थन से इस राष्ट्र को टुकड़ों में तोड़ दिया होता तथा इसे सबसे गरीब राज्य और समाज बना दिया होता, जो अपनी जड़ों को भूल गया है और इस्लामी तथा ईसाई जड़ों को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं, इस तथ्य के बावजूद कि कई संस्थान और संगठन डॉक्टर हेडगेवार की विचारधारा से प्रेरित हैं, हम अभी भी देख रहे हैं कि कैसे वामपंथी-इस्लामी-मिशनरियों का एक समूह हिंदुओं को विभाजित करके और इस्लाम और ईसाई धर्म के पक्ष में विचारधाराओं को बढ़ावा देकर इस देश को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। वे कुछ हद तक प्रभावी रहे हैं, लेकिन पूरी तरह से नहीं, डॉ. हेडगेवार के दृष्टिकोण और मिशन के परिणामस्वरूप, जिसे लाखों स्वयंसेवकों, कई संस्थानों और संगठनों द्वारा जोरदार तरीके से आगे बढ़ाया गया है। स्वतंत्रता के बाद राजनीतिक व्यवस्था को वामपंथी-इस्लामी-मिशनरी ताकतों ने हाईजैक कर लिया, जिससे उनके लिए कुछ भी करना आसान हो गया। हालांकि दशकों से बनी मजबूत जमीनी ताकत और डॉ. हेडगेवार से प्रेरित होकर हर समय उनकी भारत विरोधी योजनाओं का समय समय पर पुरजोर विरोध किया। डॉक्टर हेडगेवार की विचारधारा किसी धर्म को नष्ट करने की नहीं, बल्कि हिंदुओं को एकजुट करने की है, जिससे समाज और राष्ट्र मजबूत हो। उन्होंने महसूस किया कि अधिकांश लोग महान भारतीय संस्कृति के मूल को भूल गए हैं, गुलाम मानसिकता पैदा कर रहे हैं और अपनी लड़ाई की भावना खो रहे हैं। लोग राष्ट्रीय चरित्र बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार नहीं हैं। समाज को मुख्य रूप से जाति के आधार पर लड़ने के लिए ढाला गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि लोग कभी भी ब्रिटिश और मुगल शासन का विरोध करने के लिए एक साथ नहीं आते हैं। महान वेदों, उपनिषदों और भारतीय सभ्यता के खिलाफ दिमाग में जहर भर गया था। लोग छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप और स्वामी विवेकानंद जैसे महान योद्धाओं और संतों को भूल गए थे। वे भगवद्गीता और चाणक्य नीति के गहन ज्ञान को भूल गए थे। सबसे महत्वपूर्ण अहसास शत्रुबोध था, जिसका मतलब था कि लोगों ने यह भेद करने की क्षमता खो दी थी कि कौन उनका मित्र है और कौन उन्हें नष्ट करने का प्रयास कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप जनता और उनके नेताओं के बीच काफी दरार पैदा हो गई थी। इसके परिणामस्वरूप विभिन्न समूहों के लिए अतिरिक्त शत्रु पैदा हो गए थे, साथ ही अनावश्यक बहस भी होती थी। इससे समाज के ताने-बाने को और सनातन धर्म को नुकसान पहुंचा है। इस्लाम और ईसाई धर्म में धर्मांतरण बढ़ा है। इन सभी अनुभूतियों ने डॉ. हेडगेवार को अपने विचारों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया। भारत की सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक महानता को पुनर्स्थापित करने के लिए, बहुआयामी दृष्टिकोण वाले जमीनी स्तर के कार्यबल की आवश्यकता थी, ताकि हमारा राष्ट्र इतना मजबूत हो कि कोई भी इस पर फिर से आक्रमण करने की हिम्मत न करे। अपने वास्तविक जीवन के अनुभवों के आधार पर, उन्होंने हिंदू समाज के पुनर्निर्माण के लिए सभी को एकजुट करने और एक शक्ति, एक संगठन बनाने के महत्व को समझा। इस तरह के विचार को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। राष्ट्रीय उत्थान के लक्ष्य के प्रति उनका निस्वार्थ समर्पण इस तथ्य में देखा जा सकता है कि आरएसएस के गठन, विकास और प्रभाव के पीछे प्रेरणा होने के बावजूद, वे हमेशा सुर्खियों में आने के लिए तैयार नहीं थे। इस प्रकार वे एक उदाहरण बन गए कि एक व्यक्ति को स्वार्थ और महत्वाकांक्षा को त्यागते हुए सार्वजनिक रूप से कैसे व्यवहार करना चाहिए। डॉ. हेडगेवार को लोगों, समाज या राष्ट्र के लिए जो भी काम करते थे, उसका श्रेय लेने की कोई इच्छा नहीं थी। एक क्रांतिकारी के रूप में उन्हें जमीन से काम करने की शिक्षा दी गई थी और उन्होंने इस आदर्शवाद को अपने व्यक्तित्व के अनिवार्य हिस्से के रूप में आत्मसात कर लिया था। संघ की स्थापना के एक दशक बाद भी मध्य प्रांत सरकार का मानना था कि हिंदू महासभा के नेता और डॉ. हेडगेवार के निकट सहयोगी डॉ. बीएस मुंजे ही आरएसएस के सच्चे संस्थापक थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने अपनी जीवनी के निर्माण को सक्रिय रूप से हतोत्साहित किया। डॉ. हेडगेवार ने दामोदर पंत भाफ के बार-बार अनुरोध के बावजूद संघ और उनके प्रति सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया-आप मेरा जीवन विवरण प्रकाशित करना चाहते हैं, हालांकि, मैं खुद को एक महान व्यक्ति नहीं मानता या मेरे जीवन की ऐसी महत्वपूर्ण घटनाएं नहीं हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता हो। संक्षेप में, मेरा जीवन असामान्य व्यक्तिगत जीवनियों से मेल नहीं खाता।

भाषा को राजनीति का हथियार मत बनाइए

ANALYSIS

हृदयनारायण दीक्षित

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने धमकी भरे लहजे में कहा है, हिंदी हम पर न थोपी जाए, वरना इसका अंजाम बुरा होगा। स्टालिन ने इसी बात को बार-बार दोहराया है। वे मयार्दा तोड़ रहे है। रुपया भारतीय मुद्रा है। मुद्रा का भारतीय प्रतिरूप प्रतीक 'रु' तमिलनाडु में भी जारी था। लेकिन, राज्य सरकार ने उसे भी हटा दिया है। उत्तर-दक्षिण की बातें भी चल निकली हैं। केंद्र की तरफ से बार-बार स्पष्टीकरण दिया जा रहा है। लेकिन, सतही राजनीति से वातावरण गरमा गया है। द्रविड़ और आर्य नस्ल की बातें भी चल निकली हैं। राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से यह शुभ संकेत नहीं है। आर्य-द्रविड़ नस्ल का सिद्धांत अनेक विद्वानों ने खारिज किया है। द्रविड़ और आर्य शब्द सामूहिक पहचान के संदर्भ में प्रयुक्त होते रहे हैं। कुछ यूरोपीय विद्वानों का विचार रहा है कि यह अलग-अलग रेस (नस्ल) हैं। एक विद्वान वीएस गुहा ने रेस एफिनिटीज ऑफ द पीपल ऑफ इंडिया नाम की पुस्तक लिखी थी। पुस्तक का विवेचन करते हुए सर आर्थर कीव ने लिखा था, सीमा प्रांत के पठानों और त्रावणकोर की वन्य जातियों को मिलाने वाला सेतु मौजूद है। विद्वान यह भी कहते रहे हैं कि भारत में दिखाई पड़ने वाली प्रजातिगत विविधताएं इस कारण हैं कि भारतीय जनता के सभी लोग भारत के बाहर से आए हैं।

राजनीति को सांस्कृतिक मर्यादा में रहना चाहिए। मर्यादित राजनीति समाज को उत्कृष्ट बनाने में भी उपयोगी रहती है। संस्कृति विहीन अमर्यादित राजनीति तनाव पैदा करती है। भाषा सामाजिक एकता और सुख-दुख बांटने का उपकरण है। राष्ट्रजीवन के सभी व्यापारों के संचालन में भाषा की ही भूमिका है। भाषा पर राजनीति से राष्ट्रीय क्षति होती है। इसलिए भाषा को बांटने वाली राजनीति का हथियार बनाया जाना उचित नहीं है। लेकिन, दुर्भाग्य है कि तमिलनाडु में राष्ट्रभाषा हिंदी के ही विरुद्ध टिप्पणियां की जा रही हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने धमकी भरे लहजे में कहा है, हिंदी हम पर न थोपी जाए, वरना इसका अंजाम बुरा होगा। स्टालिन ने इसी बात को बार-बार दोहराया है। वे मर्यादा तोड़ रहे है। रुपया भारतीय मुद्रा है। मुद्रा का भारतीय प्रतिरूप प्रतीक 'रु' तमिलनाडु में भी जारी था। लेकिन, राज्य सरकार ने उसे भी हटा दिया है। उत्तर-दक्षिण की बातें भी चल निकली हैं। केंद्र की तरफ से बार-बार स्पष्टीकरण दिया जा रहा है। लेकिन, सतही राजनीति से वातावरण गरमा गया है। द्रविड़ और आर्य नस्ल की बातें भी चल निकली हैं। राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से यह शुभ संकेत नहीं है। आर्य-द्रविड़ नस्ल का सिद्धांत अनेक विद्वानों ने खारिज किया है। द्रविड़ और आर्य शब्द सामूहिक पहचान के संदर्भ में प्रयुक्त होते रहे हैं। कुछ यूरोपीय विद्वानों का विचार रहा है कि यह अलग-अलग रेस (नस्ल) हैं। एक विद्वान वीएस गुहा ने रेस एफिनिटीज ऑफ द पीपल ऑफ इंडिया नाम की पुस्तक लिखी थी। पुस्तक का विवेचन करते हुए सर आर्थर कीव ने लिखा था, सीमा प्रांत के पठानों और त्रावणकोर की वन्य जातियों को मिलाने वाला सेतु मौजूद है। विद्वान यह भी कहते रहे हैं कि भारत में दिखाई पड़ने वाली प्रजातिगत विविधताएं इस कारण हैं कि भारतीय जनता के सभी लोग भारत के बाहर से आए हैं। लेकिन, किसी ने यह कोशिश नहीं की कि अनेक जातियों का विकास भारत में ही हुआ है। आर्य भारत के ही मूल निवासी हैं। उन्हें विदेशी बताने का कार्य यूरोपीय साजिश थी। डॉ. अंबेडकर ने आर्यों को भारत का मूल निवासी बताया है। उन्होंने लिखा है, आर्य भारत के ही मूल निवासी थे। अंबेडकर के अनुसार, आर्यों का मूल ग्रंथ ऋग्वेद है। ऋग्वेद में नदियों और प्रतीकों के उल्लेख में भारत के ही स्थल हैं। आर्य किसी और देश के होते तो नदियों और स्थान के नाम भारतीय न होते। यूरोपीय विद्वानों के अनुसार, आर्य मध्य एशिया अथवा रूस के दक्षिण भाग में रहते थे। वह वहीं से भारत आए थे। यदि इस निष्कर्ष को सही मान लिया जाए तो प्रश्न उठता है कि आर्यों ने वेदों की तरह और कोई प्रामाणिक साहित्य अपने मूल देश के लिए क्यों नहीं लिखा। कुछ विद्वानों ने द्रविड़ों को भी बाहर से आने वाला बताया है। आर्यों की तरह द्रविड़ भी भारत के मूल निवासी हैं। सवाल यह भी उठाया जाता रहा है कि ऋग्वेद के रचनाकार आर्य भारत की नदियों को माता क्यों कहते हैं। किसी भी दूसरे देश से आया जनसमूह इस देश की नदियों को माता क्यों कहेगा। दर्शन, सभ्यता और संस्कृति पर वैदिक काल से लेकर पुराण काल तक विपुल साहित्य का सृजन हुआ है। इस पूरे साहित्य में कहीं आर्य आक्रमण के संकेत भी नहीं हैं। आर्यों के विदेशी होने का झूठ साम्राज्यवादी साजिश है। आर्यों और द्रविड़ों के बीच कोई तनाव नहीं रहा। लेकिन, स्वार्थी राजनीति द्रविड़-आर्य संघर्ष बताती रही है। 1939 में एक विद्वान जूलियन हक्सले ने कहा था, प्रजातिवाद का सिद्धांत झूठा है और खतरनाक भी है। रामधारी सिंह दिनकर के अनुसार, आर्य शब्द का प्रयोग अंग्रेजी भाषा में सबसे पहले 1853 में मैक्समूलर ने किया था और 1939 में हिटलर ने प्रमाणित कर दिया कि आर्यों को प्रजाति मानने का सिद्धांत खतरनाक है। भारत को भी यह नहीं मानना चाहिए कि आर्य और द्रविड़ नाम की दो प्रजातियां हैं। मैक्समूलर ने बाद में अपनी गलती स्वीकार की और कहा, जब मैं 'एरियन' शब्द कहता हूं, तब मेरा अभिप्राय न रक्त से होता है, न अस्थि, बाल और खप्पर से। मेरा तात्पर्य केवल उन लोगों से है, जो आर्य भाषा बोलते हैं। द्रविड़ शब्द प्रजातिवाचक नहीं है। संभवतः यह स्थान वाचक शब्द है। दिनकर ने याद दिलाया है कि प्रजाति की यूरोपीय परिभाषा की दृष्टि से देखा जाए तो गुजरात और महाराष्ट्र में प्रधानता आर्य वंश की होनी चाहिए। लेकिन, प्राचीन भारतीय यह नहीं मानते थे। द्रविड़ स्थान का विशेषण था। पंच द्रविड़ः में पुराण काल में द्रविड़, आंध्र, कर्नाटक, महाराष्ट्र व गुजरात इन पांच समूहों को गिनते थे। आर्यों और द्रविड़ों के बीच परस्पर प्रेम था। आर्यों की तरह द्रविड़ के ऋषि भी यज्ञ के पुरोहित होते थे। उन्होंने शास्त्रों की भी रचनाएं की थी। तमिल के संगम साहित्य की रचना में भी बहुत ब्राह्मण विद्वानों ने सहयोग किया था। द्रविड़ संस्कृत का शब्द है। मनु ने द्रविड़ शब्द का प्रयोग द्रविड़ क्षेत्र के निवासियों के लिए किया है। कुमारिल भट्ट ने इसका प्रयोग भाषा की सूचना देने के लिए किया है। द्रविड़ों को अलग नस्ल या प्रजाति बनाने का काम यूरोपीय विद्वानों ने किया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिनकर की लिखी 'संस्कृति के चार अध्याय' पुस्तक की प्रस्तावना लिखी थी। लिखते हैं, संभावना

यह है कि भारत में संस्कृति के सबसे प्रबल उपकरण आर्यों और आर्यों से पहले के भारतवासियों, खासकर, द्रविड़ों के मिलने से उत्पन्न हुए। इस मिलन, मिश्रण या समन्वय से एक बहुत बड़ी संस्कृति उत्पन्न हुई, जिसका प्रतिनिधित्व हमारी प्राचीन भाषा संस्कृत करती है। संस्कृत और प्राचीन पहलवी, ये दोनों भाषाएं एक ही मां से मध्य एशिया में जन्मी थीं, किंतु भारत में आकर संस्कृत ही यहां की राष्ट्रभाषा हो गई। यहां संस्कृत के विकास में उत्तर और दक्षिण, दोनों ने योगदान दिया। सच तो यह है कि आगे चलकर संस्कृत के उत्थान में दक्षिणवालों का अंशदान अत्यंत प्रमुख रहा। संस्कृत हमारी जनता के विचार और धर्म का ही प्रतीक नहीं बनी, वरन भारत की सांस्कृतिक एकता भी उसी भाषा में साकार हुई। बुद्ध के समय से लेकर अब तक संस्कृत यहां की जनता की बोली जाने वाली भाषा कभी नहीं रही है, फिर भी सारे भारतवर्ष पर वह अपना प्रचुर प्रभाव डालती ही आई है। नेहरू जी आर्यों को विदेशी मानते थे। सत्य यह है कि आर्य भारतीय ही थे। संस्कृति का विकास भारतवासियों ने किया। द्रविड़ सहित सभी जनों ने संस्कृति का संवर्द्धन किया है। उत्तर-दक्षिण की बातें करना खतरनाक है। भारतीय समाज के किसी भी छोटे या बड़े समूह के मध्य अलगाव सिद्ध करना सद्विचार नहीं है। भारत के सबसे बड़े दार्शनिक शंकराचार्य दक्षिण के ही थे और रामानुज भी। चक्रवर्ती राजगोपालाचारी तमिलनाडु के ही थे। भारतीय दर्शन के व्याख्याता, दार्शनिक, राजनेता और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी तमिलनाडु के हैं। प्रख्यात वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम भी दक्षिण के ही थे। ऐसे सभी विद्वानों ने समूचे देश में व दुनिया के अन्य देशों में भी भारतीय दर्शन और संस्कृति को प्रभावित किया है। देश के कोने-कोने में सभी वर्गों समूहों में इन महानुभावों का प्रभाव साफ दिखाई पड़ता है। भक्ति दर्शन का आदि क्षेत्र दक्षिण में ही था। हम सबको पूर्वजों पर गर्व होना चाहिए।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं)

देश की महिला किसानों को सक्षम बना रही तकनीक

डिजिटल तकनीक और छोटे-मोटे हस्तक्षेपों ने भारतीय कृषि में महिलाओं के लिए परिदृश्य को काफी हद तक बदल दिया है। इन नवाचारों ने महिला किसानों को भूमि स्वामित्व, बाजार तक पहुंच, वित्तीय समावेशन और ज्ञान के आदान-प्रदान से संबंधित पारंपरिक बाधाओं को तोड़ने में सक्षम बनाया है। डिजिटल उपकरण कृषि में महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। एप्लीकेशन और हेल्पलाइन वास्तविक समय के मौसम पूर्वानुमान, अधिकतम कृषि तकनीक और वर्तमान बाजार मूल्य प्रदान करते हैं। किसान सुविधा, पूसा कृषि और इफको किसान एप जैसे संसाधन महिला किसानों को अच्छी तरह से सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप और यूट्यूब ट्यूटोरियल सहकर्मी सीखने और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं। यूपीआई, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन बैंकिंग सहित डिजिटल भुगतान प्रणाली महिलाओं को सीधे ऋण और सब्सिडी सुरक्षित करने में सक्षम बनाती है। किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल माइक्रोफाइनेंस प्लेटफॉर्म जैसे कि पेटीएम और नाबार्ड के ई-शक्ति, महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। ई-एनएएम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और एग्रीबाजार जैसे प्लेटफॉर्म महिला किसानों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं को बेचने की अनुमति देते हैं, जिससे बिचौलियों की जरूरत नहीं पड़ती। महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियां अपने जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग कर रही हैं। एआई तकनीकें मिट्टी के स्वास्थ्य, कीटों का पता लगाने और सटीक खेती की तकनीकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करती हैं। उन्नत सिंचाई प्रणाली और सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप पानी के उपयोग को कम करने और महिला किसानों के शारीरिक कार्यभार को कम करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को समूह ऋण, प्रशिक्षण और कृषि संसाधनों तक पहुँच से लाभ होता है। तेलंगाना में डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी इन महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के माध्यम से बाजरा की खेती का समर्थन करती है। महिलाओं पर बोझ कम करने में मदद करने के लिए बीज बोने वाले, हाथ से चलने वाले ट्रैक्टर और सोलर ड्रायर जैसे सरल कृषि उपकरण उपलब्ध हैं। सरकारी पहल मशीनीकृत उपकरणों के लिए सब्सिडी प्रदान करती है, जो महिलाओं के लिए फायदेमंद है। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना जैसे एनजीओ और सरकारी कार्यक्रम आवश्यक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। डिजिटल साक्षरता पहल महिला किसानों को नए तकनीकी समाधानों को अपनाने के लिए सशक्त बनाती है। महिलाएं जैविक खेती, पर्माकल्चर और जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों में तेजी से शामिल हो रही हैं। वर्मीकम्पोस्टिंग पिट, छत पर बगीचे और कृषि वानिकी जैसे छोटे पैमाने के हस्तक्षेप स्थायी आय में योगदान करते हैं। टाटा ट्रस्ट्स द्वारा लखपति किसान पहल ने झारखंड में आदिवासी महिलाओं को कृषि प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। डिजिटल ग्रीन पहल ग्रामीण महिलाओं को बेहतर खेती के तरीकों के बारे में शिक्षित करने के लिए वीडियो का उपयोग करती है। वाग्धारा जैसे किसान उत्पादन संगठन (एफपीओ) महिलाओं को सामूहिक रूप से बेहतर कीमतों पर बातचीत करने में सहायता करते हैं। आज की दुनिया में, डिजिटल तकनीक और छोटे-छोटे हस्तक्षेप कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत रूप से महिलाओं को निराई, थ्रेसिंग और डी-हल्किंग जैसे श्रम-गहन और समय लेने वाले काम सौंपे जाते रहे हैं। हालांकि मशीनीकरण उनके कार्यभार को हल्का करने में मदद करता है, जिससे उन्हें अधिक मूल्यवान कृषि गतिविधियों में संलग्न होने की अनुमति मिलती है। मोबाइल एप, हेल्पलाइन और सलाहकार सेवाओं सहित डिजिटल उपकरण महिलाओं को अप-टू-डेट बाजार और मौसम की जानकारी प्रदान करते हैं, जो बेहतर फसल योजना और संसाधन प्रबंधन में सहायता करता है। कई महिलाओं को ऋण और वित्तीय संसाधनों तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो आधुनिक कृषि तकनीकों में निवेश करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। सौभाग्य से डिजिटल भुगतान प्रणाली और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मछली विक्रेताओं और किसानों जैसी महिलाओं को स्वतंत्र रूप से लेन-देन करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम होती है। महिलाओं को कृषि मशीनरी चलाने के कौशल से लैस करके, ये छोटे-छोटे हस्तक्षेप जड़ जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हैं और महिलाओं को खेती में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाते हैं। सूचना और प्रौद्योगिकी तक पहुँच महिलाओं की पारंपरिक बाधाओं को दूर करने और अपनी स्वतंत्रता का दावा करने की क्षमता को बढ़ाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएं डिजिटल साक्षरता से जूझती हैं, जो मोबाइल एप्लीकेशन और ऑनलाइन सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। स्मार्टफोन तक सीमित पहुंच और अविश्वसनीय इंटरनेट कनेक्शन से स्थिति और भी खराब हो गई है। सामाजिक मानदंड निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को प्रतिबंधित करना जारी रखते हैं। घरेलू स्तर पर निवेश अक्सर उन तकनीकों पर केंद्रित होता है, जो मुख्य रूप से पुरुषों को लाभ पहुंचाती हैं, महिलाओं की अनूठी जरूरतों की उपेक्षा करती हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी नीतियां और कृषि विस्तार सेवाएं अक्सर लिंग विशिष्ट मुद्दों को अनदेखा करती हैं।

दक्षिण के हिंदी सिनेमा में प्राण की थी डिमांड

बंबई के फिल्म उद्योग की अपेक्षा दक्षिण के फिल्म उद्योग को हमेशा बहुत अधिक अनुशासित और बेहतर ढंग से संगठित माना जाता रहा है। 1940 के दशक के आखिरी वर्षों में दक्षिण के फिल्म निमार्ताओं ने हिंदी फिल्मों के राष्ट्रव्यापी बाजार को भुनाने के लिए हिंदी भाषा की फिल्मों के निर्माण में पहला बड़ा कदम उठाया। चालीस के दशक के अंत तक पचास के दशक के शुरू में इस दिशा में कदम बढ़ाने वाली दक्षिण की महान हस्तियों में खासतौर पर, स्टूडियो के मालिक थे-जैमिनी स्टूडियो (मद्रास) केएसएस वासन, एबीएम स्टूडियो (मद्रास) के एवी मैय्यप्पन चेट्टियार, पक्षीराजा स्टूडियो (कोयम्बटूर) के एसएमएस नायडू, वीनस के कृष्णमूर्ति और बहुत बाद में 1967 में विजया वाहिनी स्टूडियो (मद्रास) के बी. नागि रेड्डी ने इस दिशा में अपना सफर शुरू किया। सही मायने में दक्षिण से बनने वाली पहली हिंदी फिल्म, 1948 में प्रदर्शित, एसएस वासन की फिल्म 'चंद्रलेखा' थी। इस फिल्म की सफलता को देखकर दक्षिण के सभी बड़े निमार्ता बंबई के बड़े सितारों को लेकर फिल्म बनाने के लिए टूट पड़े। बंबई फिल्म उद्योग के कलाकार भी इनके अधिक पैसों के प्रस्तावों को स्वीकारने में रुचि दिखाने लगे। जल्द ही पचास के दशक के पर्दे पर दिखने वाले और पर्दे के पीछे काम करने वाले हर बड़े सितारे ने बंबई की बजाय मद्रास में ज्यादा समय बिताना शुरू कर दिया। उस समय दक्षिण की फिल्मों में काम करने वाले बंबई के प्रमुख सितारे थे-अशोक कुमार, दिलीप कुमार, राजेंद्र कुमार, सुनील दत्त, ओम प्रकाश, निरूपा राय, नूतन, वहीदा रहमान, माला सिन्हा, धर्मेंद्र, किशोर कुमार, संजीव कुमार, जानी वॉकर, मुकरी और प्राण तथा संगीतकार सी. रामचंद्र व चित्रगुप्त। दक्षिण के निमार्ताओं और बंबई के बड़े सितारों के आपसी संबंधों के बारे में अनगिनत किस्से प्रचलित हैं। सबसे पहली बात, दक्षिण के निमार्ता बंबई के सितारों से सीधे मोल-भाव नहीं करते थे। वे अपने प्रोडक्शन कंट्रोलरों की पूरी टीम रखते थे, जिनका काम होता था बंबई के कलाकारों को साइन करना। मोल-भाव करने में कभी कोई दिक्कत नहीं होती थी, क्योंकि दक्षिण भारतीय निमार्ताओं के प्रतिनिधि हर कलाकार की वर्तमान कीमत की पूरी जानकारी रखते थे और उन्हें उनकी सही कीमत और कभी-कभी कम कीमत पर भी साइन कर लेते थे, क्योंकि ये बहुत जल्दी नकद पेमेंट दे देते थे। मद्रास के स्टूडियो मालिकों के कुछ प्रतिनिधियों के बंबई के सितारों से इतने अच्छे दोस्ताना संबंध बन गए कि आगे चलकर वे खुद भी फिल्म निमार्ता बन गए। दक्षिण भारतीय फिल्मों के लिए बंबई के सितारों में प्राण की सबसे अधिक मांग थी। अपनी, मद्रास की, पहली फिल्म 'बहार' के बारे में बताते हुए प्राण ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि 'एवीएम स्टूडियोज के मालिक ने एमवी रामन जो कि तमिल भाषा की कई सुपरहिट फिल्में बना चुके थे, उनके निर्देशन में बनने वाली पहली हिंदी फिल्म 'बहार' के लिए साइन किया। ओमप्रकाश, करण दीवान, वैजयंती माला और गीतकार राजेंद्र कृष्ण के लिए भी यह मद्रास में बनने वाली पहली हिंदी फिल्म थी। प्राण ने आगे लिखा है कि वहां के सभी लोग हमें पसंद करते व हमारा आदर करते। हमें अच्छे पैसे दिए जाते और हमारी अच्छी खातिरदारी भी की जाती। इस तरह हमारा छोटा ग्रुप मद्रास में काफी लोकप्रिय हो गया। खासतौर पर ओम प्रकाश, राजेंद्र कृष्ण, सी. रामचंद्र मैं और कुछ और लोग। मद्रास में पूरे आठ घंटे के शिफ्ट में काम करने का नियम था। किसी दर्शक को अंदर आने की अनुमति नहीं होती थी। कोई भी सेट के आसपास मटरगश्ती अथवा सितारों से गप-शप नहीं कर सकता था। उनके लिए फिल्म निर्माण एक गंभीर कार्य था, करोड़ों रुपयों का उद्योग था और इसके लिए वे पूरे आदर और निष्ठा से यह कार्य करते थे। दक्षिण में काम करने वाले कलाकरों के लिए सुबह ठीक नियत समय पर स्टूडियो की गाड़ी फाइव स्टार होटल के अहाते में उनके लिए पहुंच जाती। हर सितारे के लिए उनका प्रोडक्शन एक्जीक्यूटिव पहले नीचे रिसेप्शन से उन्हें फोन करता, फिर ऊपर जाकर उनके साथ कार तक चलकर उन्हें सम्मान से गाड़ी में बैठाता। वे ठीक समय पर स्टूडियो के लिए रवाना हो जाते और बिल्कुल तय समय पर वेषभूषा और मेकअप के साथ सेट पर पहुंच जाते।

Social Media Corner

सच के हक में...

कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा पूरा कर दिया है। राज्य में वैज्ञानिक तरीके से हुई जातिगत गिनती से मिली ओबीसी समुदाय की वास्तविक संख्या स्वीकार की गई और शिक्षा, रोजगार और राजनीति में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा में 42 प्रतिशत आरक्षण का बिल पारित किया गया है। सामाजिक न्याय की दिशा में यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है जिसके द्वारा राज्य में आरक्षण पर से 50 प्रतिशत की दीवार भी गिरा दी गई है। जातिगत सर्वेक्षण के डेटा से हर समुदाय के सामाजिक और आर्थिक हालात का विश्लेषण कर ऐसी नीतियां बनाई जाएंगी जिनसे सबकी बेहतरी सुनिश्चित हो। तेलंगाना सरकार ने इसके लिए एक इंडिपेंडेंट एक्सपर्ट ग्रुप भी बनाया है।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में जल संकट गहराता जा रहा है। पेयजल विभाग की लापरवाही के कारण स्थिति बदतर होती जा रही है। राज्य में 80 से अधिक पेयजल परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं, और सरकार फरवरी तक केवल 10 प्रतिशत बजट ही खर्च कर पाई है। राज्य सरकार न तो धनराशि का सही उपयोग कर पा रही है और न ही अनियमितताओं की जांच की जा रही है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नई बिसात पर शुरुआती चालें

आम चुनाव 2024 के तकरीबन एक साल बाद राजनीति में नए सिरे से खेमेबंदी होती दिख रही है, क्योंकि बदले हालात की प्रतिक्रिया में राजनीतिक दल अपनी जगह दोबारा तय कर रहे हैं। 'इंडिया' बैनर के तले कथित राष्ट्रीय विपक्ष के रूप में इकट्ठा हुए गैर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दलों के पास अब कोई साझा लक्ष्य नहीं है। वास्तव में साल 2025 के आखिर में बिहार में और साल 2026 के शुरू में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं केरल में होने वाले विधानसभा चुनाव इन दलों को और तितर-बितर कर देंगे और संभवतः इन राज्यों में तथा इनके इतर भी राजनीति के पुनर्विन्यास की राह तैयार करेंगे। कुछ संकेत साफ हैं। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता प्रकाश करात ने हाल में कहा कि 'इंडिया' केवल लोकसभा चुनाव के लिए था और बस खास राज्यों तक सीमित था। वाम और कांग्रेस केरल में आमने-सामने होंगे और यह उनके अब तक के सबसे तीखे मुकाबलों में से एक होगा। पश्चिम बंगाल में, वाम और आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) गठबंधन नहीं बना सकते, जबकि कांग्रेस इन दोनों के बीच अपने विकल्पों को तोलेगी। तमिलनाडु में वाम और कांग्रेस दोनों द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के खेमे में हो सकते हैं, लेकिन अभी तक यह पक्का नहीं है। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान बढ़ी कड़वाहट के बीच अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्विता को पुनजीर्वित किया और अब वे पंजाब, गुजरात एवं गोवा में अपनी भिड़ंत जारी रखने को तैयार हैं। इन दलों की थोड़ी-थोड़ी बढ़त का समग्र प्रभाव यह था कि आम चुनाव में भाजपा हार के कगार पर पहुंच गई थी, लेकिन जैसा कि उसके बाद के घटनाक्रम ने दिखाया है, यह एक नए रुझान की बनिस्बत संयोग ही ज्यादा था। गैर भाजपा दलों के अपने-अपने गणित में असाध्य किस्म के परस्पर विरोध ने 'इंडिया' को अक्षम बना दिया, हालांकि ये पार्टियां अपनी संसदीय रणनीति में कुछ हद तक समन्वय रखती हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

How digital devices are triggering a myopia crisis

In 2020, with no vaccine in sight, the public authorities declared a lockdown to contain the spread of the Covid-19 virus that killed lakhs. Offices and schools were shut down and, thanks to the user-friendly interface Zoom and similar video-conferencing platforms, a new culture of work-from-home was born. Fueled by the uncertainty of the lockdowns and the fear of missing out on academic activities, the young children and toddlers got cooped up in their homes for several hours a day to attend online classes, a new paradigm in pedagogy.

Web-based education had been discussed for decades before the Covid-19 pandemic. The consequences of young children hooked to their digital notebooks and devices escaped the notice of one and all.Alarm bells rang when ophthalmic epidemiologists in China and later in the rest of the world discovered that by 2020, young children were becoming nearsighted (myopic) at an alarming pace. An increase of 400 per cent in the prevalence of myopia was noted among six-year-olds in China. Before Covid-19, Australian researchers had found that nearsighted children spent an average of one and a half hours more in near activities than the normal-sighted. Keeping books less than 30 cm from one's face and continuously reading for more than 30 minutes are major risk factors for myopia progression in young children.Nearsightedness (myopia) means the inability to see distant objects, such as what the teacher writes on the blackboard, while reading and writing remain unaffected. An intricate balance in three critical components — the power of the front lens (cornea), the dynamic biconvex crystalline lens and, notably, the eyeball's size — decides whether the image will be focused on the retina or form a blur in front or behind the retina.

For reading, a dynamic increase in the power of the crystalline lens in the young up to +8 diopters allows clear focus. If the eyeball happens to be longer than optimal, a blurred image is formed in front of the retina. This requires wearing minus lenses (myopic glasses) for clear distance vision.

The eyeball measures about 16 mm at birth. In the first two years of life, orchestrated growth in the three elements mentioned earlier occurs, reaching about three-fourths of the adult size of 24 mm. It gets there during the second spurt of growth at puberty (10-16 years). More than 30 years ago, Dr Stone from Philadelphia discovered that levels of a neurotransmitter, dopamine (reward hormone), in the retina control the growth of the eyeball.

My chief, Dr IS Jain, who extensively surveyed both urban and rural populations in the 1960s, blamed excessive near-work, higher literacy rates and income levels for a progressive increase in the prevalence of myopia from the rural (2.77 per cent) to schoolchildren (4.79 per cent), Chandigarh's urban population (6.9 per cent) and the PGI doctors (33 per cent).

Recently, 21 per cent of school-going urban children in north India were detected with myopia, a four-time increase in 50 years.While the impact of Covid-19 quarantine on progressive myopia was the earliest and most felt in East and South East Asia, no one escaped. According to one study, 46 per cent of children who spent an average of one hour daily on digital devices were myopic compared to 76 per cent of those who spent four hours. Low outdoor activity, dim room illumination and excessive near-work were blamed.Dr Rohan Hughes and colleagues in Brisbane have found an immediate increase in the axial length of the eyeball in young children, even up to 16 microns, on reading or looking at a nearby object.In the last 10 years, the use of digital devices has increased fourfold, with even two-year-olds in Singapore reportedly spending up to two hours a day in front of screens. A recent analysis in the prestigious JAMA journal made headlines worldwide. It reported that, based on scientific studies involving more than 3,00,000 schoolchildren, every hour spent on digital screens until at least four hours a day increased the odds of developing myopia by 21 per cent.

India must deftly walk the tariff tightrope

It is a big challenge for Delhi to strike a deal with Trump without getting its nose bloodied

US President Donald Trump, aided and abetted by Elon Musk and a few other advisers, has plunged the world economy, trade and development aid in a big turmoil.

Trade tariffs are being used as weapons of trade destruction (WTDs) to attain non-trade objectives — throwing out illegal immigrants from America, stopping the spread of fentanyl, keeping the dollar propped up as global currency and annexing foreign territories. The tariff war unleashed is erratic and dysfunctional. Tariffs are brandished in an on, off, on again and off again manner, as is amply evident from tariffs imposed — and postponed — on Canada, Mexico and others.

India has been pilloried as a tariff king and a country ripping off America by imposing highest tariffs which prevent American companies from exporting to India. India has been put on notice with the threat of 'reciprocal tariffs' from April 2, 2025.India has maintained a strategic silence and not publicly wrangled with Trump thus far. Commerce Minister Piyush Goyal has been shuttling between India and the US.What is the core of the India-US trade tariff imbroglio? Will India be able to do a deal with Trump without getting its nose bloodied? What are India's good options?Trump's entire focus is on merchandise trade. India has a large trade deficit with the world ($210.8 billion during April-December 2024), but runs a surplus with the US ($45.7 billion in 2024: exports $87.4 billion and imports $41.8 billion). This rankles Trump.India's tariffs generally, and on agricultural goods, automobiles and alcohol particularly, are undeniably very high — 100 per cent on chicken legs, 100-165 per cent on cars and 150 per cent on alcohol. In the Budget 2025-26, the government proposed an olive branch by reducing tariffs on some products of American interest, such as bourbon whiskey, to 50 per cent. The gesture has not humoured Trump.The exact contours and coverage of threatened reciprocal tariffs (normally, the same tariff on similar goods by both sides) have not been spelt out as yet. India seems to have offered lower tariffs under a bilateral foreign trade agreement (FTA) on an item-by-item basis. The Americans, perhaps sensing India's vulnerabilities, are asking for an across-the-board reduction of tariffs. Americans seem to be having an upper hand at the moment.During the 2023-24 financial year, India exported $77.5 billion worth of goods to the US (17.7 per cent of the total exports of $437.11 billion). The US is the largest export market for India (the UAE, with $35.6 billion of exports, was a distant second). India's imports from the US were only $40.8 billion, much lower than imports from China ($101.7 billion).

Pharmaceuticals products, diamonds and telecom equipment were India's top exports to the US, whereas India's top imports were petroleum products, coal briquets and machinery. Automobiles are not India's major exports to the US. Americans import automobiles from the rest of the world and hardly export. India and America do have trade in agriculture products, but in terms of the dollar value, it is small.

The war of attrition over India's high tariffs on agriculture products, automobiles and telecom (also pharmaceuticals) products is, therefore, more emotional than real, which seems to be getting the better of the Trump administration. There is hardly any likelihood of America's exports increasing from the tariff onslaught. If India were to slash tariffs on American goods to the US level, it is unlikely that Americans would be able to increase the exports of these products by even 10 per cent.India, however, has two big vulnerabilities. First, high walls of India's tariffs supposedly protect its farmers and industries. Tariffs on American chicken legs and apples ensure better prices to India's farmers. Tariffs on automobiles protect India's automobile industry. High tariffs on whiskeys protect excessive excise revenues of state governments and profits of the India Made Foreign Liquor (IMFL) industry.

econd, European countries and others negotiating FTAs with India for years have also been asking for lower tariffs on precisely the same items — automobiles, agriculture and telecom products. If it gives in to American pressure, India will find it impossible to deny the same to the European Union, UK and others.

Trump has indeed pushed India between a rock and a hard place.India is in a much better economic and financial situation than it was in 1991, when it was on the verge of defaulting on its international loan payments. India had reached that highly troubling state in 1991 on account of myopic and overprotective policies pursued for decades.

Faced with that dire situation, Indian policymakers took bold decisions — dismantling pernicious licence permit raj, opening foreign investment, technology and competition, unleashing private entrepreneurship by de-reserving industries from public enterprises' exclusive monopoly, eliminating export subsidies and adopting a flexible currency regime.These decisions changed the destiny of India. Thanks to the dismantling of the overprotective regime, India has now become the fifth largest economy with a GDP of nearly $3.8 trillion.Then, India was hugely dependent upon cereal imports and had two highly inefficient car producers. The situation today is completely different. India is not only self-sufficient in cereals but is also the largest exporter of rice in the world. The country has significant overall agriculture trade surplus; we import pulses and edible oils but export most other agriculture commodities. Similarly, India's automobile and telecom industries have become quite large and are thriving.It is high time India eliminated high tariffs on agriculture and manufactured goods for not only the US but for all. In return, it should aggressively seek technology and investments from the world, including the Chinese, for building a large and competitive manufacturing economy, capitalising on India's cheap and skilled labour.

Empty stomachs

PDS coverage based on outdated data

India's Public Distribution System (PDS) is one of the largest food security programmes in the world, yet it continues to leave millions behind. The recent admission by the food ministry to a parliamentary panel that 7.9 million eligible beneficiaries remain outside the PDS due to outdated population data is deeply concerning. The government's argument that no additional beneficiaries can be added until the next Census — delayed indefinitely since 2021 — rings hollow in the face of persistent hunger and malnutrition. Food security is a fundamental right under the National Food Security Act, 2013, which mandates coverage of 75 per cent of rural and 50 per cent of urban populations. This was calculated using the 2011 Census figures, covering 813 million people. Since then, India's population has grown significantly. The government's refusal to update its beneficiary count, despite a Supreme Court directive, suggests a failure of both policy and intent.

The situation is worse for poorer households, which struggle to afford diverse, nutrient-rich diets, often relying on cheap, calorie-dense but nutrient-poor foods. The PDS primarily provides staple grains like rice and wheat, but lacks essential nutrients needed to combat malnutrition. The Covid-19 pandemic exposed the inadequacies of the food safety net, forcing the government to expand PDS benefits temporarily. If such a move was possible during a crisis, why is it not being considered now? Several states, including poorer ones like Chhattisgarh and Odisha, have extended food security benefits using their own resources. The Central Government must follow suit.

The country's economic growth cannot be celebrated while millions struggle for their basic right to food. The government must use available population estimates and ensure that every eligible citizen is included in the PDS immediately. Delaying action until the next Census is not just bureaucratic inertia — it is a moral failure.

Canada's Mark Carney and the legacy of an economist-PM

Trump's erratic and ill-considered actions are prompting every country to forge new alliances and mend ruptured ones, like the one underway between Ottawa and New Delhi.

Manmohan Singh is dead, long live Manmohan Singh! Mark Carney, the new Prime Minister of Canada, has had a career not very different from India's economist-Prime Minister, who died last year. If Singh was the Governor of the Reserve Bank of India, Carney was the Governor of the central banks of not one, but two countries — Canada and the UK. Both were finance ministers, although Carney was a peg lower as the deputy minister in Canada's department of finance. Carney and Singh got their doctoral degrees from the University of Oxford.

Most important of all — Carney's challenge now is Canada's economy, just as Singh's gargantuan challenge was India's economy in 1991, when he became Finance Minister. As Prime Minister in 2004, development continued to occupy most of Singh's time. Unlike India 34 years ago, Canada's economy was only facing surmountable problems until Donald Trump started a trade war with it, the closest ally and economic partner of the US.Besides, Trump is threatening to make Canada the 51st state of the US. That has prompted Carney's political slogan for the coming election — 'Canada strong'. With that, his rival and Conservative leader Pierre Poilievre's poll slogan 'Canada first' has lost its edge. It now sounds like plagiarism of Trump's "America first."Until the 47th US President threw down the gauntlet and began referring to previous PM Justin Trudeau as Governor Trudeau, seriously offending the sensibilities of most Canadians, it was presumed that Conservatives would win the next election due by the outer deadline of October 20. Latest opinion polls, however, suggest that with Carney as Liberal Party leader, electoral fortunes may be reversed.

There is still a long way to go for any definite prediction. Increasingly, Canadian voters appear to have been impressed by their new PM's unequivocal assertion that "Canadians know that new threats demand new ideas and a new plan." Carney said in his acceptance speech that "they know new challenges demand new leadership." If he succeeds in bringing Liberals back to power, it will be like Trump's upset win over Democrat Hillary Clinton in 2016.Public discourse in India tends to exaggerate India's place and role in every global development. The domestic media now finds an "India angle" where none exists, or if it does, it is actually minor. Carney's reference to India since the day he threw his hat in the ring for Liberal Party leadership has made front page news in most English newspapers in this country.

A perusal of his transcripts shows that among the hundreds of thousands of words he has spoken during his campaign to succeed Trudeau, Carney has said only three sentences about India. They are noteworthy, all the same, because they were said even as the new PM was otherwise effusive in praise of Trudeau. India was a pet hate for Trudeau. It is entirely possible that Carney said what he did because he had been briefed about what has been recently going on behind closed doors between India and Canada to reset their bilateral relations. In many western democracies, potential new leaders receive daily security briefings even before being elected, unlike in India.

In one of the three sentences, Carney has acknowledged that "we have an opportunity to rebuild our relationship with India." But caution is paramount because he is not offering India a blank cheque. The key to improving bilateral relations is that "there needs to be a shared sense of values around that commercial relationship and if I am Prime Minister, I will look forward to that opportunity."

It was Trudeau's "sense of values" which wrecked Canada's relations with India in the first place. It augurs well for a rapprochement that extraneous factors which were not there when relations began spiralling downward now exist. The most impactful of these factors is Trump. His erratic and ill-considered actions are prompting every country to forge new alliances and mend ruptured ones like the one underway between Ottawa and New Delhi.

On the Indian side, definite indications of a thaw began appearing in statements and briefings by the Ministry of External Affairs (MEA) late last year. This gathered speed with Trudeau's resignation in the first week of January. A new Canadian high commissioner and deputy high commissioner are likely to be in place by autumn, if not earlier. Vice versa, India's head of mission will take up his post in Ottawa.The irony is that a diplomatic spat which erupted after the killing of Khalistani terrorist Hardeep Singh Nijjar was largely insulated from the rest of India-Canada relations throughout this episode. Even after Trudeau alleged in the House of Commons of complicity by Indian agents in Nijjar's murder, the Premier of Saskatchewan province, Scott Moe, visited India. External Affairs Minister S Jaishankar praised the partnership with Saskatchewan, on which India is heavily dependent for import of lentils and one variety of wheat, among other items. Another visitor was Ontario's Minister of Economic Development and Trade Victor Fedeli.

When diplomatic relations with Canada are normalised, Ottawa will hopefully stop sending Indo-Canadians to its High Commission in New Delhi and consular posts in Bengaluru, Chandigarh and Mumbai. India has long matured as an emerging power to be influenced by sentiment of that kind. It has been New Delhi's experience that Indo-Canadians, including a former high commissioner, looked at their postings as an opportunity to promote themselves in their native places in India and with their extended families, instead of doing their best for promoting bilateral relations.

One galling incident comes to mind. During Trudeau's disastrous India visit, the Tricolour national flag was flown upside down during one event. The MEA protested. Instead of controlling the damage, an Indo-Canadian diplomat, who managed that event, blamed the event management company and refused to take responsibility or apologise.

Indo-Canadian diplomats posted to India have a false sense of entitlement. If they don't even know how to position India's national flag, it speaks of a serious flaw in their management of relations.

NMDC shares rise 2% after interim dividend announcement. Check details

New Delhi. Shares of NMDC gained in early trade on Tuesday after the company announced an interim dividend of Rs 2.30 per share for the financial year 2024-25.

At 11:15 am, NMDC share price was up 2% to Rs 66.26 on the Bombay Stock Exchange (BSE).

In a filing to the exchanges, NMDC said, "The Board of Directors of the Company in its meeting held on Monday, 17th March 2025, inter alia declared the 1st Interim Dividend of Rs 2.30 per equity share of face value of Re 1/- each for the financial year 2024-25."The company has fixed March 21, 2025, as the record date for determining eligible shareholders.

It may be noted that NMDC has been consistent in rewarding shareholders.In 2024, the company declared a dividend of Rs 1.50 per share and an interim dividend of Rs 5.75 per share. A year earlier, it paid a dividend of Rs 2.85 per share and an interim dividend of Rs 3.75 per share.At the current market price, NMDC's dividend yield stands at 3.65%.

NMDC shares have declined marginally over 6% in the last six months and less than 2% in the past year. However, they are up almost 1% year-to-date.

NMDC, formerly National Mineral Development Corporation, is a Navratna PSU under the Ministry of Steel. It is India's largest iron ore producer by volume, operating mines in Chhattisgarh, Karnataka, and a diamond mine in Madhya Pradesh.

India Remains High-Growth Real Estate Market In APAC Amid Resilient Economy

New Delhi. Real estate investments in the Asia Pacific market increased 12 per cent (year-on-year) to reach $155.9 billion in 2024, as India continued to exhibit strong momentum with the second half (H2) witnessing 88 per cent annual rise in investments at $3.0 billion, a new report showed on Tuesday.

Among the nine markets in the APAC region, India, South Korea, Taiwan and Australia saw significant investment growth, each recording more than 30 per cent year-on-year increases during the period, according to a Colliers report.In India, office assets continued to draw majority of the investments at 47 per cent share, followed by industrial and logistics at 27 per cent share. Mumbai attracted almost half of the investments during H2 2024, primarily led by acquisition of office assets.Steady growth in investment volumes underscores India's prominence as a preferred real estate investment destination for both domestic and foreign capital. In H2 2024, foreign investments accounted for 57 per cent of total inflows, while domestic investments, at $1.3 billion, saw a notable 8 per cent growth.

"Institutional investments in Indian real estate have shown remarkable growth, with 2024 witnessing a 22 per cent rise in capital inflows at $6.5 billion. This momentum is expected to continue in 2025, driven by favourable economic growth prospects and optimistic investment sentiments," said Badal Yagnik, Chief Executive Officer, Colliers India.Moreover, the anticipated continuity in easing of monetary policy including further reduction in repo rate, is expected to enhance liquidity and drive transactional activity across real estate segments in 2025. Diverse investment opportunities along with proactive government policies are likely to support robust capital deployment across core and non-core assets throughout 2025, Yagnik noted.

Looking ahead, while global investors will continue to diversify their real estate portfolios, domestic investors are expected to make further inroads in segments with relatively higher yields such as office and industrial & warehousing", said Vimal Nadar, Senior Director and Head of Research, Colliers India. Overall, real estate investment volumes in the Asia Pacific region are likely to remain sturdy in 2025, the report noted.

Indian Stock Market Opens Higher, Sensex Above 74,600

Mumbai. The domestic benchmark indices opened higher on Tuesday amid positive global cues, as buying was seen in the realty and media sectors in the early trade. At around 9.27 am, Sensex was trading 448.91 points or 0.61 per cent up at 74,618.86 while the Nifty added 140.15 points or 0.62 per cent at 22,648.90.

Nifty Bank was up 407.25 points or 0.84 per cent at 48,761.40 The Nifty Midcap 100 index was trading at 48,794.85 after adding 333.05 points or 0.69 per cent. Nifty Smallcap 100 index was at 15,110.95 after climbing 142.55 points or 0.95 per cent.According to market watchers, after a positive opening, Nifty can find support at 22,450, followed by 22,350 and 22,300. On the higher side, 22,700 can be an immediate resistance, followed by 22,750 and 22,800.Despite the positive market performance, a cautious sentiment prevailed due to escalating trade war tensions following new tariffs imposed by US President Donald Trump. This geopolitical uncertainty tempered overall market optimism," said Vikram Kasat from PL Capital-Prabhudas Lilladher.

Meanwhile, In the Sensex pack, ICICI Bank, M&M, Axis Bank, Tata Steel, Tata Motors, Bajaj Finserv, Hindustan Unilever Limited and Zomato were the top gainers. Whereas, HCL Tech, Sun Pharma, TCS and Tech Mahindra were the top losers.

In the last trading session, Dow Jones climbed 0.85 per cent to close at 41,841.63. The S&P 500 added 0.64 per cent to 5,675.12 and the Nasdaq added 0.31 per cent to close at 17,808.66. In the Asian markets, Jakarta was trading in red. Whereas Japan, Seoul and China, and Hong Kong were trading in green.

The foreign institutional investors (FIIs) continued to remain net sellers in the month of March till now, as they sold equities worth Rs 4,488.45 crore on March 17. However, domestic institutional investors (DIIs) compensated with buying of equities of Rs 6,000.60 crore, on the same day.

Gold prices at record high: Will it keep rising in near future

Gold prices surge past Rs 89,000 amid global uncertainties

US tariffs, trade tensions drive investors toward safe-haven gold

Experts see further upside but await Fed policy signals

New Delhi. Gold prices have surged to new highs, with MCX gold crossing Rs 89,000 per 10 grams and international prices breaching $3,000 an ounce.Investors are rushing to gold as trade tensions, US tariff policies, and global uncertainties drive demand for the safe-haven asset. So, why are gold prices on the rise?Jateen Trivedi, VP Research Analyst - Commodity and Currency, LKP Securities, said, "Gold prices surged above Rs 88,000 on MCX, supported by Comex gold crossing $3,000. The rally is fueled by continued US tariffs on multiple countries, especially the latest focus on European goods like alcohol and cognac."

Market participants are cautious, leading to sustained gold buying. This week's US retail sales data and the Fed's policy meeting will be crucial in determining the next move. The price range has now shifted to Rs 87,250Rs 88,650," Trivedi added.

WILL GOLD PRICES KEEP RISING?

Tariff concerns have also been a major trigger for the recent rally, said Prathamesh Mallya, DVP- Research, Non-Agri Commodities and Currencies at Angel One Ltd."Gold has surged over 3% in the last week, driven by uncertainty over US tariffs, trade tensions, and expectations of monetary easing by the Federal Reserve. The European Union's retaliation against US steel and aluminum tariffs and Trump's threats to impose 200% duties on European wine and spirits have added to market jitters," he added.

"Trump's tariffs are expected to fuel inflation, pushing gold to new records," Mallya added that the gold rally may have more steam left.Another factor driving gold higher is geopolitical risk. "Gold has surged past $3,000 an ounce, while silver is holding near $34. Geopolitical concerns, including Houthi rebel attacks in the Red Sea and U.S. warnings to Iran, have heightened market anxiety," said Rahul Kalantri, VP Commodities, Mehta Equities Ltd."The dollar index has slipped to a five-month low, further supporting gold and silver. Gold has support at $2,984$2,960 and resistance at $3,024$3,042, while in INR terms, support is at Rs 87,640Rs 87,420 and resistance at Rs 88,340Rs 88,550," he added.Gold's rally is also supported by central bank buying and a weaker dollar. Experts believe that while gold could see more upside, it will depend on Fed policy signals and further global economic developments.

With the sustained rise in gold prices, many are wondering whether MCX gold will touch Rs 1,00,000 per 10 grams soon. Most analysts have do not expect it to happen soon, but it could become a reality in a couple of years if the current uptrend continues.

LG Electronics India receives Sebi nod for IPO. Check key details

New Delhi. LG Electronics India has received approval from the Securities and Exchange Board of India (Sebi) for its initial public offering (IPO). The company had filed its draft red herring prospectus (DRHP) with Sebi on December 6, 2024, and has now received the final observation from the regulator to proceed with the offering.

The IPO consists solely of an offer for sale (OFS) of up to 10.18 crore equity shares by parent company LG Electronics Inc. The face value of each share is Rs 10.LG Electronics India, a wholly-owned subsidiary of LG Electronics Inc., was established in 1997 and has been a market leader in India's home appliances and consumer electronics segment for 13 straight years (20112023) in offline sales by value, according to a Redseer Report cited in the DRHP.The company has a strong presence across multiple product categories, including refrigerators, washing machines, panel TVs, inverter air conditioners, and microwaves. The offline channel, which makes up around 80% of India's consumer electronics market (excluding mobile phones), has been a key contributor to its dominance.

Financially, LG Electronics India has outperformed many of its listed peers, including Havells India, Voltas,

Whirlpool of India, and Blue Star. The company posted a revenue of Rs 21,352 crore in fiscal 2024, up from Rs 19,868.24 crore in the previous fiscal. Its profit after tax rose 12.35% to Rs 1,511.07 crore from Rs 1,344.93 crore.

For the three months ending June 30, 2024, the company recorded Rs 6,408.80 crore in revenue and a profit after tax of Rs 679.65 crore.Globally, LG Electronics is recognised as the leading single-brand home appliances company by revenue in 2023, according to Redseer. The company serves both B2C and B2B markets, offering installation, repair, and maintenance services for its products.

With nearly three decades of experience in India, LG Electronics India has built strong consumer relationships. It has the largest distribution network in the industry, with 36,401 B2C touchpoints spanning urban and rural areas.

After-sales support is provided through 949 authorised service centres, backed by 280 vendors, many of whom have been associated with the company for over a decade.The IPO is being managed by Morgan Stanley India, JP Morgan India, Axis Capital, BofA Securities India, and Citigroup Global Markets India. KFin Technologies is the registrar for the issue.

How EPF balance ensures financial security? 5 benefits to know

New Delhi. Keeping a sufficient balance in your Employee Provident Fund (EPF) is not only about saving money. Apart from securing your future, it also helps in managing emergencies, and even ensures tax savings.EPF is a government-backed savings scheme wherein both you and your employer contribute 12% of your basic salary and dearness allowance. As of now, the EPF interest rate stands at 8.25% per annum, making it a solid long-term investment.Nevertheless, let us have a quick look at the benefits of maintaining EPF balance.

RETIREMENT SAVINGS

One of the greatest advantages of the EPF is that it allows you to create a retirement fund. A portion of your income is saved each month, and it earns interest. This accumulates over the years, thereby giving you a substantial amount that ensures financial stability after retirement.

EMERGENCY FINANCIAL SUPPORT

An EPF balance is also a safety net in tough times. Though you cannot withdraw all the funds at any given point, you can partially withdraw them for certain needs such as a medical emergency,

repayment of a home loan, higher studies, or to meet marriage expenses.This way, you have money at hand when you need it most, without having to resort to high-interest loans.

INSURANCE COVERAGE

Many people are unaware that EPF also provides life insurance under the Employees' Deposit Linked Insurance (EDLI) scheme.

If an EPF account holder passes away while still employed, their nominee receives a financial payout. This ensures that the family gets financial support, reducing the burden of sudden loss.

TAX BENEFITS

The EPF also provides tax benefits. The contributions are eligible for deduction under Section 80C of the Income Tax Act, which helps in lowering taxable income.

An employee is eligible to claim a deduction of Rs 1.5 lakh on EPF contributions.

STABLE GROWTH

The government reviews and sets the EPF interest rate annually. For 2024-25, the rate is 8.25%, which ensures steady growth of your savings. This in turn allows you to manage your finances better and gain financial independence in the long term.

Paytm shares surge 6% as subsidiary gets Sebi's research analyst certificate

New Delhi. Shares of One97 Communications Limited, which owns Paytm, surged up to 6% in early trade on Tuesday after its subsidiary got a green light from the Securities and Exchange Board of India (Sebi) to offer research services.

At 10:58 am, Paytm shares were trading 5.39% higher at Rs 725.95 on the BSE.In a filing with the Bombay Stock Exchange (BSE), Paytm said, "We wish to inform you that Paytm Money Ltd, a wholly-owned subsidiary of One 97 Communications Ltd, has been granted a Certificate of Registration as a Research Analyst by the Securities and Exchange Board of India (Sebi) under the Sebi (Research Analysts) Regulations, 2014. The registration number for Paytm Money Ltd as a Research Analyst is INH000020086."With this approval, Paytm Money can now roll out Sebi-compliant research services, covering investment insights, research reports, and data-driven analysis.The company also said, "This milestone aligns with

Paytm Money's objective to expand its offerings in the investment ecosystem, enhance user experience, and provide expert-backed insights to both retail and institutional investors. These services will soon be integrated into the Paytm Money app as part of a research and advisory offering, empowering investors to make well-informed financial decisions."This announcement comes at a time when Paytm is facing regulatory scrutiny. Earlier this month, the company told stock exchanges that it had received a Rs 611.17 crore show-cause notice from the Enforcement Directorate (ED) for alleged violations under the Foreign Exchange Management Act, 1999 (FEMA).In response, Paytm reassured its users, stating that "there has been no impact of the matter on Paytm's services to its consumers and merchants" and that "all of its services are fully operational and secure, as always."On the financial front, Paytm reported a narrower loss of Rs 208 crore for the December 2024 quarter compared to Rs 222 crore in the same quarter last year. However, revenue took a hit, dropping 36% year-on-year to Rs 1,828 crore from Rs 2,850 crore in the previous year's corresponding period.

Feb goods trade deficit narrows to 42- month low of $14 bn

A 61% drop in gold and 30% drop in petroleum imports led to an overall 16.34% fall in goods imports in February. In comparison, goods exports fell by only 11% during the month

New Delhi. A 61% drop in gold and 30% drop in petroleum imports led to an overall 16.34% fall in goods imports in February, which resulted in India's merchandise trade deficit shrinking to $14 billion, the lowest in 42 months. In comparison, merchandise exports also fell by 11% during the month to 36.91 billion. The merchandise trade deficit in January was $19.5 billion.Gold imports fell from $6.15 billion in February 2024 to $2.34 billion in February 2025. Petroleum import bill shrank 29.5% to $11.9 billion in February, down from 16.9 billion in the same month last year. Silver imports also witnessed sharp decline to $430 million from $1.7 billion a year ago. Other major

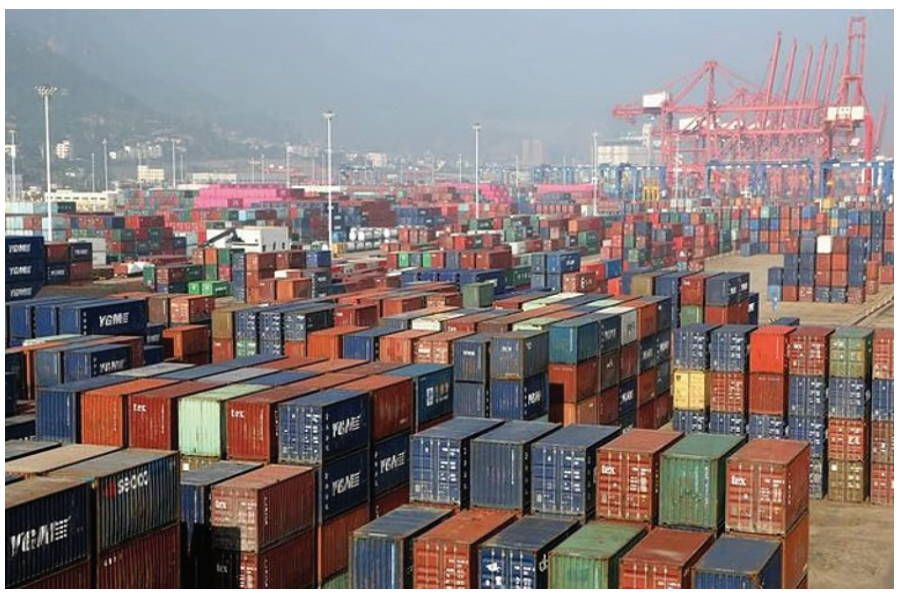

falls were witnessed in imports of pearls, precious & semi-precious stones (-41.61%), Coal, Coke & Briquettes, etc (-35.63%), and Iron & Steel (-23.37%).

Major exports which witnessed decline in February include petroleum products (-29%), Organic & Inorganic Chemicals (-24.5%), and gold & Jewellery (-20.74%).Goods, which showed a major jump in exports during the month, include tobacco (26.76%), electronic goods (26.46%), Mica, Coal & Other Ores, Minerals Including Processed Minerals (24.25%), Coffee (22.32%), Rice (13.21%), etc.

In the first 11-month of the current financial year, India's merchandise exports remained flat at $395 billion, while imports rose by 6% to $667 billion. Total exports of services and goods in the April-February period has already crossed $750 billion, just $28 shy of crossing FY24 exports figure of $778 billion.

Speaking to the media during the announcement of the February trade data, Commerce Secretary Sunil Barthwal said that despite a difficult year, the government is very confident of crossing the total exports of $800 billion in the current financial year. The commerce secretary attributed the fall in exports and imports of petroleum products to decline in international crude prices.

Meanwhile, amidst the threat of reciprocal tax from the US government, Indian exports to the US continue to see growth, rising by 10.4% to $7.9 billion in the February and by 9.1% in the April-February period during which goods worth $76.4 billion were supplied to the North American country. Imports to China in the April-February period grew by 10.5% to $104 billion.

Designate Sikhs for Justice as terrorist outfit, India tells US

NEW DELHI. Defence Minister Rajnath Singh has asked Tulsi Gabbard, Director of National Intelligence in the US administration, to designate Sikhs for Justice (SFJ), the pro-Khalistan separatist outfit, as a "terrorist outfit", sources told The Indian Express Monday.Singh conveyed SFJ's links with terrorist groups and Pakistan's spy agency, ISI, during his meeting with Gabbard, sources said.Later, Gabbard met Prime Minister Narendra Modi and External Affairs Minister S Jaishankar. Modi, in a post on X, said, "Glad to welcome @TulsiGabbard to India. Exchanged views on further advancing the India-US Comprehensive Global Strategic Partnership. Both countries are committed to combating terrorism and enhancing maritime and cyber security cooperation."

The discussions assume significance since Gabbard also attended the conference of intelligence chiefs Sunday which was hosted by NSA Ajit Doval, R&AW chief Ravi Sinha and IB director Tapan Deka. It was also attended by Canada's CSIS chief Daniel Rogers, UK's National Security Advisor Jonathan Powell and New Zealand's intelligence head Andrew Hampton – all part of the Five Eyes, the intelligence-sharing alliance of US, UK, Canada, Australia and New Zealand. Australia's intelligence chief Andrew Shearer was in India last month, and couldn't make it to the conference this time, but a senior intelligence official from Australia was present.

That this request to designate SFJ as a terror organisation has come at a time when India is still confronting allegations of an assassination plot against SFJ leader Gurpatwant Singh Pannun in a US court, and there is an ongoing investigation by Canadian authorities into the killing of another Khalistan separatist Hardeep Singh Nijjar in Canada, makes it an important element in Indo-US ties under the Trump 2.0 administration. Intelligence about the Nijjar plot was shared among the Five Eyes partners. India has strongly rejected allegations of killing Nijjar, calling them "absurd" and "politically motivated".

The SFJ was banned by the Ministry of Home Affairs on July 10, 2019 under the Unlawful Activities (Prevention) Act, and Pannun was designated an "individual terrorist" on July 1, 2020.After their meeting Monday, Singh, in a post on X, said, "Happy to have met the US Director of National Intelligence Ms @TulsiGabbard in New Delhi. We discussed a wide range of issues which include defence and information sharing, aiming to further deepen the India-US partnership."

According to an official statement by the Ministry of Defence, Singh had a "productive meeting".Drawing from the Joint Statement issued after the recent meeting of Prime Minister Narendra Modi and President Donald Trump, the statement said "the discussions reaffirmed the growing strength of the India-US bilateral defence partnership".

"Both… emphasised that strategic security remains a vital pillar of the comprehensive global strategic cooperation between the two nations. Shri Rajnath Singh and Ms Tulsi Gabbard reviewed the significant strides made in the areas of military exercises, strategic cooperation, integration of defence industrial supply chains and information-sharing cooperation, especially in maritime domain, between India and US," it stated.

It said they "explored avenues for collaboration in cutting-edge defence innovation and niche technologies, reflecting their shared commitment to advancing mutual strategic interests. Additionally, they addressed key areas such as enhancing interoperability and fostering greater integration of defence industrial supply chains to bolster resilience and innovation".Singh expressed "gratitude to the US Director of National Intelligence for her steadfast goodwill and admiration for Indian culture and heritage, noting that such sentiments deepen the bonds of friendship between India and US".

Delhi police launch 'Shishtachar' squad against eve-teasing

NEW DELHI. Delhi Police has formed district-wise dedicated anti-eve-teasing squads (Shistachar squads) across the national capital to check incidents of harassment and ensure the safety of women in public spaces, officials said on Monday.According to the police, they have been implementing multiple initiatives to curb crimes against women, including eve teasing, molestation, and other forms of harassment with the objective of fostering a safer public environment. Each district will form at least two squads, which will be supervised by the ACP Crime Against Women cell of the concerned district.

According to a circular by the Delhi Police Commissioner, each squad will comprise an inspector, a sub-inspector, four female officers, five male officers and one personnel from special staff from the anti-auto theft squad for technical assistance.

They will be provided with one four-wheeler and adequate two-wheelers to ensure effective patrolling and quick response. "The district DCPs shall identify and compile a list of hotspots and vulnerable areas, posing risks to women's safety, which will be the primary focus of these squads. A list of such hotspots identified by the district DCPs will be shared with DCP of the Special Police Unit for Women and Children (SPUWAC)," the circular read.

The squad will also routinely move around in vulnerable areas and conduct drives in at least two vulnerable points every day.

Plain-clothed female officers will be deployed to identify offenders and surprise checks will be conducted in public transport with outreach to DTC staff and passengers to encourage reporting, it added.

'Anti-romeo squad'

The BJP had in the Delhi assembly election manifesto promised to establish 'Anti-Romeo squad', as in Uttar Pradesh, to enhance women's safety in public spaces. The latest initiative by Delhi police adopts a multi-faceted approach, involving prevention, intervention and victim assistance.

Punjab Speaker flags errors in NCERT book, pens letter to Education minister

NEW DELHI. Punjab Assembly Speaker Kultar Singh Sandhwan has written to Union Education Minister Dharmendra Pradhan, highlighting numerous errors in a Punjabi textbook published by the National Council of Educational Research and Training (NCERT).In his letter, Sandhwan pointed out significant spelling mistakes and factual inaccuracies in the book 'Punjabi Primer', which is designed for Balvatika/Anganwadi-level children and adult literacy programmes.Such

fundamental mistakes not only misguide young learners but also undermine the effectiveness of literacy initiatives for adults, he said in a statement.

He stressed the need for educational materials, particularly foundational learning books, to maintain the highest standards of accuracy and authenticity.

Sandhwan urged the minister to initiate an immediate review and revision of the textbook by qualified Punjabi linguistic experts and scholars to ensure correct and reliable content.He also emphasised the need for a strict editorial and quality-checking process for all future publications by the National Council of Educational Research and Training (NCERT) to prevent such errors.

Ensuring error-free learning materials is crucial for the success of foundational education and literacy programmes, he said.

MCD rejects proposal to double parking rates in Delhi

NEW DELHI. In a major relief to the people using their vehicles, the Municipal Corporation of Delhi has decided not to double parking rates in the city. A proposal for this was tabled at the MCD House meeting on Monday and was rejected by the ruling party.The idea of raising parking charges under the Graded Response Action Plan (GRAP) has been on the agenda since June 2024 but was repeatedly referred back to the House for reconsideration. The MCD looks after nearly 400 surface parking facilities managed by concessionaires. At present, the hourly parking rate is Rs 20 for four wheelers and Rs 10 for two wheelers.The civic body had earlier made several unsuccessful attempts to grant the commissioner the authority to adjust parking fees but the proposal was rejected on every occasion. It is stated that the corporation has approved differential rate on the basis of category of colonies as fixed by Municipal Valuation Committee (MVC) for the purpose of levying of property tax or fixing minimum reserve

price for auctioning/tender of municipal shops/kiosks/platforms, etc.

Differential parking pricing is also important as the land price in inextricably linked with parking sites. It is, accordingly, proposed that the differential rates of parking charges may also be fixed on the basis on the category of colonies where such parking site exists. It is proposed that entire MCD parking may be categorized in two parking categories A & B and A category was for A to D category of colonies while category B for E to H categories of colonies.The proposed revised parking charge for cars was Rs 20 for category B and Rs 30 for category A for 0-1 hour, Rs 50 and Rs 75 for 1-3 hours and Rs 20 and Rs 30 per hour beyond 3 hours. For two wheelers, it was Rs 10 and Rs 15 in two categories for 0-1 hour, Rs 25 and 50 for 1-3 hours and Rs 10 and Rs 15 per hour beyond 3 hours. A councillor from the ruling party said that the decision to keep the parking rates same was taken in view of people's interest.

Delhi HC directs Centre to follow SC order on replacing 'India' with 'Bharat'

NEW DELHI. The Delhi High Court has directed the Centre to promptly adhere to the Supreme Court's order to consider a request for amending the Constitution and replacing the term "India" with "Bharat" or "Hindustan." Justice Sachin Datta also permitted the petitioner to withdraw their plea on the matter.

"After some hearing, senior counsel for the petitioner seeks to withdraw the present petition with leave to pursue the matter with the ministries concerned for disposal of the petitioner's representation in terms of the order dated June 3, 2020 passed by the Supreme Court...the present petition stands dismissed as withdrawn," said Court.The petition had alleged that despite a Supreme Court directive in 2020 urging the government to review the matter, no action has been taken.

The plea argued that successive governments have ignored requests to address the issue."The petitioner is left with no option but to approach this Court, as there has been no update from the respondents regarding any decision taken on the representation," the plea stated.

The petition had urged the court to direct the Centre to amend Article 1 of the Constitution, which deals with the name and territory of the Union and asked to replace "India with Bharat/Hindustan." It argued that the name 'India' is a colonial legacy that does not fully represent the country's civilisational ethos, whereas 'Bharat' is deeply rooted in its cultural and historical identity.The petitioner highlighted that during the Constituent Assembly debates on November 15, 1948, extensive discussions took place on renaming the country as 'Bharat' or 'Hindustan.' However, the final version of the Constitution retained both names, leaving the matter unresolved."This petition seeks to complete that unfinished task by ensuring Bharat is the sole name of our nation," the plea stated. Since the SC's directive in 2020, the petitioner has actively pursued the matter, filing an RTI to track progress.

No reports on sexual violence as DCPCR remains headless for two years

NEW DELHI. No regular reports on instances of sexual violence, no commissioning of studies on missing children, no journals and no rescue operations to curb child labour. Practically, no activity has been reported by the Delhi Commission for Protection of Child Rights (DCPCR) - a statutory watchdog of the Delhi government.More so, the post of chairperson of the commission has been lying vacant since July 2023. In fact, it does not even have a single staff to keep the commission running.n response to a public interest litigation (PIL) filed by the National Child Development Council, the Delhi High Court in May 2024 issued a notice seeking a resolution to the prolonged vacancy in DCPCR. The PIL highlighted the detrimental impact of the vacant positions on the commission's functionality since the tenure of the former chairperson, Anurag Kundu, ended on July 2, 2023.

However, the proposal to invite applications for filling the vacant posts has been pending since August 2023. Officials said that advertisements could not be issued since the Model Code of Conduct was in force. The HC issued notices to the Centre, Delhi government and DCPCR, posting the next hearing to July 16 since the advertisements could not be issued.Despite repeated attempts, Kundu did not respond to the queries.

Veditha Reddy, the director of education, also did not respond.Ramesh Negi, retired IAS officer and former DCPCR chief, told this newspaper, "Similar situation had happened between 2015 and 2017 when there was a change in the government. The commission had no chairman for one and half years. The chairman was appointed after the high court's directions. Earlier, the appointment used to be okayed by the Delhi government and the L-G, but now the MHA approves it."He added, "Tracing the children and their rehabilitation are DCPCR responsibilities. Now, reports on the missing children are left with the police.

Delhi court directs police to give chargesheet copy to AAP MP Raghav Chadha in DJB vandalism case

NEW DELHI. A Delhi Court has directed that copies of the chargesheet and supplementary chargesheet be provided to AAP MP Raghav Chadha in connection with his plea for monitoring the investigation into the 2020 Delhi Jal Board (DJB) office vandalism case.

The directive was issued on Monday in response to Chadha's request, as he had initially filed the complaint that led to the case's registration. Subsequently, he sought judicial oversight of the probe.Additional Chief Judicial Magistrate (ACJM) Paras Dalal of the Rouse Avenue Court assured the court that Chadha would receive copies of the charge sheets as per his application.

The case is now set for its next hearing on April 7. BJP MP Yogender Chandolia, BJP leader Adesh Gupta, and several others are named as accused in the case. Given that Chandolia is a sitting MP, the matter was recently transferred to the Special MP/MLA Court.

At the latest hearing, Adesh Gupta appeared in person, while Chandolia joined via video conferencing. Advocate Prashant Manchanda, representing Chadha, sought an exemption for his client due to his parliamentary commitments.Delhi Police had earlier filed a chargesheet under multiple sections of the IPC, including 188 (disobedience to an order by public servant), 269 (negligent act likely to spread infection of disease), 147 (rioting), 148 (armed rioting), 149 (unlawful assembly), 427 (mischief causing damage), along with charges under the Prevention of Damage to Public Property Act and the Pandemic Act.

Centre drops National Tourism Policy, focuses on existing initiatives

Union Tourism Minister Gajendra Singh Shekhawat said that the current priority is to strengthen and effectively implement ongoing initiatives rather than introduce a separate policy.

NEW DELHI. The Ministry of Tourism has decided to shelve the proposed National Tourism Policy, which aimed to position India among the top five global travel destinations by 2030. Union Tourism Minister Gajendra Singh Shekhawat informed the Lok Sabha on Monday that while the ministry had been working on drafting the policy to keep up with the latest developments in the sector, a separate policy is "not envisaged at this point in time."

Shekhawat, in a written reply to DMK MP Ganapathy Rajkumar P, stated that key elements and action areas from the draft policy have already been incorporated into existing schemes and guidelines. "In due course of time, elements and action areas highlighted in the draft policy document have been suitably incorporated in all the schemes and guidelines, and the ministry is open to continuous engagement with all stakeholders. In view of this, a separate tourism policy is not envisaged at this point in time," he said.

The draft policy, which was released for public feedback in January 2022, included provisions such as a mobile phone application for e-tourist visas, direct air connectivity with major overseas markets, and special tourism zones to promote sustainable and inclusive tourism development.

However, Shekhawat said that the current priority is to strengthen and effectively implement ongoing initiatives rather than introduce a separate policy. "At present, the focus remains on strengthening and effectively implementing these ongoing initiatives rather than formulating a separate policy document. The ministry continues to monitor the evolving needs of the tourism sector and remains open to further enhancements in alignment with national priorities and stakeholder inputs," his reply read.The government continues to support the tourism sector through various schemes such as Swadesh Darshan, PRASHAD (Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Augmentation Drive), Dekho Apna Desh, and Chalo India. These initiatives address key areas including tourism promotion, industry competitiveness, sustainability, skill development, and infrastructure growth. Shekhawat also highlighted that the ministry is closely working with central ministries, states, union territories, and the hospitality industry to ensure the sector's growth.

The proposed National Tourism Policy had previously been in its final stages of processing. In August 2022, it was expected to be placed before the Union Cabinet for approval. Later, in February 2023, the then Tourism Minister G Kishan Reddy had informed the Rajya Sabha that a revised Cabinet Note on the policy had been circulated for inter-ministerial consultation and was awaiting final approval. However, with the latest announcement, the ministry has made it clear that there are no plans to introduce a separate tourism policy at this stage.

NEWS BOX

Trump warns Iran it will face 'consequences' of further attacks from Yemen's Houthi rebels

DUBAI. U.S. President Donald Trump on Monday explicitly linked the actions of Yemen's Houthi rebels to the group's main benefactor, Iran, warning Tehran would "suffer the consequences" for further attacks by the group.

The comments by Trump on his Truth Social website escalate his administration's new campaign of airstrikes targeting the rebels, which killed at least 53 people this weekend alone and appears poised to continue. Meanwhile, Iran continues to weigh how to respond to a letter Trump sent them last week trying to jump-start negotiations over Tehran's rapidly advancing nuclear program.Houthi supporters themselves rallied in several cities Monday after the strikes, vowing revenge against America and Israel over blocking aid to the Gaza Strip after its war on Hamas there. The Houthis' al-Masirah satellite news channel put young boys on air live, who chanted the group's slogan: "God is the greatest; death to America; death to Israel; curse the Jews; victory to Islam.""The Yemeni position is an irreversible position (regarding Gaza), so do whatever you (Americans) want, for we are men who fear no one but God," said Mohammed Ali al-Houthi, a Houthi leader who spoke to the demonstration in Yemen's rebel-held capital, Sanaa.

The United Nations called for a halt to all military activities in Yemen and the Red Sea, urging "utmost restraint" and warning that "any additional escalation could exacerbate regional tensions," U.N. deputy spokesman Farhan Haq said Monday.

Trump links Iran to the Houthis

Describing the Houthis as "sinister mobsters and thugs," Trump warned any attack by the group would be met with "great force, and there is no guarantee that that force will stop there.""Iran has played 'the innocent victim' of rogue terrorists from which they've lost control, but they haven't lost control," Trump alleged in his post. "They're dictating every move, giving them the weapons, supplying them with money and highly sophisticated Military equipment, and even, so-called, 'Intelligence.'"

It's unclear what sparked Trump's post. However, the head of Iran's paramilitary Revolutionary Guard sought to separate the Houthis' actions from those of Tehran this weekend. The Houthis also launched drones and missiles targeting the USS Harry S. Truman aircraft carrier in the Red Sea, though none reached the ship as it continues flight operations in the region.

Zelensky, Macron Hold Phone Talks Ahead Of Trump-Putin Conversation

world. Ukrainian President Volodymyr Zelensky said he spoke by phone with French President Emmanuel Macron ahead of an upcoming conversation between US President Donald Trump and Russian President Vladimir Putin."We coordinated our positions ahead of the conversation between President Trump and Putin and the upcoming meetings in Europe," Zelensky said in his evening address.

'Pope of the children'Earlier Sunday, dozens of children — many from war-torn countries, and toting yellow and white balloons — gathered outside Rome's Gemelli hospital to greet Francis on his fifth Sunday hospitalized. While the pope did not appear from the 10th-floor suite of windows, he thanked them and acknowledged their presence in the traditional Sunday blessing.He added that France, together with its partners, must work to develop a "concrete plan" to provide solid security guarantees for Ukraine and ensure lasting peace in Europe.

Earlier in the day, US media reported that Trump said he planned to talk with Putin on Tuesday about ending the Russia-Ukraine conflict.Russia on Monday confirmed that a phone call between the US President Donald Trump and his Russian counterpart Vladimir Putin will take place on Tuesday."Yes, this is indeed the case. Such a conversation is being prepared for Tuesday," state-run news agency TASS quoted Kremlin spokesman Dmitry Peskov as saying.

Luigi Mangione claims cops tricked him to get his DNA by offering snacks after McDonald's arrest

world. Four months after his arrest on charges of murdering UnitedHealthcare CEO Brian Thompson, Luigi Mangione has now claimed in the court that he was tricked by the police into giving his DNA samples as he was offered food and a soda at the police station after his arrest. It was just a way to get Luigi Mangione's DNA samples as till then the police had nothing against him, Luigi's lawyer said in a new filing But why this sudden change in the legal strategy? Mangione's legal team is pushing to get rid of all evidence against Mangione.

Mangione's attorney Thomas Dickey claimed that while cops were interrogating him, they gave him food which was a ploy to get his DNA samples. Dickey said the DNA samples were "poisonous fruits" as they were obtained illegally. They said the cops who approached Mangione on the morning of December 9, five days after Thompson was murdered, had no proper legal reason to do so, it was just a hunch.

Cops called Mangione's personal notebook a manifesto: New defense strategyDickey claimed in the court that the cops illegally took his notebook and bag and then called it a 'manifesto'. Dickey said it was not fair to call Mangione's personal writing a manifesto. It was "done solely for the purpose to prejudice (Mangione) and put him in a negative light before the public".?The DNA samples are crucial evidence in the case of Luigi Mangione in Pennsylvania where he faces charges of forgery, giving a fake ID to the police and possession of an unlicensed firearm.

At least 200 killed as Israel launches heaviest airstrikes across Gaza since ceasefire

DEIR AL-BALAH, Gaza Strip: Israel launched a wave of airstrikes across the Gaza Strip early Tuesday, saying it was hitting Hamas targets in its heaviest assault in the territory since a ceasefire took effect in January.Gaza's Health Ministry said the strikes killed at least 200 people. Khalil Degran, a spokesman for the ministry based at the Al-Aqsa Martyrs Hospital in central Gaza, provided the updated figure on Tuesday.Prime Minister Benjamin Netanyahu said he had ordered the strikes because of a lack of progress in ongoing talks to extend the ceasefire. It was not immediately clear if the operation was a one-time pressure tactic or if the 17-month-old war was being resumed altogether.

Hamas warned that Israel's new airstrikes breached their ceasefire and put the fate of hostages in jeopardy.White House press secretary Karoline Leavitt said the "Trump administration and the White House were consulted by the Israelis on their attacks in Gaza tonight."As President Trump has made it clear, Hamas, the Houthis, Iran - all those who seek to terrorize not just Israel, but also the United States of America - will see a price to pay: All hell will break lose," Leavitt continued, speaking to Fox News on Monday evening.An Israeli official, speaing on condition of anonymity to discuss the unfolding operation, said Israel was striking Hamas' military, leaders and infrastructure and planned to expand the operation beyond air attacks. The official accused Hamas of attempting to rebuild and plan new attacks. Hamas militants and security forces quickly returned to the streets in recent weeks after the ceasefire went into effect.Israel's defense minister, Israel Katz, said the "gates of hell will open in Gaza" if the hostages aren't released. "We will not stop fighting until all of our hostages are home and we have achieved all of the war goals," he said.Explosions could be heard throughout Gaza, and Gaza's Health Ministry said at least 44 people were killed in the new wave of airstrikes. The territory's civil defense agency said its crews were having a difficult time carrying out rescue efforts because various areas were being targeted simultaneously.Talks on a second phase of the ceasefire had stalledThe strikes came two months after a ceasefire was reached to pause the war.

Over six weeks, Hamas released roughly three dozen hostages in exchange for nearly 2,000 Palestinian prisoners in a first phase of the ceasefire.But since that ceasefire ended two weeks ago, the sides have not been able to agree on a way forward with a second phase aimed at releasing the nearly 60 remaining hostages and ending the war altogether.Hamas has demanded an end to the war and full withdrawal of Israeli troops in exchange for the release of the remaining hostages. Israel says it will not end the war until it destroys Hamas governing and military capabilities and frees all hostages.Netanyahu has repeatedly threatened to resume the war, and early this month cut off the entry of all food and aid deliveries into the besieged territory to put pressure on Hamas."This comes after Hamas repeatedly refused to release our hostages and rejected all offers it received from the U.S. presidential envoy, Steve Witkoff, and from the mediators," Netanyahu's office said early Tuesday.Taher Nunu, a Hamas official, criticized the Israeli attacks. "The international community faces a moral test: either it allows the return of the crimes committed by the occupation army or it enforces a commitment to ending the aggression and war against innocent people in Gaza," he said.

After cancelling pardons, Trump ends Secret Service protection for Biden's children

US President Donald Trump said he was revoking Secret Service protection for former President Joe Biden's adult children, which the Democrat had extended to July shortly before leaving office.

world. President Donald Trump said on Monday he was ending "immediately" the Secret Service protection details assigned to Democrat Joe Biden's adult children, which the former president had extended to July shortly before leaving office in January.

The Republican president on social media objected to what he said were 18 agents assigned to Hunter Biden's protective detail while in South Africa this week. He said Ashley Biden has 13 agents assigned to her detail and that she too "will be taken off the list."Former presidents and their spouses receive life-long Secret Service protection under federal law, but the protection afforded to their immediate families over the age of 16 ends when they leave office.

But outgoing presidents can extend protection for those who might otherwise not be eligible for up to six months after they leave office, something Biden did for his children and Trump did for his family after leaving office in 2021. Former Presidents Barack Obama and George W Bush also extended protection for their families for a period."We are aware of the President's decision to terminate protection for Hunter and Ashley Biden," the agency said in a statement. "The Secret Service will comply and is actively working with the protective details and the White House to ensure compliance as soon as possible."While touring the John F Kennedy Centre for the Performing Arts on Monday afternoon, a reporter asked Trump if he would revoke the protection for the former president's son."Well, we have done that with many. I would say if there are 18 with Hunter Biden, that will be something I'll look at this afternoon," Trump said, who added this was the first time he heard about the matter.

Israel consulted US before bombing Gaza, confirms White House

world. The administration of President Donald Trump was consulted on Monday by Israel on its deadly strikes in Gaza, a White House spokesperson told Fox News' "Hannity" show."The Trump administration and the White House were consulted by the Israelis on their attacks in Gaza tonight," White House press secretary Karoline Leavitt said in a Fox News interview.

Palestinian medics in Gaza reported dozens of people were killed in the aftermath of a series of the most violent air attacks by Israel on the Palestinian enclave since a ceasefire was reached on January 19 between Israel and Hamas militants.A senior Hamas official said Israel had unilaterally overturned the ceasefire agreement."As President Trump has made it clear - Hamas, the Houthis, Iran, all those who seek to terrorize not just Israel, but also the United States of America, will see a price to pay. All hell will break

loose," the White House spokesperson said.

Trump had previously publicly issued a warning using similar words, saying Hamas should release all hostages in Gaza or "let hell break out."As per reports, three US carriers were headed towards Iran following Israel's strikes on Gaza.The latest bloodshed in the decades-old Israeli-Palestinian conflict was triggered on Oct. 7, 2023, when Palestinian Hamas militants attacked Israel, killing 1,200 and taking about 250 hostages, according to Israeli allies.

Israel's subsequent military assault on Gaza has killed over 48,000 Palestinians, according to the local health ministry, while also triggering accusations of genocide and war crimes that Israel denies. The assault has internally displaced nearly Gaza's entire 2.3 million population and caused a hunger crisis.Trump has also been condemned over his plan to displace Palestinians from Gaza and for the US to take over the enclave. Rights groups, the UN, Palestinians and Arab states have said Trump's proposal, which he has put across as a re-development plan, would amount to ethnic cleansing.Washington separately launched a new wave of airstrikes on Saturday in Yemen in which it said dozens of members of the Houthi movement were left dead. The Houthis said at least 53 people were killed. Reuters could not independently verify those casualty numbers.

South Sudan airstrike kills 19, clashes escalate near Ethiopia border

A South Sudanese airstrike in Nasir killed at least 19 people, escalating tensions with the White Army militia and raising fears of renewed civil war.

Nairobi. An airstrike by South Sudan's airforce killed at least 19 people in the country's east, residents said, less than two weeks after government forces withdrew from the area following intense fighting with an ethnic militia.The clashes in Nasir, near the Ethiopian border, between national forces and the White Army, a loosely organised group mostly comprising armed ethnic Nuer youths, had threatened to reignite the 2013-2018 civil war in which hundreds of thousands of people died.The government accuses the party of First Vice President Riek Machar, a Nuer, of collaborating with the White Army, which fought alongside Machar's forces during the civil war against the predominantly ethnic Dinka troops loyal to President Salva Kiir. Machar's party has denied involvement.A South Sudanese general was amongst around 27 soldiers killed on March 7 when a U.N. helicopter trying to evacuate them from

Nasir came under attack.

South Sudan's Information Minister Michael Makuei told journalists at a news conference the airforce bombed Nasir on Monday morning.

Kang Wan, a community leader in Nasir, said it happened late on Sunday night, and that of the 19 dead, 15 people were killed immediately, while the others later succumbed to their wounds. Another resident said they saw 16 bodies and that three others had died."All of them got burned, everything got burned," Wan told Reuters by telephone.Medecins Sans Frontieres said its hospital in nearby Ulang received three wounded patients from Nasir on Monday morning."Two of them were declared dead on arrival due to the severe burns they had sustained," MSF said in a statement, giving no further details.Nasir County Commissioner James Gatluak Lew, who is allied to Machar, said the South Sudanese armed forces were likely seeking revenge for the helicopter attack.Last week, Uganda said it had deployed special forces in South Sudan's capital Juba to "secure it". The South Sudanese government at the time denied the presence of Ugandan troops in the country.However, Makuei said in a statement some Ugandan army units were in the country "to back up and support the (national army) according to their needs".

Israel launches extensive airstrikes on Gaza, Palestine claims over 200 killed

world. At least 200 people were killed as Israel launched a wave of airstrikes across Gaza early Tuesday, shattering a fragile ceasefire that had held since January. The attacks, which struck multiple locations, including Gaza City, Deir al-Balah, Khan Younis, and Rafah, marked the most intense Israeli bombardment since the truce took effect. Palestinian health officials reported that many of the dead were children, as strikes hit residential areas where thousands remain displaced.As the strikes unfolded, a White House spokesperson confirmed that Israel had consulted the Trump administration before carrying out the attacks. Speaking to Fox News' "Hannity" show, White House Press Secretary Karoline Leavitt said, "The Trump administration and the White House were consulted by the Israelis on their attacks in Gaza tonight."She added that President Donald Trump had warned Hamas and other groups, including Iran-backed Houthis, that they would "see a price to pay" for acts of terrorism.The strikes come after weeks of failed negotiations between Israel and Hamas over the fate of the remaining 59 hostages still held in Gaza. Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's office accused Hamas of "repeated refusal to release our hostages" despite mediation efforts led by Egypt and Qatar, with US backing.

A Hamas official, in response, blamed Israel for unilaterally overturning the ceasefire and warned that the situation could spiral further out of control.The truce, initially brokered on January 19, led to the release of 33 Israeli and five Thai hostages in exchange for around 2,000 Palestinian prisoners.However, tensions mounted as Israel accused Hamas of stalling negotiations and blocked aid deliveries to Gaza as a pressure tactic. Hamas, for its part, insisted that any agreement must include a permanent end to the war and a full Israeli withdrawal from Gaza-terms Israel was unwilling to accept.

Tuesday's airstrikes targeted what the Israeli military described as mid-level Hamas commanders and infrastructure. However, Palestinian medics and witnesses reported widespread destruction in civilian areas, including a building in Gaza City and homes in Deir al-Balah.

The full scale of the devastation is still unfolding, but the Palestinian Health Ministry has warned that Gaza's already crippled hospital system is struggling to handle the casualties.The latest escalation follows 15 months of war that began on October 7, 2023, when Hamas-led gunmen stormed Israeli border towns, killing about 1,200 people and abducting 251 hostages, according to Israeli authorities. In response, Israel launched a relentless military campaign that has killed more than 48,000 Palestinians, according to Gaza health officials, while devastating much of the enclave's infrastructure and forcing nearly its entire 2.3 million population into displacement.

NEWS BOX

Seifert, bowlers help New Zealand go 2-0 up vs Pakistan with 5-wicket win in 2nd T20I

New Delhi. New Zealand took a 2-0 lead in the five-match T20I series against Pakistan with a five-wicket win in the second T20I on Tuesday, March 18 at University Oval, Dunedin. After being put in to bat first, Pakistan posted 135/9 in the rain-curtailed 15-over game, riding on a brilliant knock from captain Salman Agha (46 off 28). In reply, New Zealand chased down the target in 13.1 overs with Tim Seifert (45 off 22) leading the charge.The Kiwis' chase started with a maiden as Seifert had a cautious beginning against Shaheen Afridi. However, Finn Allen got things going by clobbering Mohammad Ali for three sixes in the second over. Seifert also got into the groove and whacked Shaheen Afridi for four maximums in the third over as both batters began a six-hitting fest.Despite playing first over maiden, New Zealand brought up their 50 in four overs as the opening duo spared none of the Pakistani bowlers. Seifert was eventually dismissed for 45 (22), getting caught at mid-on against Mohammad Ali.Two overs later, Allen also got out for 38 (16), being trapped

in front of the stumps by Jahanad Khan. However, the opening duo had done a phenomenal job with their explosive stand, leaving New Zealand needing just run-a-ball 48 runs for a victory. The hosts lost three more wickets before Mitchell Hay (21* off 16) and captain Michael Bracewell (5* off 2) took them over the line. Haris Rauf was the pick of the bowlers for Pakistan with figures of 2/20 in three overs.Salman Agha help Pakistan reach a good scoreEarlier in the day, Pakistan lost their opener Hasan Nawaz in the first over itself for a three-ball duck. His partner Mohammad Haris also failed to get going, getting dismissed for 11 (10) by Ben Sears. After two quick blows, a brief 31-run stand between captain Salman Agha and Irfan Khan helped Pakistan complete 50 in 6.3 overs before Ish Sodhi rocked them again with two wickets in the seventh over.However, Captain Salman continued to hold one end and kept the scoreboard ticking. He was finally dismissed four runs short of his half-century, getting holed out to deep square leg against Ben Sears.New Zealand vs Pakistan 2nd T20I HighlightsFollowing his dismissal, Shadab Khan (26 off 14), Abdul Samad (11 off 7) and Shaheen Afridi (22 off 14) helped Pakistan reach 135/9 in their 15 overs. For New Zealand, Jacob Duffy (2/20, 3 overs), Ben Sears (2/23, 3 overs), Jimmy Neesham (2/26, 3 overs) and.

Overrated fraud: Shaheen Afridi trolled as Tim Seifert hits him for 4 sixes in an over

New Delhi. It was not a great day in the office for Pakistan pacer Shaheen Shah Afridi as he was hit for 4 massive sixes by Tim Seifert during the 2nd T20I against New Zealand on Tuesday, March 18. Afridi was massively trolled by fans after the over as New Zealand took control of the run chase at Dunedin.

In the rain-affected game, which was reduced to 15 overs per side, Pakistan posted 135 runs, setting up a tough chase for the hosts. Shaheen scored 22 off 14 with the bat to give the visitors a late flourish to get to the score.With the ball, the left-arm pacer had a brilliant start as he was able to trouble Seifert and the first over was a maiden. But what followed after that was pure carnage as Finn Allen hit 3 sixes off Mohammad Ali to give the hosts momentum. Shaheen came on to bowl the third over, and he was greeted with 2 sixes from Seifert. The length and line was poor from Shaheen and he was able to pull it

back a bit in the next two balls. But the carnage didn't stop after that.

The New Zealand opener then deposited the final 2 deliveries out of the ground as New Zealand raced to 44 from just 3 overs. Shaheen ended up conceding 26 runs in that over and it proved to be the turning point in the end as New Zealand won the match by 5 wickets. Seifert top scored with 45 runs off 22 balls.police search a house giving out foul stench on a complaint made by neighbors, ends up finding a moving floor

Learn More

Shaheen ended the day wicketless and registered figures of 31 runs from 3 overs. This led to fans massively trolling the pacer and calling him overrated on social media.

Shaheen Shah Afridi trolled on social media

IPL Multiverse: What if Virat Kohli was signed by Delhi Capitals in 2008

- Delhi signed Pradeep Sangwan instead of Kohli in 2008
- Kohli is the highest run-getter in IPL history with 8004 runs
- Kohli has helped RCB reach 3 IPL finals while DC got to just 1

New Delhi. Well, most of us have come to know about the multiverse through the Marvel movies in recent times. In the Marvel universe, the multiverse refers to a collection of alternate realities, or universes, each different from the other due to different possible outcomes of events. When it comes to the IPL, we have seen many what-if-moments which could have altered the course of the history of the tournament over the past 17 seasons. These range from possible signings to match moments, which we will try to analyse in this series.So, let's start with one of the most famous signings in the history of the IPL. In 2008, a draft took place for the Indian U-19 players and amongst them was a dashing young boy from Delhi. He had just won the U-19 World Cup with India and led from the front with the bat and attracted the interest of many IPL teams. It was none other than Virat Kohli. Many tipped the then-youngster to head to Delhi given that he was a home town hero.

But what happened was entirely different as Delhi went after Pradeep Sangwan. Royal Challengers Bengaluru jumped at the opportunity and snapped Kohli. The rest, as they say, is history. Kohli is the highest run-getter in the history of IPL and captained RCB from 2013 to 2021. He took the franchise to the final three times, with the 2016 season seeing the star batter score 973 runs.Delhi, on the other hand, have made it to the final just once in 2020 and the playoffs just 6 times in 18 seasons. Since then, Kevin Pietersen has always brought up the topic of Kohli arriving in Delhi before ending his IPL career.

So, what would have happened if Delhi signed Kohli instead of Sangwan? It's a parallel universe that many would like to know about, and we see how the history of IPL could have been shaped if Kohli played for his hometown franchise.

Into the multiverse we go then.....

Kohli remains at Delhi for life

Well, let's get the obvious one out of the way. If Kohli was signed, it is unlikely that Delhi

would have ever let him go. After the 2011 World Cup, Kohli became a household name and his stock just kept on rising. Multiple records were broken by the star batter in all formats of the game and he even became the captain of the Indian team. So, it's safe to assume that Kohli would have stayed at DC for the entirety of his career.

Kohli the captain leads Delhi

Another pretty easy one we will get out of the way is that Kohli would eventually become the skipper of the Delhi franchise. One of the things we have seen with Delhi is that it has been a franchise that has seen multiple captains come and go with not a lot of success to show.In their 18 seasons, DC have had 13 different captains. Assuming if Kohli took over in 2013, the same time he did at RCB, there would have been a lot of consistency when it comes to the leadership front.Kohli makes Delhi playoff contenders and a big IPL side

Over the years, we have seen Kohli almost single-handedly carry RCB across the finish line and into the playoffs. We saw it in 2016 and in 2024, where the star batter's runs were crucial. DC finished 6th in both the aforementioned seasons.Kohli, along with past talents like Shreyas Iyer, David Warner, Shikhar Dhawan and Axar Patel would have made Delhi a regular contender for the playoffs. In terms of fan following, DC could have scored big with Kohli in their ranks. The star batter has been a main reason why RCB has been considered as a big name in the IPL despite never winning the title.Kohli and Delhi would have broken title jinx long beforeThe IPL title jinx for Kohli always dominates the headlines before the start of a campaign. The star batter is one of the best players yet to get his hands on the prestigious trophy in his career and many hope each season that it is finally over.

India are not good in Tests, Rohit Sharma should take responsibility: Sourav Ganguly

New Delhi. Former India cricketer Sourav Ganguly feels that India captain Rohit Sharma should take responsibility of turning things around in Test cricket as the team is not doing well in the format at the moment. The Rohit Sharma-led side failed to qualify for the World Test Championship final (WTC final) 2025 following back-to-back series losses against New Zealand and Australia.

India were whitewashed in a three-match Test series at home for the first time in their history as New Zealand beat them 0-3 in November 2024. Furthermore, the Asian Giants went on to lose 1-3 in Australia and failed to complete a hat-trick of series victories down under.

Recently, Ganguly touched upon India's performances in Test cricket in recent times and said that Rohit can do much better as a Test batter than what he has done. He also mentioned that India will need him at the top of his game in the five-match Test series in England later this year."What has surprised me is his form in red ball over last 4-5 years.

A player of his stature and ability, he can do much better than what he has done. He must put on his thinking cap because we have 5 Tests against England and that's going to be another hard series. Just like the way it was in Australia. It's going to seam; it's going to swing. India need him to perform in the red ball but in white ball, he is one of the greatest ever," Ganguly, the former India captain, said during Trailblazers 3.0, by RevSportz.Furthermore, Ganguly said that the India captain needs to take responsibility of turning things around in Test cricket.

"I'm not surprised that he's taken the side to greater heights in white ball. I don't know whether he's going to continue playing Test cricket but if he is hearing me, he should take the responsibility of turning things around in red-ball. India are not good at red-ball at the moment and they need to look at it, find a way to play well in England because that's going to be a very important five-Test series. Rohit has to find a way to get this team going," he added.India will tour England for a five-match Test series beginning from June 20 which will also mark the beginning of their next WTC cycle for 2025-27. India haven't won a Test series in England since 2007 and there will be massive scrutiny on the form of senior players Rohit Sharma and Virat Kohli during the rubber, who're going through their worst slump in Tests.

Mayank Yadav starts bowling at BCCI Centre of Excellence ahead of IPL 2025

New Delhi. India and Lucknow Super Giants (LSG) fast bowler Mayank Yadav has started bowling at the BCCI Centre of Excellence in Bengaluru ahead of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025). Mayank has been going through rehabilitation after sustaining an injury ahead of the T20I tour of South Africa in November 2024.Hence, there are question marks over the timeline of his return for IPL 2025 as LSG patiently wait for the young speedster to regain full fitness. The 22-year-old was retained for Rs 11 crore by the franchise ahead of the season after his phenomenal debut in 2024.In a major sigh of relief for Lucknow, Mayank has shown great progress in his recovery and has even started bowling in the nets. In a video shared on his Instagram story, the young speedster was seen bowling with a shortened run-up in light intensity under the supervision of a coach.India Today's sister channel Sports Tak has learnt that Mayank is doing well in the nets and is showing match readiness. The only thing that LSG are looking for is the clearance from the Centre Of Excellence, which will allow the pacer to link up with the squad.

LSG are hopeful that Mayank will join the squad either on April 11 or 12, which means that he will at least miss the first 7 matches of his team. He caught everyone's attention with his menacing pace during the Indian Premier League 2024 (IPL 2024) as he left batters unsettled.The youngster won back-to-back Player of the Match awards in his first two matches against Punjab Kings (PBKS) and Royal Challengers Bengaluru (RCB) However, constant injuries meant that he could only play four matches in the season.

Keeping Mayank's troubles with injury in mind, ahead of the season LSG mentor Zaheer Khan they're keen on not rushing him to play in the upcoming season and said that they will field him once he's 150% fit. In LSG, Mayank will join forces with fast bowlers Akash Deep, Avesh Khan, Mohsin Khan, Shamar Joseph, Akash Singh and Prince Yadav.

Honoured to captain KKR, ready for the challenge that lies ahead: Ajinkya Rahane

- Kolkata Knight Riders' (KKR) new captain Ajinkya Rahane said that it's an honour for him to lead the team in Indian Premier League 2025 (IPL 2025) and mentioned that he's ready for the challenge to defend the title.

New Delhi. Kolkata Knight Riders (KKR) captain Ajinkya Rahane has said that it's an honour for him to lead the team in the upcoming Indian Premier League 2025 (IPL 2025). KKR bought Rahane for Rs 1.5 crore at the mega auction ahead of the season as he marks his return to the team after two seasons.

The veteran cricketer was appointed as the new skipper after Shreyas Iyer, who led them to their third IPL title in 2024, decided not to get retained by the team ahead of the mega auction. Hence, Rahane will have the opportunity to lead an IPL side after six years.Ahead of his return to captaincy, the star batter mentioned that it's an honour for him to return to lead a successful franchise like KKR and spoke about his camaraderie with head coach Chandrakant Pandit.First of all, it's an honour for me to be the captain of this wonderful franchisee, and I'm really

thankful and grateful to the management for giving me this opportunity. This is a challenging role, you know, we won the championship last year. For me, it is always about keeping it simple. Chandu sir and I, we worked together when Chandu sir was with Mumbai team, and I know his methods. I mean, he's, he's very disciplined, very focused, and he knows how to get the best out of every individual," said Rahane in a video shared by Star Sports.Furthermore, he also mentioned that it would be a challenge for them to defend their title in the upcoming season but the entire squad will be up for it.

"So for me, it's always about, having that good communication with our players, giving them that freedom on the field to express themselves and try and understand each other. So, again, it will be it will be a challenge for us to defend the title, but again, that's why, that's why we play cricket. We love this game and as I mentioned, this is an honour for me to lead this wonderful franchise and we will obviously give our best, this season," he added.Rahane brings with him a wealth of experience having led India in all three formats at the international level. The 36-year-old who's been a part of IPL since its inception has a massive task at hand to fill in Shreyas Iyer's shoes and script another glorious chapter in KKR's IPL history.

IPL 2025: How does revamped player replacement rule work ahead of new season

- With 4 replacements happening before the start of the new season, we have a look at the revamped rules for IPL 2025 in which a team can replace an unavailable member of their roster with a new player.

New Delhi. The new season of the IPL is all set to begin on March 22 with Kolkata Knight Riders welcoming Royal Challengers Bengaluru to the Eden Gardens in the opening match. Before the season started, we have already seen a few replacements take place, with the latest one being Chetan Sakariya joining KKR for the injured Umran Malik.SRH roped in Wiaan Mulder for Brydon Carse and Mumbai Indians brought in Mujeeb ur Rahman and Corbin Bosch to replace Allah Ghazanfar and Lizaad Williams respectively. The move to bring in Bosch has courted a lot of controversy as the South African had already registered for the Pakistan Super League as a part of the Peshawar Zalmi side. Bosch now faces legal action from the Pakistan Cricket Board for breaching his existing contract with the PSL side.

With this in mind, we have a look at the revamped player replacement rules for the upcoming season.2025 Coverage | IPL Points Table | IPL Schedule

What are the changes made to player replacement rules?

Ahead of the new season, the BCCI has extended its player replacement policy to help teams find substitutes for their

injured players. The replacement window for the new season has been extended until the 12 league fixture. Previously, it was limited till the 7th game of the season.

Where can teams sign replacement players from during IPL 2025?

As per the BCCI guidelines, IPL teams can take on replacements for their unavailable players from the Registered Available Player Pool (RAPP). The player can be signed for the entire season and the fee cannot be more than the one the team played for the unavailable roster member during the auction.The RAPP list contains names of players who were registered for the auction but was not picked. While teams can have contracts with players on the RAPP list for them to act as net bowlers, they will not have any call on the matter if another teams want to sign them as replacements.

Tamannaah Bhatia

Drops Cryptic Note On Not Waiting For 'A Miracle' Amid Vijay Varma Breakup Rumours

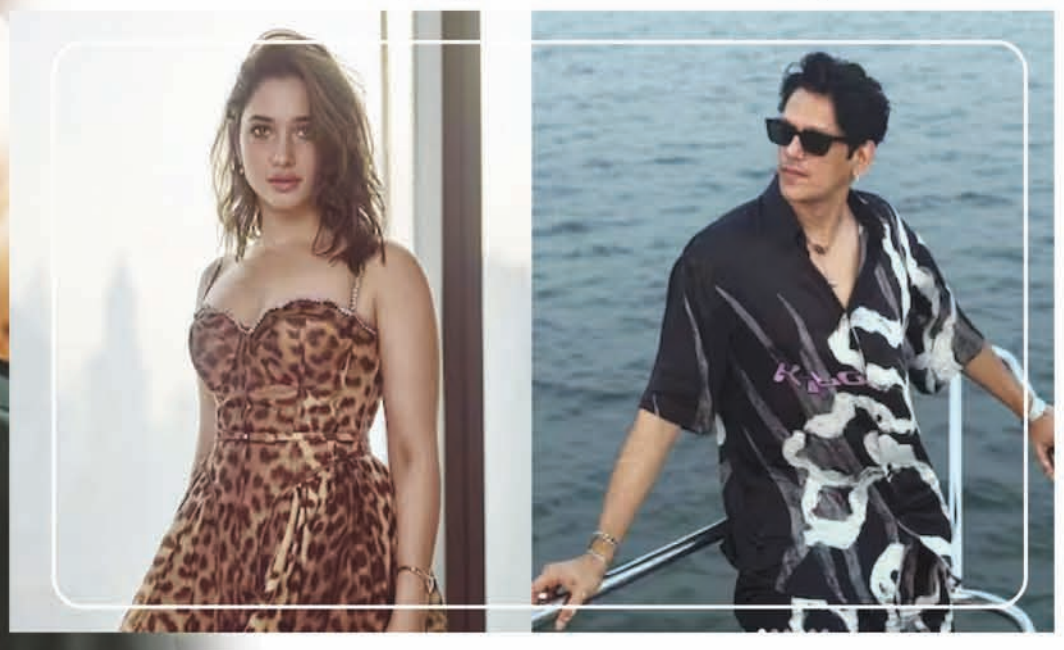

Rumours are rife that Tamannaah Bhatia and Vijay Varma have broken up as the actress wanted to tie the knot soon while the Darlings actor wanted to focus on his career. Amid this speculation, Tamannaah took to her Instagram Story to share a quote about not waiting for miracles to happen.The quote read, "Don't wait for a miracle to happen – create one." The quote comes amid speculation that Tamannaah and Vijay have broken up. However, neither has confirmed nor denied this. Have a look at Tamannaah's story here:

If a recent report by Siasat Daily is to be believed, the rift between Tamannaah and Vijay started when the former was feeling the pressure to settle down. Reportedly, Tamannaah, who is in her mid-30s, was keen on tying the knot and was growing impatient. The news portal claimed that this became a "point of contention" between the two actors and caused several "frequent disagreements". However, News18 could not independently verify the claims.

Tamannaah Bhatia and Vijay Varma began dating in 2022. They were seen together in Sujoy Ghosh's segment in Netflix's 'Lust Stories 2', which premiered in June 2023. After months of speculation, Tamannaah finally confirmed their relationship in an interview with Film Companion in June 2023.

Later, Vijay Varma shared that they announced their relationship because he did not want to 'cage' his feelings. "I think we were both aligned on the fact that if we like to spend time together and if we like each other, then there is no need to hide this. It takes a lot of effort to hide a relationship. You cannot go out together, your friends cannot click your photos. I don't like such restrictions. It wasn't like I wanted to be out there, but I just didn't want to be caged. I didn't want to cage my feelings," Vijay told Shubhankar Mishra on his YouTube channel.

Triptii Dimri

Drops A Photo As She Heads Off To Face Her 'Biggest Fear'

As the saying goes, 'We're only as strong as our biggest fear'. Following the same, actress Triptii Dimri geared up to face her 'biggest fear'.She took to her Instagram handle and dropped a picture of herself in scuba gear. It seems like the 'Animal' actress is scared of scuba diving.

"Heading out to face my biggest fear", she captioned the photo.Her Insta stories also include a picture of a breathtaking view of water and sunset.Triptii further shared an image of herself on the boat. She was seen in a white sleeveless top and black cap, accompanied by black sunglasses.

Meanwhile, Triptii's rumored boyfriend Sam Merchant also took to his Insta Stories and dropped a string of similar photographs of the beautiful sunset amidst water. He wrote, "Liberary, March 2025".

It looks like Triptii and Sam are vacationing together. However, the location of their latest trip is yet to be known.

Triptii celebrated her 31st birthday on February 23, 2025. Sharing a sneak peek into her birthday celebration, she revealed that she 'couldn't have asked for a better birthday'.The 'Qala' actress took to her Instagram handle and posted a handful of pictures and clips from her birthday celebrations, which included her cutting the cake, spending time with her rumored beau Sam, and enjoying some peaceful moments in nature with her friends.

"Surrounded by love ..laughter and nature's beauty.. Couldn't have asked for a better birthday.. Thank you for all the warm wishes and love", Triptii captioned the post.Work-wise, Triptii has been roped in for the much-awaited sequel, "Dhadak 2". She will be seen sharing the screen with Siddhant Chaturvedi in her next. Made under the direction of Shazia Iqbal, the sequel has been presented by Zee Studios, along with Dharma Productions and Cloud 9 Pictures.Over and above this, she also has Imtiaz Ali's upcoming drama in her kitty. The movie will mark Mollywood actor Fahadh Faasil's Bollywood debut.

Ankita Lokhande, Tejasswi Prakash, Adrija Roy Among 25 TV Celebrities Duped In Energy Drink Ad Scam, 5 Booked

Mumbai's TV entertainment industry has been rocked by a shocking fraud case, where 25 television personalities, including Ankita Lokhande, Aayush Sharma, Tejasswi Prakash and Adrija Roy, were allegedly cheated out of nearly Rs 1.5 crore. The scam came to light after a celebrity manager, representing multiple artists, approached the Chembur police with a formal complaint.According to reports, the accused lured celebrities into endorsing an energy drink, promising lucrative payments that never materialised. What seemed like a routine brand collaboration soon turned into a financial nightmare as payments were repeatedly delayed and eventually stopped altogether.

Police have registered a case against five individuals and have begun investigations, sifting through financial transactions and communication records to track down the culprits.According to the police, the complainant, Andher Roshan Binder (48), a businessman who arranges celebrities for events and advertisements, was first approached in July 2024 by someone claiming to need 25 artists for an energy drink advertisement. The offer seemed legitimate, and Binder proceeded with the deal.

To establish credibility, the accused reportedly sent a receipt for an advance payment of Rs 10 lakh. However, no actual money was transferred. Believing the payment would come through, Binder followed their instructions, including bringing the artists to a promotional event in Dadar.

The event saw a gathering of nearly 100 celebrities, including Arjun Bijlani, Abhishek Bajaj, and Harsh Rajput. From this group, 25 artists were chosen for the advertisement, with a total payment of ₹1.32 crore agreed upon. To further build trust, the accused shared a photo of a 15 lakh cheque as a payment guarantee, assuring that the funds would soon be transferred to Binder's account.Believing the promise, Binder moved forward with the advertisement shoot, and the content was subsequently uploaded on social media. The accused assured him that all payments would be cleared within 35 days.

Karan Johar Takes A Dig At Kartik Aaryan For 'Stealing' Bhool Bhulaiyaa Franchise: 'Khans, Kapoors Are Still OG'

Karan Johar and Kartik Aaryan have finally buried their old hatchets. They are not only collaborating on a new film but also hosted the recent IIFA Awards. In one segment, Kartik and Karan promoted their new film by indulging in a rap battle and taking subtle digs at each other's work before teasing their new film.During his wrap, Karan Johar said, "Tum ho naye student main evergreen faculty, let me introduce you to the real real royalty. Khans and Kapoors are still the OG guys, aaj kal ke hero dekho stealing their franchise!" Karan Johar even called himself a 'Kingmaker' in Bollywood.

Kartik Aaryan replied that he received success in Bollywood as an outsider and remarked that his Bhool Bhulaiyaa 3 was a hit when Karan Johar's Student of the Year 2 failed at the box office. Later that evening, he won the Best Actor (Male) award for his performance as Rooh Baba in Bhool Bhulaiyaa 3.

Kartik was overwhelmed, and in his winning speech, he reflected on the challenges and uncertainties he faced in his career. He said that the whole journey with the Bhool Bhulaiyaa franchise has been 'full of thorns' and that when he was first selected for Bhool Bhulaiyaa 2, many people questioned him and doubted him.Kartik Aaryan said, "I don't have words right now. I am not Chandu, I am the champion. I know this is not an award for that film, but I have the same feeling." He then added, "Bhool bhulaiyaa ki puri journey kaanton bhari rahi hai (The entire journey of Bhool Bhulaiyaa has been full of thorns)."

He further added, "Mujhe pehli baar Bhool Bhulaiyaa 2 ke liye select kiya gaya tha, tab bohot sawaal uthe the. Ki kya mere kandhon par ye film chal paayegi ya nahi chal paayegi? (When I was first selected for Bhool Bhulaiyaa 2, there were a lot of questions raised. People wondered whether this film would succeed on my shoulders or not)."

He also added that the team of Bhool Bhulaiyaa 3 faced uncertainties, and they were unsure whether they were releasing the film on the right day. This was likely in reference to his film's clash with Ajay Devgn starrer Singham Again at the box office. He said that there have always been many questions and doubts associated with this franchise. He then thanked the audience for always supporting him and loving his performance in Bhool Bhulaiyaa 2 and 3.